25 नवंबर, 2024
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, दशमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 37

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

हेमंत सोरेन मनोनीत मुख्यमंत्री नियुक्त, राज्यपाल ने सरकार बनाने का दिया न्योता

28 नवंबर को मोरहाबादी में ताजपोशी

- इंडिया गठबंधन की हुई बैठक, चुने गये नेता
- राज्यपाल से मिल कर समर्थन पत्र सौंपा
- सरकार गठन का दावा किया पेश
- चार विधायकों पर एक मंत्री का फार्मूला तय

प्रशांत झा

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य में इंडी गठबंधन की सरकार फिर बनेगी। गठबंधन दल के विधायकों की रविवार को मुख्यमंत्री आवास में बैठक हुई। इसमें हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद उन्होंने राजभवन जाकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया और नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया और हेमंत सोरेन को झारखंड का मनोनीत मुख्यमंत्री नियुक्त करते हुए उन्हें सरकार गठन हेतु आमंत्रित किया। हेमंत सोरेन 28 नवंबर को फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सुबह से जुटने लगे थे विधायक: हेमंत सोरेन ने रविवार को सीएम आवास पर इंडी गठबंधन के विधायकों की बैठक बुलायी थी। इंडी गठबंधन यानी झामुमो, कांग्रेस, राजद और माले के विधायकों का सुबह 11 बजे से आगमन शुरू हो गया। गठबंधन के विधायकों के अलावा कांग्रेस की तरफ से प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, राजेश ठाकुर, झामुमो की तरफ से विनोद पांडेय, अभिषेक प्रसाद पिंटू आदि लोग भी मौजूद थे। विधायकों की बैठक के बाद हेमंत सोरेन की मीर और अन्य नेताओं के साथ भी बैठक हुई। इसमें मंत्री पद को लेकर चर्चा की गयी। इसके बाद सभी राजभवन के लिए रवाना हो गये।

राज्यपाल से मिला शिष्टमंडल: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने रविवार शाम को राज्यपाल से मुलाकात की। इसमें झामुमो, कांग्रेस, राजद और भाकपा माले के नेता शामिल थे। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को हेमंत सोरेन के नेतृत्व मे सरकार गठन के लिए समर्थन पत्र सौंपा। इससे पहले हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा। राज्यपाल ने हेमंत सोरेन का इस्तीफा स्वीकार किया। इसके बाद उन्हें मनोनीत मुख्यमंत्री नियुक्त करते हुए सरकार गठन के लिए आमंत्रित किया।

मोरहाबादी में होगा समारोह: जानकारी के अनुसार हेमंत सोरेन सरकार-2 का शपथ ग्रहण समारोह मोरहाबादी मैदान में होगा इसमें मुख्यमंत्री के साथ मंत्रीगण भी शपथ लेंगे। मंत्रियों के नाम जल्द ही तय कर लिये जायेंगे। चर्चा है कि शपथ ग्रहण सामरोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राजद नेता तेजस्वी यादव, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, दीपंकार भट्टाचार्य समेत कई अन्य नेता शामिल हो सकते हैं।

विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा : हेमंत सोरेन

राज्यपाल से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्यपाल संतोष गंगवार ने कार्यवाहक सीएम नियुक्त किया है। शपथ ग्रहण समारोह 28 नवंबर को होगा। समारोह पूर्वाह्न 11.30 बजे होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर राज्यपाल के साथ दो फोटो भी पोस्ट किया है। एक में राज्यपाल को गुलदस्ता दे रहे हैं और दूसरे में समर्थन पत्र सौंप रहे हैं। हेमंत सोरेन ने फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि 'महामहिम से मिल कर इंडिया गठबंधन सरकार गठन के लिए विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा।'

मंत्रियों को लेकर बातचीत लगभग तय

राज्य में 81 विधानसभा सीटें हैं। बहुमत के लिए 41 सीटों की जरूरत है। इंडी गठबंधन ने 56 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें झामुमो 34, कांग्रेस 16, राजद 4 और माले को 2 सीटों पर जीत मिली है। झारखंड में अधिकतम 12 मंत्री ही बनाये जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक मंत्री पद के लिए फार्मूला तय हो चुका है। झामुमो से मुख्यमंत्री के अलावा 6 मंत्री, कांग्रेस से 4, राजद से 1 और भाकपा माले से 1 विधायक को मंत्री बनाया जा सकता है। गठबंधन दल के विधायकों में मंत्री बनने वालों को लेकर कयासों का बाजार गर्म है। हालांकि अभी तक कौन-कौन मंत्री होंगे, इसके बारे में अधिकारिक रूप से कोई घोषणा नहीं की गयी है। कांग्रेस के आलाकमान द्वारा मंत्रियों के नाम तय किये जायेंगे। वहीं, राजद में भी नेतृत्व द्वारा नाम तय किया जायेगा। वहीं झामुमो में हेमंत सोरेन मंत्रियों के नाम तय करेंगे। उम्मीद है कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जायेगी।

चुनाव आयोग ने विजयी प्रत्याशियों की सूची सौंपी

रांची (आजाद सिपाही)। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से रविवार को भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद और झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राजभवन में मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को विधानसभा निर्वाचन 2024 में विजयी प्रत्याशियों की सूची समर्पित की। रवि कुमार ने कहा था कि विधानसभा चुनाव प्रक्रिया 25 नवंबर तक समाप्त करना है, लेकिन 24 नवंबर तक इसे पूरा कर लिया जायेगा। राज्यपाल को विजयी प्रत्याशियों की सूची सौंपने के बाद चुनाव प्रक्रिया समाप्त हो गयी।

न्यूज रील्स

जयशंकर तीन दिवसीय दौरे पर इटली रवाना

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर तीन दिवसीय दौरे के लिए इटली रवाना हुए। 24 से 26 नवंबर तक चलने वाले इस दौरे में वे जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का हिस्सा बनेंगे। इटली ने इस बैठक के लिए भारत को गेस्ट कंट्री (मेहमान देश) के तौर पर न्योता भेजा है। विदेश मंत्रियों की ये बैठक इटली के फिउग्गी में होगी। इस दौरान जयशंकर इटली समेत तमाम दूसरे देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात और द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

कांग्रेस आलाकमान तय करेगा झारखंड में विधायक दल का नेता

हेमंत सरकार को बिना शर्त समर्थन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को कांग्रेस प्रदेश कार्यालय, रांची में विधायक दल की बैठक हुई। प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, सह-प्रभारी बेला प्रसाद और सपतागिरी उल्का, स्पेशल ऑब्जर्वर मल्लू भट्टी विक्रमार्क, तारिक अनवर, अल्लावुरू, अजय शर्मा और नव निर्वाचित सभी विधायक भी इसमें शामिल हुए। बैठक में सभी विधायकों को जीत की बधाई दी गयी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चेयरमैन (मीडिया विभाग) सतीश पॉल ने बैठक के बारे में बताया कि इसमें सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित किये गये। एक तो यह कि विधायक दल का नेता के लिए आलाकमान को अधिकृत किया गया। साथ ही गठबंधन के साथी हेमंत सोरेन को बिना शर्त समर्थन देंगे। गुलाम अहमद मीर ने कहा कि कांग्रेस की ओर से उन पर उपमुख्यमंत्री बनाने का कोई दबाव नहीं है, वह चाहते हैं कि जल्द से जल्द नयी सरकार का गठन हो। कांग्रेस के कांके विधायक सुरेश बैठा, बेरमो विधायक अनूप सिंह, पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव, जामताड़ा विधायक डॉ इरफान अंसारी, महगामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह, मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, कोलेबिरा विधायक नमन विकास कोंगाड़ी, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, बोकारो विधायक श्वेता सिंह, लोहरदगा विधायक रामेश्वर उरांव, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, छतरपुर विधायक राधा कृष्ण किशोर और जगरनाथपुर विधायक सोनाराम सिंकू ने भाग लिया।

सीएम हेमंत सोरेन से मिलना हो तो बुके नहीं, बुक लेकर आयें

- हेमंत सोरेन ने आमजनों से किया अनुरोध
- विकसित झारखंड के निर्माण का संकल्प भी
- राज्य के विकास को लेकर गंभीर हैं हेमंत सोरेन

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में एक बार फिर हेमंत सोरेन की सरकार का गठन होने जा रहा है। मुख्यमंत्री के तौर पर झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन फिर शपथ लेंगे। अभी हाल में हुए चुनाव के बाद आये परिणाम ने झामुमो सरकार की नीतियों पर मुहर लगा दी है। खुद हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों से अनुरोध किया है कि जो लोग भी उनसे मिलने आयेंगे, वे बुके लेकर न आयें, किताब लेकर आयें। सीएम ने कहा है कि पूरे देश से मिल रही शुभकामनाओं के लिए सभी का हृदय से धन्यवाद। 2019 की तरह पुनः सभी से अनुरोध करूंगा कि अगर आप मिलने आ रहे हैं, तो बुके की जगह बुक दें। सीएम ने एक्स पर लिखा है कि जेल में रहने के दौरान आप सब के द्वारा उपहार स्वरूप दी गयी किताबों को पढ़ने का काफी समय मिला। इसके लिए आप सभी का धन्यवाद।

गौरतलब है कि जब हेमंत सोरेन जेल में थे, तब उनके किताबों के प्रेम का खुलासा पत्नी कल्पना सोरेन ने किया था। कल्पना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि, हेमंत जी को किताबें पढ़ने का हमेशा से शौक रहा है। वह घर में भी किताबों को संजो कर रखते हैं। अन्य किताबों के साथ-साथ झारखंड और झारखंड आंदोलन से जुड़ी किताबें वह हमेशा विशेष रुचि लेकर पढ़ते रहे हैं। राज्य की बागडोर संभालने के बाद उन्होंने उनसे मिलने वाले सभी लोगों से 'बुके नहीं बुक' देने की अपील की थी। जिसके परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों में उन्हें हजारों किताबें मिली।

मुख्यमंत्री ने झारखंड राज्य को और संवारने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया है। झामुमो सरकार की नीतियों पर राज्य की जनता ने जिस तरह से मुहर लगायी है, उससे पूरा गठबंधन गदगद है। इस बार लोगों को उम्मीद है कि हेमंत सोरेन की अगुवाई में झारखंड की अबुआ राज्य सरकार और बेहतर काम करेगी। आगे आने वाले कुछ ही दिनों में इसका रूपरेखा देखने को मिलेगा। हेमंत सोरेन राज्य के विकास को लेकर काफी गंभीर हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

सर्राफा

सोना (बिक्री)	73,400 रु./10 ग्राम
चांदी	95,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 25 नवंबर, 2024
www.azadsipahi.in

जब झारखंड की जनता ने कहा हेमंत या यंग शिबू सोरेन

■ वही तेवर, वही अंदाज, यही है हमारा नेता, धरतीपुत्र

राकेश सिंह

...ये देखो शिबू सोरेन

झारखंड की जनता ने अपना नेता चुन लिया है। उसने एक बार फिर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की परछाई हेमंत सोरेन पर भरोसा जताया है। वही दाढ़ी, वही गेट अप, वही तेवर, हूबहू शिबू सोरेन। जब हेमंत सोरेन यंग शिबू सोरेन के अवतार में चुनाव मैदान में उतरे, तो राज्य की जनता ने उन्हें पहले से भी ज्यादा प्यार और आशीर्वाद दिया। चुनाव प्रचार के दौरान लोग तो यहां तक कह रहे थे कि ये देखो, 'शिबू सोरेन'। क्या कमाल का चुनाव लड़ा हेमंत सोरेन ने। गजब का धैर्य, गजब का अनुशासन, गजब की रणनीति और गजब का जनता से कनेक्शन। हेमंत सोरेन का जनता में क्रेज देखते बन रहा था। जेल से निकलने के बाद हेमंत सोरेन ने गांठ बांध ली थी कि वह भाजपा के चक्रव्यूह को जब तक भेदेंगे नहीं, तब तक चैन से बैठेंगे नहीं। हेमंत सोरेन ने पिता शिबू सोरेन और मां रुपी सोरेन का आशीर्वाद लिया और निकल गये मैदान में। वही अंदाज, वही तेज, ये नये हेमंत सोरेन थे। परिपक्व और संतुलित। हेमंत सोरेन जनता के बीच यह साबित करने में सफल रहे कि वह ही आदिवासियों के सबसे बड़े नेता हैं। उन्होंने झारखंड में आदिवासी-मूलवासी का मुद्दा उठाया और खुद को धरतीपुत्र बताया, जिसे जनता ने भी स्वीकारा। जब हेमंत सोरेन जेल से बाहर निकले तब एक पल तो ऐसा लगा कि झारखंड आंदोलन के अपने दिनों के दिशोम गुरु शिबू सोरेन हैं।

एक दृश्य जिसने झारखंड के आदिवासियों को झकझोर दिया

ये हेमंत अब बदले हुए हेमंत थे। जब हेमंत अपने परिवार के लोगों से मिले और जिस प्रकार से उनकी माता ने उन्हें गले लगाया। उनके आंसू निकले, झारखंड की जनता यह दृश्य नहीं भूल पायी। हेमंत ने शिबू सोरेन के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। अपने बच्चों को गले लगाया। अपनी जीवन संगिनी जिन्होंने चट्टान की तरह हेमंत सोरेन का साथ दिया, उनकी आंखें कल्पना पर गर्व कर रहीं थीं। इन दृश्यों ने झारखंड के आदिवासियों को एक कर दिया। उन्हें लगा कि यह उनके परिवार का ही दृश्य है। आदिवासियों ने फैसला कर लिया कि उन्हें करना क्या है।

जेल यात्रा को आदिवासी अस्मिता से जोड़ा

हेमंत ने अपनी जेल यात्रा को झारखंड और आदिवासी अस्मिता से जोड़ा। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने कहा था कि मुझे झूठे आरोपों में 5 महीने जेल के अंदर रखा। झारखंड के लोगों के लिए 5 महीने बहुत कठिन थे। सुनियोजित तरीके से लोगों की आवाज दबायी जा रही है। मैं फिर अपने राज्य की जनता के बीच हूं। जो संकल्प हमने लिया है, उसे हम मुकाम तक ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ कैसे षड्यंत्र रचा गया। बस फिर क्या था जनता ने भी हेमंत सोरेन का पूरा साथ दिया। खासकर आदिवासियों ने इसे अपनी अस्मिता से जोड़ा। हेमंत सोरेन ने कहा था कि 'भाजपा वाले आदिवासियों को मूर्ख समझते हैं। मेरे साथ चूहा-बिल्ली का खेल खेला गया। जिस दिन से झारखंड में जेएमएम की सरकार बनी, अगले दिन से उसे गिराने की कोशिश शुरू हो गयी। खबरें चलायीं गयीं कि हेमंत जेल जायेंगे। मुझे जेल भेज भी दिया। अब क्या फांसी पर लटका देंगे। जितना खून आदिवासियों का धरती पर बहेगा, यहां उतने ही वीर सपूत पैदा होंगे।' इस एक बयान से उन्होंने दो एजेंडे सेट कर दिये। पहला आदिवासी वोट और दूसरा सिंपैथी कार्ड।

मंईयां ने हेमंत-कल्पना को दिल खोल कर दिया आशीर्वाद

हेमंत सोरेन जेल से निकलने के बाद जन कल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतारने में जुट गये। एक के बाद एक जन कल्याण की योजनाओं का पिटरा खोल दिया। हेमंत ने एक ऐसी योजना धरातल पर उतार दी, जिसने झारखंड में अलग ही लहर पैदा कर दी। वह है, मंईयां सम्मान योजना। इस योजना ने प्रदेश की महिलाओं को नयी ताकत दे डाली। सशक्त बनने की। आत्मनिर्भर बनने की। फिर क्या था मंईयां ने हेमंत-कल्पना को ऐसा आशीर्वाद दिया कि रिकॉर्ड स्थापित हो गया। इस योजना की काट भाजपा के पास नहीं थी। जब तक भाजपा जगी तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उधर, 200 यूनिट तक बिजली बिल में छूट भी रौशन कर गयी गरीबों की दहलीज। नतीजतन रौशन हुआ झामुमो गठबंधन।

कल्पना महिलाओं के लिए आदर्श, पति के लिए बन गयीं चट्टान

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बहू ही नहीं हैं, उनके जैसी फाइटर भी हैं: हेमंत सोरेन के लक्ष्य को हासिल करने में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने पूरा साथ दिया। जब हेमंत सोरेन जेल में थे, तब वह कल्पना ही थीं, जिन्होंने पार्टी को संभाला। नयी ऊर्जा का संचार किया।

आंसू से शुरू हुआ सफर, मजबूत इरादों में तब्दील हुआ। कल्पना सोरेन ने झारखंड की राजनीति को नयी दिशा दे डाली। जैसे-जैसे उनकी वाणी में धार आती गयी, जनता उनके पीछे-पीछे होती चली गयी। जनता ने कल्पना को अपना परिवार का माना। खासकर महिलाओं ने कल्पना की आंसुओं और दर्द को समझा और कल्पना की ताकत बन गयीं। कल्पना सोरेन ने जेएमएम के साथ-साथ खुद को भी स्थापित किया और साबित किया कि वह सिर्फ दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बहू ही नहीं हैं, उनके जैसी फाइटर भी हैं।

विपक्षी भी मानने लगे लोहा

अपने पति के लिए कैसे एक पत्नी को खड़ा रहना चाहिए उन्होंने साबित कर के दिखाया। कल्पना सोरेन का लोहा विपक्ष के लोग भी मानने लगे। लोकसभा के चुनाव में जेएमएम ने शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान सबसे बड़ी बात यह रही कि जेएमएम गठबंधन ने भी कल्पना सोरेन का भरपूर साथ दिया। अब विधानसभा चुनाव का परिणाम सबके सामने है। राज्य की 81 विधानसभा सीटों में जेएमएम गठबंधन को 56 सीटें मिलीं, वहीं भाजपा गठबंधन 24 सीटों पर सिमट गयी। सबसे ज्यादा 34 सीटें झामुमो को मिली हैं, भाजपा को 21 और कांग्रेस को 16 सीटें हासिल हुईं। यह जेएमएम का अब तक का सबसे बेहतरीन परफॉरमेंस है। क्योंकि इस बार हेमंत सोरेन अकेले नहीं थे, वह दो थे। यानी कल्पना सोरेन भी उनके साथ थीं। भाजपा की तरफ से हेमंत-कल्पना को क्या नहीं कहा गया। बंटी-बबली, पति-पत्नी की पार्टी। कल्पना सोरेन को हेलीकाप्टर मैडम भी कहा गया। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने कल्पना को बाहरी बताने के लिए हेलीकॉप्टर मैडम का जुमला इस्तेमाल किया। लेकिन विपक्ष को इसका लाभ नहीं मिला और जनता ने कल्पना को अपना समर्थन दिया। जनता ने कल्पना को अपने दिल में जगह दे डाली। इस बार विधानसभा चुनाव में कल्पना ने रिकॉर्ड 93 रैलियां कीं।

जेएमएम नया जेएमएम बन कर उभरा

कल्पना सोरेन ने पार्टी में ऐसा जोश भरा कि जेएमएम नया जेएमएम बन कर उभरा। जहां पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने अपना समर्थन दिया। महिलाओं को कल्पना में अपना आदर्श दिखने लगा। कल्पना सोरेन हर दिन 4 से 7 जनसभाओं को संबोधित करती थीं। अपनी रैलियों में वह जनता को खुद से जोड़ने में कामयाब हुईं और जिस जोशीले अंदाज में वह भाषण देतीं वह देखते ही बनता। ऐसा कोई मिला नहीं जिसने उनके भाषण की शैली की तारीफ नहीं की हो। कल्पना सोरेन की सभाओं में इतनी भीड़ होती कि मानों लोग अपना फैसला सुनाने पहुंचे हों। मीडिया के सामने भी कल्पना बेबाक तरीके से अपनी बातों को रखतीं। जहां कहीं भी वह डगमगातीं, वह निश्छल भाव से स्वीकारतीं भी कि इस विषय के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। कल्पना की सबसे बड़ी ताकत ही उनकी निश्चलता है, जिससे जनता का जुड़ाव मजबूत होता जा रहा है। हेमंत सोरेन ने सही ही कहा कि इस चुनाव में वह एक नहीं दो थे, तभी उन्होंने इतना बेहतरीन प्रदर्शन किया।

भाजपा विधायकों को हिमंता बिस्वा सरमा का संदेश

घुसपैठ का मुद्दा सदन में उठाते रहें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। असम के सीएम सह झारखंड बीजेपी के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने एक वीडियो जारी कर भाजपा कार्यकर्ताओं को संदेश दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी बातों को रखते हुए कहा है कि उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है, और असम से उनका यह मित्र हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने आगे कहा है कि मैने झारखंड में चार महीने बिताये।

अफसलता आगे जाकर सफलता की बुनियाद बन जाती है

हिमंता ने कहा, हमलोगों ने एक साथ चुनाव जीतने का भरपूर प्रयास किया। पर हमारा मकसद कामयाब नहीं हो पाया। जब कोई काम में सफल नहीं हो पाते हैं, तो वही अफसलता आगे जाकर सफलता की बुनियाद बन जाती है। उन्होंने नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों से निवेदन किया है कि वे सदन में घुसपैठ का मुद्दा उठाते रहें। आप लोगों का प्यार-मोहब्बत हमेशा याद रहेगा। जब भी असम आयें, तो याद कीजियेगा कि आपका दोस्त असम में भी है।

बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ चंपाई सोरेन का सामाजिक अभियान

कहा- पाकुड़ और साहिबगंज जैसे जिलों में आदिवासी समाज आज अल्पसंख्यक बन चुका है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ अपने आंदोलन को एक सामाजिक अभियान करार दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक या चुनावी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह झारखंड की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर की रक्षा के लिए एक सशक्त पहल है। चंपाई सोरेन ने चिंता व्यक्त की कि पाकुड़ और साहिबगंज जैसे जिलों में आदिवासी समाज आज अल्पसंख्यक बन चुका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर हम भूमिपुत्रों की जमीनों और वहां रहने वाली बहू-बेटियों की सुरक्षा नहीं कर सके, तो यह एक गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने भविष्य में संथाल परगना की वीर भूमि पर अपने अभियान के अगले चरण की शुरूआत करने की घोषणा की। जिसमें वीर सिदो-कान्हू और वीरांगना फूलो-झानो को याद किया जायेगा। सोरेन ने कहा कि सरकारें बदलती रहेंगी, लेकिन आदिवासी समाज की पहचान और संस्कृति की रक्षा के लिए यह प्रयास जारी रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह जनसांस्कृतिक धरोहर नहीं बची, तो एक बार फिर उलगुलान का आगाज होगा। इस सामाजिक अभियान के तहत चंपाई सोरेन ने स्थानीय समुदाय से अपील की कि वे इस दिशा में सामूहिक रूप से एकजुट होकर काम करें, ताकि उनके अधिकारों और धरोहरों की रक्षा हो सके।

सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन ने शहीद अग्निवीर अर्जुन महतो को दी श्रद्धांजलि, जयराम ने की परिवार से मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो के चंदनकियारी के सिलफोर पंचायत के रहने वाले अग्निवीर अर्जुन महतो को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा , 'परमात्मा वीर शहीद की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें।' वहीं झामुमो नेत्री कल्पना सोरेन ने भी अर्जुन महतो को श्रद्धांजलि देते हुए कहा बोकारो के वीर सपूत अग्निवीर अर्जुन महतो के शहीद होने की दुखद खबर ने हृदय को व्यथित कर दिया। परमात्मा से प्रार्थना है कि वीर शहीद की आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें। वहीं झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नवनिर्वाचित विधायक जयराम कुमार महतो चंदनकियारी पहुंचे। वहां उन्होंने शहीद के परिजनों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को दिलासा दिया।

नीट पेपर लीक मामला: धनबाद और बोकारो के तीन लोग समेत पांच के खिलाफ सीबीआइ की चार्जशीट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीबीआइ ने नीट 2024 प्रश्नपत्र चोरी मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ पांचवां आरोपपत्र दाखिल किया है। इस मामले में अब तक 45 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। जिन पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है, उसमें धनबाद निवासी अमित कुमार सिंह, बोकारो निवासी सुदीप कुमार, युवराज कुमार, बिहार का नालंदा निवासी अभिमन्यु पटेल और पटना का रहने वाला अमित कुमार शामिल है। इसके साथ ही इस मामले में कुल 45 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है और वे सभी अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं।

हजारीबाग में रची गयी थी साजिश : चर्चित नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआइ कर रही है। सीबीआइ की जांच में खुलासा हुआ है कि हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल डॉ अहसानुल हक को नीट यूजी 2024 परीक्षा के लिए हजारीबाग के सिटी कोऑर्डिनेटर के तौर पर प्रतिनियुक्त किया गया था। अहसानुल हक ने उसी स्कूल के वाइस प्रिंसिपल और नीट यूजी परीक्षा के लिए सेंटर सुपरिटेंडेंट मोहम्मद इम्तियाज आलम और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर नीट प्रश्नपत्र चोरी करने की साजिश रची थी।

सीबीआइ ने पेपर लीक के लाभार्थी उम्मीदवारों की पहचान कर ली है

रांची (आजाद सिपाही)। सीबीआइ ने बताया कि अब तक इस नीट पेपर लीक मामले में कुल 48 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआइ ने इस पेपर लीक के लाभार्थी उम्मीदवारों की भी पहचान कर ली है और आवश्यक कार्रवाई के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के साथ उनका विवरण साझा किया है। शेष गिरफ्तार आरोपियों के संबंध में जांच और अन्य पहलुओं के संबंध में आगे की जांच जारी है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	24.8 °c	11.8 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.02 बजे
सूर्योदय (कल) :		06.08 बजे

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 25 नवंबर, 2024
www.azadsipahi.in

हेमंत सोरेन और रामेश्वर उरांव की जीत पर पासवा ने हर्ष जताया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा है जननायक झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव यह झारखंड विधानसभा में प्रचंड बहुमत से जीत पर संपूर्ण पासवा परिवार में हर्ष का माहौल है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार शिक्षा के प्रति पूर्ण समर्पित है और यही कारण है कि दूसरी बार दो तिहाई बहुमत से गठबंधन सरकार का गठन होने जा रहा है। पासवा के नेतृत्व में संपूर्ण झारखंड के निजी विद्यालयों और शिक्षाविदों में हर्ष का माहौल है। झारखंड के निजी विद्यालय इस बात के लिए आशान्वित हैं कि जनप्रिय सरकार झारखंड के निजी विद्यालयों के प्रति संवेदनशील रहेगी।

आलोक दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पासवा के संरक्षक सह वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव यह शुरू से मानते हैं कि झारखंड के निजी विद्यालय झारखंड के शिक्षा व्यवस्था की नींव हैं और झारखंड के निजी विद्यालयों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और यही कारण है कि पिछली सरकार में भी झारखंड के निजी विद्यालयों को आरटीइ की कठिन शर्तों से कभी कोई परेशानी नहीं हुई।

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार, आज शपथ संभव

फड़णवीस-शिंदे-अजित पहुंचे दिल्ली

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई/नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अब साफ हो गया है कि राज्य में महायुति की सरकार बनेगी। राज्य में सरकार गठन को लेकर प्रक्रिया तेज है। बैठकों का दौर जारी है।

विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है। इसलिए इससे पहले सरकार का गठन होना है। ऐसा न होने पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा। सरकार का चेहरा यानी मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए देवेंद्र फड़णवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार रविवार रात दिल्ली पहुंचे। भाजपा आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी है।

जानकारी के अनुसार मुंबई स्थित राजभवन में सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसमे भाजपा के कई राष्ट्रीय नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं। बहुमत के लिए 145 सीटों की जरूरत है। महायुति को इससे कहीं ज्यादा 230 सीटें मिलीं हैं।

महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा को 132, शिवसेना (शिंदे) को 57 और एनसीपी (अजित गुट) को 41 सीटें मिली हैं। वहीं, महा विकास अघाड़ी 46 सीटों पर सिमट गयी। इस गठबंधन के कांग्रेस को 46, शिवसेना (यूबीटी) को 20 और एनसीपी (शरद) को 10 सीटें मिली हैं।

ऋषभ और श्रेयस आइपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी

वेंकटेश तीसरे सबसे महंगे भारतीय, केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सऊदी अरब के जेद्दाह में चल रहे मेगा ऑक्शन में दो भारतीय क्रिकेटर्स आइपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गये हैं। पहले नंबर पर हैं ऋषभ पंत हैं, जो अब तक के सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। दिल्ली कैपिटल के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा है।

दूसरे नंबर पर हैं पिछले सीजन में कोलकाता को चैंपियन बनाने वाले कप्तान और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ की बोली लगा कर खरीदा है। चौंकाने वाली डील रही वेंकटेश अय्यर की, जिनके लिए कोलकाता नाइट राइडर्स और बेंगलुरु रॉयल चैलेंजर्स के बीच 23.50 करोड़ तक बोली लगी। कोलकाता ने वेंकटेश को 23.75 करोड़ में खरीदा।

वेंकटेशन ने पिछले आइपीएल फाइनल में हैदराबाद के खिलाफ फिफ्टी लगायी थी। वहीं, मिचेल स्टार्क को 11.75 करोड़ रुपये में दिल्ली ने खरीदा। पिछले सीजन 24.75 करोड़ में कोलकाता ने खरीदा था। इस बार कीमत करीब आधी हुई। 110 करोड़ में बिके शुरुआती 6 खिलाड़ी। इनमें अर्शदीप, श्रेयस, पंत और बटलर भी शामिल हैं।

महिलाओं ने रचा इतिहास, पहली बार 12 नेत्री होंगी विधानसभा में

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में इस बार 12 महिलाओं ने जीत हासिल कर अपनी मौजूदगी दर्ज करायी। इनमें 8 विधायक इंडिया गठबंधन से और 4 विधायक बीजेपी ने चुनी गयी हैं।

झामुमो के टिकट पर गांडेय, जामा और इचागढ़ सीट पर महिलाओं ने जीत दर्ज की। कांग्रेस ने पाकुड़, महागामा, रामगढ़, बोकारो और मांडर सीट पर जीत दर्ज की। वहीं बीजेपी के टिकट पर कोडरमा, झरिया और जमशेदपुर ईस्ट सीट पर महिलाओं ने जीत दर्ज की। झारखंड विधानसभा चुनाव के इतिहास में ये पहली बार है जब 12 महिलाएं विधान सभा में रहेंगी।

कल्पना सोरेन

लुईस मरांडी

सविता महतो

निसात आलम

दीपिका पांडे

ममता देवी

श्वेता सिंह

शिल्पी नेहा तिर्की

नीरा यादव

मंजू कुमारी

रागिनी सिंह

पूर्णिमा साहू

झामुमो की महिलाओं की जीत

गांडेय- कल्पना मुर्मू सोरेन ने बीजेपी की मुनिया देवी को 17,142 वोटों से हराया

जामा- पूर्व मंत्री लुईस मरांडी ने बीजेपी के सुरेश मुर्मू को 5,738 वोटों से मात दी

इचागढ़- सविता महतो ने आजसू के हरेलाल महतो को 26,523 वोटों के अंतर से हराया

कांग्रेस की महिलाओं की सफलता

पाकुड़- निसात आलम ने आजसू के अजहर इस्लाम को 86,029 वोटों से हराया

महगामा- दीपिका पांडे सिंह ने बीजेपी के आशोक कुमार को 18,645

रामगढ़- ममता देवी ने आजसू की सुनीता चौधरी को 67,90 वोटों से हराया

बोकारो- श्वेता सिंह ने बीजेपी के बिरंची नारायण को 7,207 वोटों स हराया

मांडर- शिल्पी नेहा तिर्की ने बीजेपी के सन्नी टोप्पो को 22,803 वोटों से हराया

बीजेपी की महिला विजेता

कोडरमा- नीरा यादव ने राजद के सुभाष प्रसाद यादव को 5,815 वोटों से हराया

जमुआ- मंजू कुमारी ने झामुमो के केदार हाजरा को 32,631 वोटों से हराया

झरिया- रागिनी सिंह ने झामुमे के कांग्रेस की पूर्णिमा नीरज सिंह को 14,511 वोटों से मात दी

जमशेदपुर ईस्ट- पूर्णिमा साहू ने कांग्रेस के अजय कुमार को 42,871 वोटों से हराया

झारखंड राज्य सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 20वीं झारखंड राज्य सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता रविवार को सिल्ली के द विलेज रिसोर्ट में संपन्न हुई। प्रतियोगिता के समापन समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में डीएवी स्कूल की प्रिंसिपल बुबुन शरण उपस्थित थीं। उन्होंने इस अवसर पर आगामी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन की कामना की। सिल्ली के विलेज रिसोर्ट में 23 से 24 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिता में लगभग 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

जिसमें पहला स्थान रांची जिला 247 अंक के साथ, दूसरा स्थान चतरा जिला कुल 84 अंक के साथ और तीसरा स्थान लोहरदगा जिला 16 अंक के साथ रही। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड वुशू एसोसिएशन के सचिव शैलेंद्र दुबे और कोषाध्यक्ष रत्नेश कुमार मौजूद रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में दीपक गोप सहित सैयद वाहिद अली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किये।

ओरमांझी में 2 युवकों को गोली मारने में सुजीत सिन्हा गिरोह का हाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिले के ओरमांझी के बिरसा जू के पास शुक्रवार की शाम दो युवकों को गोली मारी गयी थी। इस घटना में जेल में बंद सुजीत सिन्हा गिरोह की संलिप्तता सामने आयी हैं। इस घटना की जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली है कि जमीन कारोबारी से सुजीत सिन्हा गिरोह ने रंगदारी की मांग की थी। हालांकि जमीन कारोबारी ने इस संबंध में न तो पुलिस को जानकारी दी, न ही रंगदारी दी। इसी को लेकर सिन्हा गिरोह के अपराधी जमीन कारोबारी जायसवाल को गोली मारने आशे थे। लेकिन उनके बीच में जायसवाल के दो कर्मचारी आजाद और जावेद अंसारी आ गये और दोनों को गोलियां लग गयीं। इस मामले को लेकर ओरमांझी थाना में सुजीत सिन्हा और उसके गिरोह के अपराधियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गयी है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष कठिन परिश्रम-प्रयत्न से कठिनाईयों का निवारण होगा, दिमागी समाधान निकालने में समर्थ होंगे।

वृष प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास,यशस्वी कार्य करने का अवसर मिलेगा।

मिथुन रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में लाभकारी वातावरण की शुरुआत होगा, सहयोगियों के साथ विकास का मार्ग मिलेगा।

कर्क सद्भावनाएं एवं शुभ संदेश प्राप्त होगा, उद्योग-व्यापार में सफलता, गृहोपयोगी वस्तुओं का संचय करेंगे।

सिंह परिश्रम-प्रयत्न से नौकरी-व्यापार में बिगड़ा काम बनेगा, संतान संबंधी समस्याओं का समाधान करना आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

कन्या परीक्षा-प्रतियोगिता में आपको प्रयासों के अनुरूप सफलता मिलेगी, नई आशाओं का उदय होगा।

तुला परिश्रम से इच्छित सफलता की ओर अग्रसर रहेंगे। आर्थिक संतुलन बनाये रखने में सफल होंगे।

वृश्चिक चिन्तित मनोरथ की सिद्धि होगी,बिजनेस में शुभ परिवर्तन, आर्थिक लाभ, सम्मान-स्वाभिमान की रक्षा।

धनु बौद्धिक प्रयासों में सफलता मिलेगी, सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तियों के लिए कुछ कर दिखाने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।

मकर साहसिक कार्य में सफलता, पारिवारिक सुख-साधनों में वृद्धि, विरोधियों पर विजय।

कुंभ घर-गृहस्थी का अच्छा सुख मिलेगा, स्वजन-मित्रों का सहयोग, कर्मक्षेत्र में संतोषजनक प्रगति।

मीन रोजी-रोजगार के क्षेत्र में चिन्तनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी, परिश्रम का फल मिलेगा।

ख्रीस्त राजा पर्व की निकली शोभायात्रा, छात्राओं ने की पुष्प वर्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पुरूलिया रोड स्थित संत मरिया महागिरजाघर चर्च में आर्चबिशप विसेंट आइंद, रांची प्रोविंश के प्रोविंश अजित कुमार खेस और पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो की अगुवाई में रविवार को इसाई समुदाय का खीस्त राजा पर्व की शोभायात्रा निकाली गयी। इस अवसर पर आरसी चर्च के तेरह यूनिट के फादर, सिस्टर, धर्म बहनें, स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी शामिल हुए। शोभायात्रा की शुरूआत संत मरिया महागिरजाघर चर्च में विशेष विनती की गयी। सभी विश्वासी पुरूलिया रोड में पंक्ति वाइज खडे हुए। सबसे आगे बेदी सेवक, महिला कैथलिक संघ के सैकड़ों महिलाएं ने शोभायात्रा की शुरूआत की।

शोभायात्रा पुरुलिया रोड, मेनरोड, अल्बर्ट एक्का चौक, प्लाजा चौक, डंगराटोली चौक होते हुए लोयला ग्राउंड में सभा में तब्दील हो गया। जहां पर आर्च बिशप बिसेंटआइंद ने परमेश्वर का संदेश सुनाया। इससे पहले निर्धारित जुलूस मार्ग में विश्वासियों के हाथों में यीशु हमारा राजा की तख्तियां, संत अन्ना और उर्सलाइन कांन्वेट स्कूल की छात्राओं ने सड़कों पर पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत करते रहे। इसके पीछे महिला विश्वासियों के कंधों पर यीशु को पालकी मे ढोए हुए खीस्त हमारा राजा है का जयजयकारा लगा रहे थे। मुहल्लों की मंडली ढोल, नगाड़ा, मांदर और यीशु गीतों से झूमते नाचते हुए राजाओं के राजा यीशु हलेलुया प्रभु को प्रभु हलेलुया गाये जा रहे थे। एक दिसंबर से यीशु का आगमन काल शुरू हो जायेगा।

यीशु मनुष्य के लिए मुक्तिदाता हैं: आर्चबिशप : आर्चबिशप विसेंट आइंद ने सभा को संदेश देते हुए कहा कि यीशु मनुष्य के लिए मुक्तिदाता हैं। लेकिन हमारे राजा हैं। राजनैतिक दृष्टि कोण से नहीं, लेकिन हमारे राजा हैं। सांसारिक नहीं हैं। हमारे व्यवहार सोच-विचार होता है, जो हम बहुत सारी चीजों को प्राथमिकता देते हैं। इनमे से बहुत सारे सांसरिक होते हैं। जहां सांसरिक बातें होती हैं। दुनियावी व्यवहार होता है। वहां प्रभु का राज नहीं होता है। प्रभु के राज्य में तो दयनीय, स्वर्गीय वातावरण, सोच, बातचीत, व्यवहार होता है। यीशु को जीवन में लाकर रोज विश्वास से जीना है कि यीशु हमारा राजा है। हमारा व्यवहार भी सांसारिक न होकर यीशु के बताये संदेश के अनुसार होना चाहिए।

इसलिए रोज का व्यवहार, वातारण, बातचीत, तौर तरीके में जीवन शैली में देख सके। सचमुच हमारे लिए यीशु राजा हैं। हमारे व्यवहार, जीवन से दूसरों से थोड़ा अलग होना चाहिए है। ताकि लोग कहें यीशु प्रेमी कैसे इतने प्रेम से रहते हैं। इनके परिवार में क्यों शांति है। यीशु प्रेमी में भी कठिनाई, बीमारी, गरीबी, तकलीफ होती है। इसके बावजूद इनके जीवन में प्रेम, मेल मेलाप, सहज भाव, सेवा भाव, क्षमा का भाव रहता है। 2025 वर्ष बीत गये। लेकिन यीशु का राज समाप्त नहीं हुआ है। इतिहास बताता है कि सैकड़ों बलशाली राजाओं का राज हुआ करता था। उनके पास बड़ा सामाज्य हुआ करता था। लेकिन सब इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह गये। एकमात्र राज्य है। वह यीशु का राज्य है।

सुनाया फ्रांस के राजा नोपोलियन बोनापार्ट का संदेश

फ्रांस के राजा नोपोलियन बोनापार्ट का संदेश को सुनाया कहा कि नेपोलियन बोनाबार्ट राजाओं में से एक राजा था। जिसका छोटा सा कद था। लेकिन बहुत बड़ा सम्राट था। उनके पास काफी सेना थी। उन्होंने पूरा यूरोप को अपना बाहुबली शक्ति से अधीन कर लिया था। अपने समय में विख्यात हो गया था। आज उसी के वचन में स्वीकार किया था। कहा कि अपने समय में साम्राज्य का विस्तार अपने बाहुबल, शक्ति से, प्रेम से राज्य स्थापित किया। अब भी टिका हुआ है और आगे भी टिका रहेगा। ये वचन नोपोलियन बोनापार्ट का संदेश है। इस समय से यीशु को राजा मान रहे हैं। यीशु के लिए सच्ची प्रजा बनने की कोशिश करें। उनके अनुकूल जीवन को बनायें। उसी के जीवन में सेवाभाव, प्रेमभाव, क्षमाभाव को जोड़ दें। परिवार को आपसी संबंध और समुदाय से जोड़ दें। यही विश्वासियों का नारा होगा। हमारे जीवन के सादगी में ये यह नारा गूज उठेगा। लोगों को बता सकते हैं दूसरे लोग स्वीकार कर सके कि सचमुच यीशु राजा है। उनके राज्य में कोई भी सदस्य बन सकता है। सेवा का भाव अपना सकता है।

याज्ञवल्क्य बने एबीवीपी के बिहार झारखंड के क्षेत्रीय संगठन मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गोरखनाथ में आयोजित हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 70 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में याज्ञवल्क्य शुक्ल को बिहार झारखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनाया गया है। याज्ञवल्क्य मूल रूप से झारखंड के गढ़वा जिले से हैं। इनकी शिक्षा रांची विश्वविद्यालय से भूगोल विषय में पीएचडी तक हुई है। शुक्ल ने शोध झारखंड के पलामू प्रमंडल में कोरबा जनजाति का सांस्कृतिक भूगोलीय अध्ययन विषय पर किया है। उन्होंने नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय से भूगोल विषय में परास्नातक में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। वह विद्यालयीन काल से अभाविप के संपर्क में हैं। वर्ष 2009 से वह पूर्णकालिक कार्यकर्ता हैं। वे 2007 में जगजीत सिंह नामधारी महाविद्यालय, गढ़वा के निर्वाचित छात्रसंघ अध्यक्ष तथा रांची विश्वविद्यालय के निर्वाचित छात्रसंघ उपाध्यक्ष रहे हैं। शुक्ल वर्ष 2018 में भारत सरकार द्वारा आयोजित भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल की श्रीलंका यात्रा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। झारखंड के युवाओं को भ्रमित करने वाले षड्यंत्रों को परास्त कर 'जुटान' जैसे विभिन्न सफल प्रयोगों से जनजातीय विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूर्व में वह रांची महानगर संगठन मंत्री, झारखंड प्रांत संगठन मंत्री, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य तथा बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन भी किये हैं। वह एबीवीपी के वर्ष 2022-2024 तक राष्ट्रीय महामंत्री हैं। अब वह बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हैं।

गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा में शुक्राने का दीवान सजाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कृष्णा नगर कॉलोनी, रांची के गुरुद्वारा साहिब में शुक्राने का दीवान सजाया गया। दीवान की शुरुआत दोपहर 3.30 बजे श्री सुखमनी साहिब जी के सामूहिक पाठ से हुई, गुरुद्वारा साहिब में उपस्थित साध संगत ने श्रद्धाभाव से एक स्वर में श्री सुखमनी साहिब जी के पाठ का उच्चारण सवा घंटे तक किया। इसके बाद स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल द्वारा किलविखो नसवंजो करता घर आया। तथा कल तारण गुरु नानक आया। शबद गायन हुआ। शाम 4.30 बजे से 5.30 बजे तक हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी ने इक बाबा अकाल पूरख दूजा रबाबी मरदाना। एवं नानक आइआ नानक आइआ सतनाम पढ़ मंतर सुणाई। जैसे कई शबद गायन कर साध संगत को निहाल किया।

शबद गायन के क्रम में गुरु घर के सेवक मनीष मिढ़ा ने कथावाचन करते हुए साध संगत को बताया कि श्री गुरुनानक देव जी का जन्म सन 1469 में राय भोई की तलवंडी, ननकाना साहिब (वर्तमान में पाकिस्तान में) में हुआ था। पिता मेहता कालू ने गुरुनानक जी और भाई मर्दाना जी को बीस रुपये दिये और कहा- नानक के साथ जाओ, कुछ असली सामान खरीद लाओ, जिसे बेचकर हम लाभ कमा सकें। इस तरह यदि आप एक लाभदायक लेनदेन करते हैं, तो अगली बार मैं फिर भेजूंगा। गुरुनानक देव जी और भाई मरदाना जी कुछ सामान खरीदने के लिए तलवंडी से चूहर-खाना की ओर चल पड़े। वे मुश्किल से गांव से दस-बारह मील ही निकले थे कि उन्हें एक गांव मिला, जहां एक वृक्ष के नीचे संतों की टोली को बैठे देखा जो कई दिनों से भूखे-प्यासे थी। गुरु नानक साहिब जी ने भाई मरदाना जी से कहा कि पिताजी ने हमें कुछ लाभदायक लेन-देन करने के लिए कहा है। जरूरतमंदों को खिलाने से ज्यादा लाभदायक कोई सौदा नहीं हो सकता। मैं इस सच्चे सौदे को नहीं छोड़ सकता। शायद ही कभी हमें मिलता है इस तरह कुछ लाभदायक लेन-देन करने का अवसर। गुरु नानक देव निकटतम गांव गए, जहां उन्होंने भरपूर मात्रा में रसद खरीदा, जिससे उन संतों ने भोजन बनाकर खाया। गुरुनानक साहिब जी ने यह जो लंगर शुरू किया वो प्रथा आज तक चालू है। श्री अनंद साहिब जी के पाठ के बाद गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह जी ने प्रकाश पर्व के सभी कार्यक्रमों के सफल समापन के लिए अरदास कर वाहेगुरु का शुक्रिया अदा किया। हुक्मनामा एवं कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ शाम 6 बजे दीवान की समाप्ति हुई। गुरुद्वारा श्री गुरूनानक सत्संग सभा के सचिव अर्जुन देव मिढ़ा ने प्रकाश पर्व के सभी दीवानों में शामिल होने के लिए साध संगत का धन्यवाद किया तथा स्त्री सत्संग सभा समेत गुरु घर के सभी सेवादारों से इसी तरह गुरु घर की सेवा से जुड़े रहने को कहा। सत्संग सभा के मनीष मिढ़ा ने साध संगत को बताया कि जनवरी को पटना साहिब में आयोजित श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए कृष्णा नगर कॉलोनी से श्रद्धालुओं का पहला जत्था तीन जनवरी को ट्रेन द्वारा रवाना होगा। सत्संग सभा में प्रकाश पर्व संगत के पटना साहिब से लौटने के बाद मनाया जायेगा, तिथि की घोषणा कुछ दिनों में कर दी जायेगी।

विधिक पेशा समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम है : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार रविवार को एनयूएसआरएल रांची में आयोजित राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन सत्र में शामिल हुए। उपभोक्ता संरक्षण कानून पर हुए इस प्रतियोगिता को राज्यपाल ने अद्वितीय बताया। कहा कि यह तार्किक विचार, सटीकता और वकालत की कला में दक्षता हासिल करने का मंच प्रदान करता है। विधिक पेशा केवल एक कार्यक्षेत्र नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम है। राज्यपाल ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण कानून हमारे समाज के हर नागरिक से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी वर्ग या आयु का हो, उपभोक्ता है और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना उसका कर्तव्य है। इसके प्रावधानों ने उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन कानूनों ने उपभोक्ताओं को न्याय प्राप्ति के लिए सुलभ माध्यम प्रदान किये हैं।

विधि व्यवसाय को सदैव एक पवित्र व नैतिक पेशा माना गया है : देश में विधि व्यवसाय को सदैव एक पवित्र और नैतिक पेशा माना गया है। उन्होंने विधि के क्षेत्र में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का उल्लेख करते हुए विधिशास्त्र के विद्यार्थियों को नैतिकता और न्याय के उच्च मानदंड स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वे भी विधि के छात्र रहे हैं लेकिन आपातकाल में जेल चले गये और वकालत नहीं कर सके। इसके बाद राजनीति में आगमन हो गया। कहा कि जनता से अपार स्नेह से 8 बार लोकसभा सांसद रहा। अब नये दायित्व का निर्वहन कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि लोगों को त्वरित न्याय मिले, ये आप सभी की जिम्मेदारी है। एनयूएसआरएल न केवल विधिक शिक्षा में उत्कृष्टता प्रदान कर रहा है, बल्कि विद्यार्थियों को न्याय और नैतिकता के मूलभूत सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रतियोगिता से प्राप्त अनुभव और ज्ञान विधि छात्रों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सहायक होगा।

जयराम महतो की जीत पर जश्न मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डुमरी से टाइगर जयराम महतो की जीत पर अल्बर्ट एक्का चौक, रांची में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा द्वारा पटाखा फोड़कर खुशी का इजहार किया गया। इसका नेतृत्व जेएलकेएम के रांची जिला महानगर अध्यक्ष संजय महतो किया। मौके पर केंद्रीय महामंत्री जितेंद्र महतो, रामेश्वर महतो, महावीर मुंडा, मोहनलाल महतो, प्रवीण कुमार, योगेश कुमार, समुंद्र पहन, पार्वती देवी, सीता महतो, शिल्पा मेहता, संदीप महतो, शिवराज सिंह, केंद्रीय प्रवक्ता राजू महतो विशेष रूप से उपस्थित हुए।

अशोक नगर में जिप्पी रैबिट गेम जोन और कैफे का भव्य शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को अशोकनगर,रांची में जिप्पी रैबिट गेम जोन और कैफे की ग्रैंड ओपनिंग संपन्न हुई। जिप्पी रैबिट का भव्य शुभारंभ नन्हें कदम स्कूल की निदेशक विभा सिंह और कोकोमेलन स्कूल की निदेशक देवांजना दत्ता के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। शुभारंभ के समय शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए। जिप्पी रैबिट गेम जोन के डायरेक्टर डॉक्टर अभिजीत और प्रतिमा बर्नवाल ने बताया कि इस गेम जोन में बॉलिंग, क्रिकेट, बंपर कार, आर्केड गेम्स, वी आर गेम्स, सॉफ्ट प्ले एरिया, कैफेटेरिया और बर्थडे पार्टी के इंतजाम के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस गेम जोन में अत्याधुनिक तरीके से नये-नये गेम जोन को शामिल किया गया है और उनका संचालन भी व्यवस्थित तरीके से किये जाने का प्रबंध किया गया है। काफी बड़े और काफी सुरक्षित एरिया में गेम जोन का प्रबंध किया जा रहा है जिसमें बच्चे और उनके परिवार के सारे लोग एक साथ सम्मिलित होकर सारे गेम का आनंद एक साथ उठा सकते हैं। जिप्पी गेम जोन का कैफेटेरिया भी काफी आकर्षक और सुसज्जित है। इनॉग्रल डे के ऑफर के रूप में फ्लैट 50% डिस्काउंट उपलब्ध कराया गया। डायरेक्टर डॉक्टर अभिजीत ने बताया कि यह गेम जोन अशोकनगर , रोड नंबर एक के पास साईं आर्केड के फोर्थ फ्लोर (चौथे तल्ले) पर स्टारबक्स के ऊपर में अवस्थित है। प्रतिमा बर्नवाल ने कहा कि गेम के बारे में अधिक जानकारी और एडवांस बुकिंग के लिए 9798 516264 पर संपर्क किया जा सकता है।

कृष्ण चंद्र गांधी की पुण्यतिथि मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा में सरस्वती शिशु मंदिर योजना के जनक श्रद्धेय कृष्ण चंद्र गांधी की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र का लोकार्पण एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उनके छायाचित्र का लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रह्माजी राव, मंत्री, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के कर कमलों द्वारा हुआ। डॉ सुषमा कुमारी, रिम्स ब्लड बैंक के प्रभारी तथा डॉक्टर (मेजर) रितेश दास, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, क्यूरेटर अस्पताल रांची बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। विद्यालय के मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए कहा कि श्रद्धेय कृष्ण चंद्र गांधी के प्रयासों से 1952 में प्रथम सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय का प्रारंभ गोरखपुर से हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय है। मुख्य अतिथि ब्रह्माजी राव ने कहा कि श्रद्धेय कृष्ण गांधी का जीवन सादगी और समर्पित था। उन्होंने कहा कि गांधी जी मौन तपस्वी थे। उन्होंने असम के दुर्गम क्षेत्रों में कार्य किया। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों को आगे ले जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विशिष्ट अतिथिद्वय ने रक्त दान के महत्व को बताया। विद्यालय के अध्यक्ष शक्तिनाथ लाल दास ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी से रक्त दान करने का आग्रह किया। रक्त दान शिविर में रक्त दान शिविर में रिम्स ब्लड बैंक के सदस्यों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण रही। इस अवसर पर डॉ धनेश्वर महतो, एस वेंकट रमन, महावीर सिंह, आशीष नाथ शाहदेव, योगेश्वर दुबे, समर सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, नर्मदेश्वर मिश्र, ललन कुमार, मीना कुमारी, आचार्य, कर्मचारी, पुरातन भैया/बहन और अभिभावक उपस्थित थे।

राजस्थान सरकार की शिक्षा की ओर नयी मुहिम

प्रवासी मारवाड़ी समाज का प्रयास अत्यंत सराहनीय है: मदन दिलावर

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने अपने त्रिदिवसीय कोलकाता दौरे के दौरान राजस्थान सूचना केंद्र सभागार में रचनाकार एवं राजस्थान सूचना केंद्र के साझा तत्वावधान में आयोजित एक समारोह 'एक कदम शिक्षा की ओर' कार्यक्रम में कहा कि राजस्थान सरकार की शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में अपनी वचनबद्धता के तहत प्रवासी मारवाड़ी समाज का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उक्त समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि गंगामिशन के अध्यक्ष प्रसिद्ध उद्योगपति प्रह्लाद राय गोयनका ने कहा कि राजस्थान हमारे पूर्वजों की भूमि है और हम सब प्रवासी राजस्थान के शैक्षिक स्तर को विकसित करने में सदैव की भांति सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता की राजस्थान प्रचारणी सभा के अध्यक्ष व भाषाविद रतन शाह और स्वागत भाषण 'रचनाकार' के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश चौधरी (अग्रवाल) ने दिया। बतौर विशिष्ट अतिथि राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग के प्रमुख प्रशासकीय सचिव वरिष्ठ आइएएस अधिकारी कृष्ण कुणाल ने आगामी 9, 10, 11 दिसंबर को जयपुर में होनेवाले प्रवासी सम्मेलन में शामिल होने एवं राजस्थान के विकास में भागीदार बनने के लिए कोलकाता के प्रवासी मारवाड़ी समाज के लोगों को जयपुर आने का न्यौता भी दिया। कार्यक्रम में राजस्थान के शिक्षा निदेशक आशीष मोदी, आइएएस एवं सीताराम जाट, आइएएस भी उपस्थित रहे। बतौर विशिष्ट अतिथि राजस्थान- बंगाल मैत्री परिषद के उपाध्यक्ष नारायण जैन, माहेश्वरी पुस्तकालय अध्यक्ष विश्वनाथ चांडक, कोलकाता क्रियेटिविटि सेंटर (इमामी) की निदेशक प्रमीला शाह, प्रखर भाषाविद राजेंद्र केडिया, राजस्थानी भाषा को समर्पित व्यक्तित्व जयप्रकाश सेठिया एवं पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महासचिव किशन किल्ला, कोलकाता के राजस्थान परिषद के अध्यक्ष अरूण मल्लावत, परिवार मिलन के अजीत बचछावत उल्लेखनीय हैं। कार्यक्रम का प्रशंसातीत संचालन राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजस्थान सूचना केंद्र कोलकाता के सहायक निदेशक व साहित्य -साधक हिंगलाज दान रतनू ने किया। कार्यक्रम का समापन 'प्रेस से मिलिए' में राजस्थान के शिक्षा मंत्री दिलावर के रूबरू होते हुए हुआ। उक्त जानकारी हिंगलाज दान रतनू सहायक निदेशक राजस्थान सूचना केंद्र ने दी।

बैंक ऑफ इंडिया ने 'माहेर' में दान किये कंप्यूटर सेट और गर्म कपड़े

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य के अग्रणी बैंक बीओआइ रांची अंचल द्वारा बीओआइ टांगर शाखा के सहयोग से सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में एक अहम पहल करते हुए टांगर स्थित माहेर अनाथाश्रम में बढ़ती हुई ठंड के मद्देनजर गरीब तथा असहाय बच्चों को गर्म कपड़ों का वितरण किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर आमंत्रित महाप्रबंधक मनोज कुमार की धर्मपत्नी तथा वरिष्ठ समाजसेविका स्वप्न मलिका ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया द्वारा समाज के उत्थान हेतु इस तरह के कार्य नियमित अंतराल पर किये जा रहे हैं। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि सीमा सिंह ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा माहेर में एक कंप्यूटर लैब की स्थापना भी की गयी है। जिससे अनाथ तथा बेसहारा बच्चे भी समाज के साथ कदम से कदम मिला कर चल सकें।

कार्यक्रम के उपरांत, बैंक ऑफ इंडिया रांची अंचल की उप आंचलिक प्रबंधक बनिता महापात्र ने धन्यवाद ज्ञापन देकर समारोह को सफल बनाया।

इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक अनुराग वर्मा, टांगर शाखा प्रबंधक रुपेश कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव, मुक्ति महतो सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण खबरें

रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। 76वें एनसीसी दिवस के अवसर पर 3 झारखंड बटालियन एनसीसी रांची ने रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन किया। यह दौड़ मोरहाबादी, राजभवन, करमटोली तालाब से होते हुए 5 किलोमीटर की दूरी तय करके वापस अपने स्थान पर लौटी। स्वयंसेवकों ने पूरे मार्ग में कैडेटों का मार्गदर्शन किया और उन्हें प्रेरित भी किया। कैडेटों के लिए मार्ग के हर कोने पर पीने का पानी भी उपलब्ध था। कैडेटों ने बहुत उत्साह दिखाया और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। लगभग 450 कैडेटों ने भाग लिया, जिन्हें जूनियर विंग, जूनियर डिवीजन, सीनियर डिवीजन और सीनियर विंग के 4 समूहों में विभाजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संतोष कुमार सिंह के प्रेरक शब्दों से हुई। उनहोंने एनसीसी दिवस महत्व पर प्रकाश डाला, शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना हमें कितना आवश्यक है के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पदक और आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

एसआर डीएवी पुंदाग में एनसीसी दिवस मना

रांची (आजाद सिपाही)। एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल, पुंदाग में 76वां एनसीसी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य एसके मिश्र ने एनसीसी का झंडोत्तोलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग के विद्यार्थियों ने स्वागत गान तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। एनसीसी कैप्टन सौरभ कुमार ने स्वागत भाषण दिया। इसके उपरांत प्राचार्य ने एनसीसी कैडेट्स के साथ विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया तथा विविध खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। मुख्य अतिथि प्राचार्य एसके मिश्र ने अपने संदेश में कहा कि मजबूत राष्ट्र निर्माण के लिए देश को अनुशासित, योग्य, परोपकारी तथा देशभक्त नागरिक प्रदान करने के लिए एनसीसी की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को एनसीसी कैडेट के रूप में पूर्ण ईमानदारी तथा समर्पण के साथ काम करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी शिक्षक अनुरंजन कुमार ने किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स के साथ-साथ शिक्षक शैलेंद्र कुमार पाठक, कुंतल मित्रा, प्रणव प्रताप, काजोरी दत्ता, रीमा करमाकर तथा अनेक अभिभावक भी उपस्थित थे। अनुरंजन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

177वां नि:शुल्क श्रीकृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। 177वां नि:शुल्क श्री कृष्ण प्रणामी भंडारा का आयोजन संस्था के सदस्यों के सौजन्य से किया गया। इस मौके पर 1100 से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रीकृष्ण प्रणामी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, नंद किशोर चौधरी, ज्ञान प्रकाश शर्मा ने श्रीकृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का उद्घाटन कर वितरण कार्य शुरू किया। इस मौके पर श्रीकृष्ण प्रणामी के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, ओमप्रकाश सरावगी, विशाल जालान, सज्जन पाडिया, सुरेश भगत, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, पवन पोद्दार, धीरज कुमार गुप्ता, चंद्रदिप साहू, हरीश कुमार, परमेश्वर साहू, महिला समिति की संतोष देवी अग्रवाल, शारदा पोद्दार, रेखा पोद्दार, उर्मिला पाड़िया, सुनीता अग्रवाल उपस्थित थीं। यह जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (राजु अग्रवाल) ने दी।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की आठवीं कार्यकारिणी की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की सत्र (2024-25) की आठवीं कार्यकारिणी बैठक शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया की अध्यक्षता में अपर बाजार स्थित नानी एंक्लेव में संपन्न हुई। सर्वप्रथम शाखा अध्यक्ष ने स्वागत भाषण में सभी प्रभारियों की प्रशंसा की और उन्हें और अच्छा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। मीटिंग में पिछली बैठक की कार्यवाही सभा पटल में रखी गयी, इसके बाद सचिव शुभा अग्रवाल ने अक्टूबर माह का प्रतिवेदन पेश किया। बैठक में नवंबर माह में होने वाले कार्यों पर चर्चा की गयी। विशेष रूप से गोसेवा, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, जनसेवा के कार्य आदि पर चर्चा हुई। साथ ही 22 और 23 मार्च को होने वाले प्रांत अधिवेशन पर भी चर्चा की गयी। झारखंड प्रांत मारवाड़ी युवा मंच मंडल-1 में पहली बार वूमेन 'एस प्रीमियर लीग के आयोजन के लिए समर्पण शाखा की संयोजिका एवं सभी सदस्यों को बधाई दी गयी। शाखा सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यकारिणी की बैठक में अध्यक्ष विनीता सिंघानिया, सचिव शुभा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष मीना टाईवाला, कविता सोमानी, दीपिका मोतीका, सौम्य गर्ग, पूजा तोदी, रितु पोद्दार उपस्थित थीं।

हेमंत की अगुवाई में इंडिया गठबंधन ने बड़ी जीत हासिल की है

पहली बार 22 नये चेहरे चुनकर आये हैं झारखंड विधानसभा में

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में हेमंत सोरेन की अगुवाई में इंडिया गठबंधन ने बड़ी जीत हासिल की है। 81 सीटों वाले इस चुनाव में गठबंधन ने 56 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इस जीत के साथ ही झारखंड में भाजपा के विजय रथ को रोक दिया। भाजपा को सिर्फ 24 सीटों से संतोष करना पड़ा। लेकिन इस चुनाव में बहुत कुछ नया देखने को मिला है।

चुनाव में हेमंत कैबिनेट के चार मंत्री सहित 25 विधायक हार गये। तो इस बार 12 महिलाओं ने जीत हासिल कर अपनी मौजूदगी दर्ज करायी। झारखंड विधानसभा में पहली बार 22 नये चेहरे चुनकर आये हैं। इसमें अधिकतर चेहरे युवा हैं। झारखंड में कई सीटों पर प्रभावी रहे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा से सुप्रीमो जयराम महतो भी विधायक बने। सबसे अधिक नये चेहरे भाजपा से जीते हैं। भाजपा से नौ नये चेहरे विधायक बने हैं। झामुमो से छह और कांग्रेस से तीन नये चेहरे विधायक बने हैं। माले, राजद, आजसू से भी एक-एक नया चेहरा सदन में पहुंचा है।

इन 22 नये विधायकों में भाजपा के विधायकों में झरिया से रागिनी सिंह, जमशेदपुर पूर्वी से पूर्णिमा दास, जमुआ से मंजू देवी, जरमुंडी से देवेंद्र कुंवर, बड़कागांव से रोशन लाल चौधरी, हजारीबाग से प्रदीप प्रसाद, सिमरिया से उज्जवल दास, बगोदर से नागेंद्र महतो, बाघमारा से शत्रुघ्न महतो का नाम शामिल है। वहीं झामुमो से जीतने वाले नये विधायकों में शिकारीपाड़ा से आलोक कुमार सोरेन, राजमहल से मो तजाउद्दीन उर्फ एमटी राजा, तोरपा से सुदीप गुड़िया, बोरियो से धनंजय सोरेन, खूंटी से रामसूर्य मुंडा, मनोहरपुर से जगत मांझी का नाम शामिल है। कांग्रेस से जीतने वाले विधायकों में पाकुड़ से निशत आलम, बोकारो से श्वेता सिंह और कांके से सुरेश बैठा का नाम शामिल है। वहीं राजद से जीतने वाले नये विधायक में विश्रामपुर से नरेश प्रसाद सिंह, आजसू से निर्मल तिवारी, सिंदरी से माले के चंद्रदेव महतो और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो जयराम महतो डुमरी से का नाम शामिल है।

मांडू विधायक निर्मल महतो ने आजसू सुप्रीमो के लिए दिखायी दरियादिली

सीट छोड़ने का किया एलान, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो मांडू से लड़ें चुनाव

सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है निर्मल महतो का वीडियो

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। झारखंड विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। पूरे झारखंड में आजसू का झंडा मांडू विधानसभा से निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने फहराया है। वे इकलौते विधायक वर्तमान समय में रहेंगे जो विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। लेकिन शपथ लेने से पहले ही निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने एक बड़ा एलान किया है। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो के लिए अपनी सीट खाली करने का फैसला किया है। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो को एक पत्र लिखा है और कहा है कि वे उनके लिए मांडू विधानसभा खाली करेंगे। साथ ही उन्हें जिताकर विधानसभा भेजेंगे। इस पर अब आखिरी फैसला सुदेश महतो के द्वारा ही लिया जाना है। सुदेश महतो पार्टी सुप्रीमो हैं और पूरे प्रदेश में बड़े निर्णय पार्टी हित में वही लेते हैं। जहां तक बात गठबंधन और सीट की होती है, फैसला उन्हीं का माना जाता है। अब वह मांडू विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे या फिर तिवारी महतो को विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व सौंपेंगे, यह तो उनके ऊपर निर्भर करता है। फिलहाल तिवारी महतो के इस बड़े फैसले ने उन्हें एक बड़े दिलवाले के रूप में जनता के बीच खड़ा कर दिया है। जिस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तिवारी महतो ने 10 वर्षों का संघर्ष किया। आज अपने पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो के मान सम्मान के लिए उन्होंने अपनी कुर्बानी देने का फैसला किया। उनका यह फैसला पार्टी में एकलव्य की कुर्बानी की तरह देखा जायेगा।

अंबा के घर पर पथराव, टूटी गाड़ी को बतायी जनसेवा की पहली तस्वीर

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे आने के बाद सबसे पहला हमला पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के आवास पर हुआ है। उनके घर पर रविवार की सुबह कुछ लोगों ने पथराव किया। इस पथराव में उनकी मारुति गाड़ी के शीशे टूट गये हैं। पथराव के पीछे नवनिर्वाचित विधायक के दबंग समर्थकों का हाथ होने का आरोप अंबा प्रसाद ने लगाया है। अंबा प्रसाद ने सोशल मीडिया पर अपनी टूटी हुई गाड़ी की तस्वीर पोस्ट की है और कहा है कि क्या यही है जनसेवा की आपकी पहली तस्वीर? अंबा प्रसाद ने कहा कि अभी कल ही चुनाव के नतीजे आए और आज नव निर्वाचित विधायक के समर्थकों ने हमारी गाड़ी का शीशा तोड़कर अपनी दबंगई का प्रदर्शन किया। आखिर ऐसी क्या व्यक्तिगत दुश्मनी है आपकी मुझसे? जनता ने आपको सेवा और विकास के लिए चुना है, न कि डर और गुंडागर्दी फैलाने के लिए। दर्द सिर्फ. टूटे हुए शीशे का नहीं, बल्कि टूटते भरोसे और बिगड़ती सियासत का है। अंबा प्रसाद ने जिला प्रशासन से न्याय की मांग की है।

रेलवे ब्रिज निर्माण में लगी पोकलेन मशीन को हथियारबंद अपराधियों ने लगायी आग

आजाद सिपाही संवाददाता

टंडवा। शिवपुर-कठौतिया रेल लाईन के निर्माण में लगी आइएससी कंस्ट्रक्शन कंपनी के टंडवा थाना क्षेत्र के बुकरू गांव स्थित ब्रिज संख्या 103 के निर्माण में लगी पोकलेन मशीन और एक हाइड्रा मशीन को अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने शनिवार की मध्य रात्रि आग के हवाले कर दिया है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी भाग निकले। आगजनी की घटना की जानकारी जैसे ही ब्रिज निर्माण में लगे वर्ककरो को मिली तो वर्कों ने इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम में वर्कों के सहारे घंटो मशक्कत के बाद हाइड्रा मशीन में लगे आग को तो बुझा लिया। लेकिन पोकलेन मशीन में लगी आग को बुझाने में वे असफल रहे, जिससे पोकलेन मशीन जलकर बर्बाद हो गया। जानकारी के अनुसार शनिवार की मध्य रात्रि करीब 12 बजे आधा दर्जन की से अधिक की संख्या में हथियारबंद अपराधी पहुंचे और आगजनी की घटना को अंजाम दिया। वहीं टंडवा पुलिस आगजनी की घटना में शामिल अपराधियों के धड़-पकड़ को लेकर अभियान में जुट गयी है।

बीआइटी मेसरा पॉलिटेक्निक में छात्र की मौत मामले में पांच को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। देश के जाने माने शिक्षण संस्थान बीआइटी मेसरा पॉलिटेक्निक में छात्रों के दो गुटों के बीच हुई खूनी झड़प में पिछले सप्ताह एक छात्र की मौत हो गयी थी। मृतक छात्र की पहचान राजा पासवान के रूप में हुई थी। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावे मारपीट में शामिल साम्रगी को भी बरामद किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों का नाम अभिषेक कुमार, मौसम कुमार सिंह, निपुण, साहिल और इरफान अंसारी हैं। 14 नवंबर को रांची स्थित बीआइटी मेसरा में छात्रों के दो गुटों के बीच हुई झड़प में पॉलिटेक्निक डिपार्टमेंट के एक स्टूडेंट राजा पासवान की मौत हो गयी थी।

हरियाणा संघ की आम सभा में प्रस्तावित संविधान को सर्वसमति से पारित किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महाराजा अग्रसेन भवन के सभागार में हरियाणा संघ की आम सभा हुई। उपरोक्त बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा ने की। बैठक में मुख्य रूप से प्रस्तावित संविधान पर चर्चा एवं निर्णय लेने के लिए सदस्यों की आम सभा बुलाई गयी थी। अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा ने उपस्तिथ सदस्यों का स्वागत और अभिनंदन किया। बैठक का संचालन मंत्री विनोद जैन ने किया। गत दिनों के आम सभा की बैठक की कार्यवाही को उपमंत्री प्रमोद सारस्वत ने पढ़ा सभा में उपस्तिथ सदस्यों ने सर्वसम्मति से पुष्टि की। बैठक का संचालन करते हुए मंत्री विनोद जैन ने संबिधान कमिटी द्वारा बनाये गये प्रस्तावित संविधान को आम सभा की बैठक में सदस्यों के बीच रखा। सदस्यों के सुझाव और विचार विमर्श के उपरांत कुछ संशोधनों के साथ संविधान को सर्वसम्मति से पारित किया गया साथ ही सभा ने इस उपलक्ष पर संविधान कमेटी के राहुल शर्मा और दीपेश निराला को बधाई भी दी।

अध्यक्ष रमेश चंद शर्मा और मंत्री विनोद जैन ने बताया सभा ने जो संविधान पारित किया है यह संविधान हरियाणा संघ का आज से लागू कर दिया जायेगा वर्तमान सत्र के पदाधिकारी इसी संविधान सत्र कार्य के अनुरूप हरियाणा संघ के कार्यक्रमों को संचालित करेंगे। बैठक में कई लोगों ने सुझाव दिया कि हरियाणा संघ में ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाकर संघ को मजबूत करने का दायित्व युवाओं को दिया जाये। शहर में होने वाले धार्मिक व सामाजिक कार्यों में हरियाणा संघ के सदस्यों को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना है। धन्यवाद ज्ञापन संघ के उपाध्यक्ष अरुण शर्मा ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष लक्ष्मी चंद दीक्षित, अरुण शर्मा, मंत्री विनोद जैन उप मंत्री प्रमोद सारस्वत, राहुल शर्मा कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कमल शर्मा, सोमदत्त शर्मा, सुनील गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, हरि कनोडिया, राजेश कौशिक, श्याम सुंदर गोयल, अमित शर्मा, महेंद्र प्रसाद वर्मा, दयानंद शर्मा, आलोक अग्रवाल, नंद किशोर आर्य, मैनपाल शर्मा, वेद प्रकाश छापड़िया सहित 65 से भी ज्यादा सदस्य उपस्तिथ थे।

चुनाव हारे हैं, जमीन नहीं, सशक्त विपक्ष की भूमिका में रहेगा राजद : सत्यानंद भोक्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। चतरा विधानसभा क्षेत्र से अपनी पुत्रवधु रश्मि प्रकाश के चुनाव हारने पर हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री रहे सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि चतरा में राजद चुनाव भले ही हार गया है, लेकिन जमीन नहीं हारा है। राजद यहां कल भी मजबूत था, आज भी है और कल भी रहेगा। चुनाव में हार जीत लगी रहती है। कहां चूक हुई, उसकी समीक्षा करेंगे। उन्होंने चतरा विधानसभा क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चतरा विधानसभा में हमारी हार हुई है, इस हार को स्वीकार करते हैं। लेकिन झारखंड में एक बार फिर लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार पूर्ण बहुमत से बनने जा रही है। यह किसी जीत से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि राजद व महागठबंधन दल में शामिल दलों के किसी भी कार्यकर्ताओं को इस हार से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। सरकार उनकी बन रही है और 24 घंटे वह एटीएम की तरह उनके साथ खड़े मिलेंगे। चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के साथ साथ महागठबंधन के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत किया है। सभी ने सामूहिक रूप से अच्छा प्रयास किया। इसके लिए सभी को आभार और धन्यवाद। वह सभी के सुख दुख में सदैव खड़े रहेंगे।

जिले में 5,20,585 मतदाताओं ने किया मतदान

चतरा में 8071 और सिमरिया में 6928 मतदाताओं ने किया नोटा का प्रयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। चतरा विधान सभा क्षेत्र के 2,68,805 मतदाताओं ने अपने माताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें 8071 मतदाताओं ने नोटा बटन दबाकर किसी पर भरोसा नहीं किया और 148 मत अस्वीकृत कर दिया गया। शेष मतदाताओं ने विभिन्न दलों एवं निर्दलीय प्रत्याशियों पर अपना विश्वास जताया था। जिसमें 1. चंद्रशेखर कुमार - बहुजन समाज पार्टी - 3625 मत, 2. जनार्दन पासवान - लोक जन शक्ति पार्टी (राम विलास) - 109019 मत, 3. रश्मि प्रकाश - राष्ट्रीय जनता दल - 90618 मत। 4. पुन भुईयां - सीपीएम - 3016 मत, 5. अशोक कुमार डोम - लोकहित अधिकार पार्टी - 2689मत। 6. अशोक भारती - झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा - 16776। 7. डोमन भुईयां - सीपीआइ - 6112 मत। 8. सुबोध पासवान - एआइएमआइएम - 5535 मत, 9.अशोक कुमार गहलौत- निर्दलीय - 5714 मत, 10. उमेश कुमार भारती - निर्दलीय - 14190 मत तथा 11. सागर राम - निर्दलीय - 3292 मत शामिल है। जबकि सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के चुनाव में -251780 मतदाताओं ने मतदान किया था। जिसमें 6928 ने नोटा बटन का प्रयोग किया तथा 140 मत अस्वीकृत कर दिया गया। शेष मतदाताओं ने कुमार उज्जवल - भारतीय जनता पार्टी - 111906 मत, 2. मनोज कुमार चंद्रा - झारखंड मुक्ति मोर्चा - 107905 मत, 3. रामवतार राम - बहुजन समाज पार्टी - 2265 मत, 4. जितेंद्र कुमार - झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा -11164 मत, 5. लाल किशोर दास - झारखंड पार्टी - 572 मत, 6. सुरेश कुमार - कम्यूनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया - 3809 मत, 7. विकास कुमार - निर्दलीय - 902 मत 8. विनय कुमार - निर्दलीय - 527 मत, 9. बिनोद कुमार - निर्दलीय - 793 मत, 10. शंकर रजक - निर्दलीय - 1271 मत तथा , 11. सदानंद भुईयां - निर्दलीय - 3598 मत देकर अपना विश्वास जताया।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 502 date 19.11.2024, I, Raj Kumar @ Raj Kumar Madanpotra, aged about 52 years, Aadhar No. 9354 2391 8623, son of Girdhari Lal Madanpotra, resident of Krishna Nagar Colony, Ratu Road, Ranchi, P.O.- G.P.O. Ranchi, P.S. Sukhdeo Nagar, District Ranchi, (Jharkhand), PIN- 834001, do hereby solemnly affirm and declare as follows:-
1) That my actual date of birth is 13.01.1972.
2) That my date of birth has wrongly been mentioned as "15.01.1971" in my PAN card No. ACIPM9741L and in my Aadhar card No. 9354 2391 8623, which requires to be corrected as "13.01.1972".
3) That this affidavit is being sworn by me to get my date of birth corrected as "13.01.1972" in my PAN card and in my Aadhar card. Hence necessity of this affidavit. 3) That this affidavit is being sworn by me to get my date of birth corrected as "13.01.1972" in my PAN card and in my Aadhar card. Hence necessity of this affidavit.
4) That the statements made above are true and correct to my knowledge, information and belief. Sworn and signed this affidavit at Ranchi, today on this the day 15 of November, 2024.

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 503 date 19.11.2024, I. Raj Kumar Raj Kumar Madanpotra, aged about 52 years, Aadhar No. 9354 2391 8623, son of Girdhari Lal Madanpotra. resident of Krishna Nagar Colony, Ratu Road, Ranchi, P.O.- G.P.O. Ranchi, P.S. Sukhdeo Nagar, District Ranchi, (Jharkhand), PIN- 834001, do hereby solemnly affirm and declare as follows:-
1) That in my educational certificates, my name has been mentioned as "Raj Kumar", whereas in my Aadhar Card and PAN card, my name has been written with my surname as "Raj Kumar Madanpotra".
2) That through this affidavit I hereby declare that both the names i.e. Raj Kumar and Raj Kumar Madanpotra, son of Girdhari Lal Mandanpotra, are the name of same and similar person i.e. myself
3) That the statements made above are true and correct to my knowledge, information and belief. Sworn and signed this affidavit at Ranchi, today on this the 15 day of November, 2024.

विचारधाराओं की लड़ाई में विजय का जनादेश

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव परिणामों को एक साथ मिलाकर लोकसभा चुनाव परिणामों से तुलना कर सकते हैं और अलग-अलग विश्लेषण भी। महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़ कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनायी है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव के परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है, जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र का परिणाम असाधारण है। भाजपा के नेतृत्व में महायुती की एकपक्षीय विजय है और भाजपा ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सीटें पायीं। तो ऐसा परिणाम क्यों आया तथा झारखंड एवं महाराष्ट्र में अंतर क्यों है? महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया, तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है। मुंबई सिटी की 10 सीटों पर 52.65 प्रतिशत और उपनगर की 26 पर 56.39 प्रतिशत मतदान हुआ। महिलाओं के मतदान का आंकड़ा भी महत्वपूर्ण रहा। कुल 9.7 करोड़ मतदाताओं में 5.22 करोड़ पुरुष और 4.69 करोड़ महिलाएं थीं। इनमें 3 करोड़ 34 लाख 37 हजार 57 पुरुषों तथा 3 करोड़ 6 लाख 49 हजार 318 महिलाओं और 1 हजार 820 अन्यों ने मतदान किया। पुरुषों की तुलना में केवल 28 लाख कम महिला मतदाताओं ने मतदान किया, जबकि दोनों के बीच अंतर करीब 53 लाख था। कह सकते हैं कि महाराष्ट्र में महिलाओं के खाते में एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण था। इससे हम इंकार नहीं कर सकते, क्योंकि झारखंड में भी मंईयां सम्मान योजना ने भूमिका निभायी, लेकिन महाराष्ट्र में दोनों पक्षों के बीच लगभग 16 प्रतिशत मतों का अंतर केवल महिला मतदाताओं के कारण नहीं आ सकता। महत्वपूर्ण मुद्दे हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रीयता तथा इस्लामिक कट्टरवाद–इन पर सभी भाजपा एवं शिवसेना नेता बेहिचक प्रखर और आक्रामक होकर बोलते रहे, इनसे जुड़े मुद्दे उठाते रहे, विपक्ष को हिंदुत्व विरोधी, देश के हित के विरोध में काम करने वाला घोषित किया। महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों और नेताओं के बीच महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने की होड़ लगी हुई थी। भाजपा व शिवसेना समर्थकों में से जिन्होंने कई कारणों से लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं किया या विरोध में चले गये या महा विकास अघाड़ी के पक्ष में मतदान करने वाले गैर प्रतिबद्ध मतदाताओं को भी लगा कि हिंदू, बौद्ध,सिख और जैन के लिए भाजपा और शिवसेना ही है।

महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया, तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है।

अभिमत
आजाद सिपाही

जिस तरह क्रिकेट के मैदान पर इन दोनों खिलाड़ियों का दबदबा था, उसी तरह भारतीय रेलवे और पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के बीच की साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में मांग के अनुरूप एक परिवर्तनकारी (गेम-चेंजर) भूमिका निभा रही है। यह परिवर्तनकारी दृष्टिकोण विभिन्न विभागों, मंत्रालयों, राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के बीच मौजूद अवरोधों को तोड़ने की सुविधा प्रदान करता है।

रेलवे और गतिशक्ति : एक अजेय साझेदारी

एके खंडेलवाल

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली ने संयुक्त रूप से 26 शतक लगाकर एक शानदार जोड़ी बनायी थी। जिस तरह क्रिकेट के मैदान पर इन दोनों खिलाड़ियों का दबदबा था, उसी तरह भारतीय रेलवे और पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के बीच की साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में मांग के अनुरूप एक परिवर्तनकारी (गेम-चेंजर) भूमिका निभा रही है।

यह परिवर्तनकारी दृष्टिकोण विभिन्न विभागों, मंत्रालयों, राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के बीच मौजूद अवरोधों को तोड़ने की सुविधा प्रदान करता है। गतिशक्ति अब बुनियादी ढांचे की योजना बनाने और निर्णय लेने की आधारशिला है। इसका कार्यान्वयन इस राष्ट्रीय परिवाहक (ट्रांसपोर्टर) के मंडल-स्तरीय निर्माण संगठनों तक फैला हुआ है। इसके माध्यम से रेलवे ने पीएमजीएस के संचालन के दो प्रमुख तत्वों - संस्थागत ढांचे और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआइएस) के डेटा-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है। जहां गतिशक्ति गांगुली की कलात्मकता एवं दृढ़ नेतृत्व को प्रदर्शित करती है, वहीं रेलवे, तेंदुलकर की अनुकूलनशीलता की तरह, विविध चुनौतियों का कुशलता से सामना करता है।

रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट किलोमीटर (आरकेएम) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

इस एकीकृत दृष्टिकोण ने बुनियादी ढांचा से जुड़े मंत्रालयों और रेलवे जोन के बीच समन्वय को उल्लेखनीय तरीके से बेहतर बनाया है, जिससे परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने में तेजी आयी है। इस पहल ने परियोजनाओं के सर्वेक्षण को मंजूरी देने में आम तौर पर लगने वाले 4-5 महीनों के समय को घटा कर केवल सात दिन कर दिया है। इससे पूरे रेलवे नेटवर्क की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 458 परियोजनाओं के सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गयी, जबकि पहले यह संख्या लगभग 50 ही थी। जहां रेलवे ने ऐतिहासिक रूप से अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय किया है, वहीं पीएमजीएस के माध्यम से उन्नत डिजिटल प्लेटफार्मों एवं वास्तविक समय में निगरानी का लाभ उठाते हुए परिवहन के विभिन्न साधनों के एकीकरण ने भारत के बुनियादी ढांचे के इकोसिस्टम में क्रांति ला दी है। विभिन्न रेलवे जोन, विभागों और क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से, पीएमजीएस अब बुनियादी ढांचे से संबंधित समग्र योजना निर्माण एवं कार्यान्वयन का एक आदर्श मॉडल बन गया है।

पीएमजीएस का सबसे व्यापक प्रभाव विभागीय अवरोधों को तोड़ना है। परंपरागत रूप से, सात अलग-अलग विभाग रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अनावश्यक देरी और अक्षमताएं पैदा होती हैं। अंतर-विभागीय संवाद को बढ़ावा देने और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने से, परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने में तेजी आई है और नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त हो गयी हैं।

पीएमजीएस के कार्यान्वयन से योजना निर्माण में काफी सुधार आया है। गतिशक्ति के आने से पहले जहां प्रत्येक वर्ष मात्र 6-7 परियोजनाएं ही स्वीकृत होती थीं, वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान जहां 73 परियोजनाएं स्वीकृत की गयी हैं। यह एक वित्तीय वर्ष में अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड है! कुल 5,309 किलोमीटर की नयी लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाओं के पूरा होने के साथ, परियोजनाओं के अंतिम रूप से कार्यान्वित होने का रिकॉर्ड भी काफी ऊपर पर पहुंच गया। रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट किलोमीटर (आरकेएम) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है और ट्रैक कमीशनिंग की गति 4 किलोमीटर प्रति दिन से बढ़कर 15 किलोमीटर प्रति दिन हो गयी है। प्रभावी रूप से, पीएमजीएस-एनएमपी कहां, क्या और कब की विस्तृत मैपिंग के माध्यम से बुनियादी ढांचे की भविष्योन्मुखी योजनाएं बना रहा है। इसमें सामाजिक एवं आर्थिक बुनियादी ढांचे, ट्रंक एवं उपयोगिता नेटवर्क, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, पर्यटन स्थल, भूमि राजस्व मानचित्र और वन सीमाओं से जुड़े सटीक एवं व्यापक आंकड़ों का समावेश है। ये जानकारियां परियोजनाओं के योजना निर्माण और कार्यान्वयन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सभी परियोजनाओं की जांच (एनपीजी) नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा की जाती है, जिसमें अतिरेक और निर्माण के बाद केबल/पाइप बिछाने के लिए नयी बनी सड़कों को तोड़ने जैसी स्थितियों से बचते हुए समन्वित योजना निर्माण हेतु बुनियादी ढांचा से संबंधित सभी मंत्रालय शामिल हैं।

उदाहरण के लिए, हाउसिंग सोसाएटियां अब निवासियों के आने से पहले सीवेज, बिजली तथा अन्य सुविधाओं से लैस होंगी और कार्रवाई के लिए पहले शिकायतों के आने का इंतजार नहीं किया जाएगा। मांगों के बढ़ने से पहले ही विस्तारित हो रहे उपनगरों के पास स्थित गोदामों (वेयरहाउसिंग) को समय पर सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी और विस्तार के दौर से गुजर रहे बंदरगाहों को पर्याप्त रेलवे निकासी और मल्टीमॉडल लिंक का लाभ मिलेगा। योजना निर्माण की इस कुशल क्षमता को भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियो-इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) द्वारा समर्थित किया गया है, जिसने पीएमजीएस-एनएमपी को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। गतिशक्ति की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू बुनियादी ढांचे की उन प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता देने में निहित है, जिनका कनेक्टिविटी, दक्षता और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर अधिकतम प्रभाव पड़ेगा। रेलवे अब शुरूआती और अंतिम छोर तक की कनेक्टिविटी के लिए आर्थिक केंद्र, खदानें, बिजली संयंत्र और लॉजिस्टिक्स हब जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर सकता है और मांग से पहले माल ढुलाई गलियारे एवं बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजनाओं की योजना बना सकता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने तथा व्यापार करना और अधिक आसान बनाने की क्षमता के आधार पर इस बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी गयी है।

कुल 16 रेलवे जोन के सभी 68 मंडलों के बीच बेहतर सहयोग के माध्यम से होने वाला सुधार स्पष्ट दिखायी देता है। गतिशक्ति के आने से पहले, प्रत्येक रेलवे जोन व विभाग एक हद तक अलग-थलग रूप से संचालित होते थे। इससे देरी, अक्षमताएं और समन्वय की कमी की समस्याएं पैदा होती थीं। पीएमजीएस-एनएमपी के माध्यम से डिजिटल इंटरफेस की शुरूआत ने क्रॉस-जोन सहयोग का एक एकीकृत मंच प्रदान किया, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान और परियोजनाओं का सुचारू कार्यान्वन का संभव हुआ।

हालांकि मैं पीएमजीएस और भारतीय रेलवे, दोनों को सचेत करना चाहूंगा। जहां सचिन और सौरव ने क्रिकेट के मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वहीं राजनीतिक क्षेत्र में उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वैसे ही, पीएमजीएस की शक्ति और रेलवे के दृढ़ संकल्प को वैसी राजनीतिक परियोजनाओं से कमजोर नहीं पड़ने दिया जाना चाहिए, जिनमें दीर्घकालिक लाभ का अभाव हो, क्योंकि भारत जल्द ही अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरा करने वाला है।

(लेखक : पूर्व सदस्य इंफ्रा रेलवे बोर्ड हैं।)

देश-विदेश की खबरें

जामा मस्जिद का सर्वे करने पहुंची टीम के विरोध में संभल में हिंसा, तीन मौत

परिजन बोले- पुलिस की गोली से मौत

कमिश्नर ने कहा- छतों से की गयी फायरिंग

सड़कों से 4 ट्रॉली पत्थर हटाये गये

आजाद सिपाही संवाददाता

संभल। संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में तीन युवकों की मौत हो गई। कमिश्नर ऑन्जनेय सिंह ने इसकी पुष्टि की है। हिंसा में सीओ अनुज चौधरी और एसपी के पीआरओ के पैर में गोली लगी है। एसपी समेत 15 अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हैं।

हिंसा के बाद अगले 24 घंटे के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। पूरे शहर में अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल है। जामा मस्जिद जाने वाले सभी तीन रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गयी है।

इधर, मृतकों के परिजनों का दावा है कि पुलिस की गोली से मौत हुई है। हालांकि कमिश्नर ने कहा, 'पुलिस फायरिंग में कोई मौत नहीं है। हमलावरों की फायरिंग में युवकों की जान गयी है।'

तीन युवकों की मौत से शहर में फिर तनाव हो गया है। सपा सांसद बर्क के इलाके में भी पथराव की घटना हुई। हिंसा के बाद एडीजी रमित शर्मा, आइजी मुनिराजजी मौके पर पहुंच चुके हैं।

दरअसल, रविवार सुबह 6.30 बजे डीएम-एसपी के साथ एक टीम जामा मस्जिद का सर्वे करने पहुंची थी। टीम देखकर मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गये। कुछ ही देर में करीब दो से तीन हजार से ज्यादा लोग जामा मस्जिद के बाहर पहुंच गये। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद भगदड़ जैसे हालात हो गये। अचानक पथराव शुरू हो गया, पुलिस को भागना पड़ा। बवाल इतना बढ़ गया कि पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे फिर लाठीचार्ज करके भीड़ को खदेड़ा। उग्र भीड़ ने 3 चौपहिया और 5 बाइकों में आग लगा दी। हालात कई घंटे बेकाबू रहे। सड़कों से 4 ट्रॉली पत्थर हटाये गये हैं।

भारत ने 300 अरब डॉलर का क्लाइमेट पैकेज खारिज किया

आजाद सिपाही संवाददाता

बाकू। भारत ने अजरबैजान की राजधानी बाकू में 29वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी29) के दौरान विकासशील देशों की मदद के लिए बनाये गये 300 अरब डॉलर के क्लाइमेट फाइनेंस पैकेज को खारिज कर दिया। भारत ने इस रकम को विकासशील देशों की जरूरतों के मुकाबले काफी कम बताया। भारतीय डेलिगेशन की तरफ से चांदनी रैना ने कहा कि हम इससे काफी निराश हैं, ये साफ तौर दिखाता है कि विकसित देश अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के इच्छुक नहीं है। हमें यह कहते हुए खेद है कि यह दस्तावेज महज नजरों का धोखा है।

रविवार को सीओपी29 में विकासशील देशों को 2035 तक हर साल 300 बिलियन डॉलर देने पर सहमति बनी है। इसका मकसद विकासशील देशों को फॉसिल फ्यूल में कमी करने करने के लिए बढ़ावा देना, क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए तैयार करना और इससे होने वाले नुकसान को दूर करने में मदद करना है।

यह दस्तावेज महज नजरों का धोखा : चांदनी रैना ने बैठक के समापन सत्र में कहा कि हमारी राय में, यह पैकेज हम सभी के सामने आने वाली बड़ी चुनौती से नहीं निपट पायेगा। हम इसे अपनाने का विरोध करते हैं। 300 अरब डॉलर का पैकेज विकासशील देशों की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि विकासशील देश जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन उन पर ही दबाव बनाया जा रहा है कि वो अपना डेवलपमेंट धीमा करके कम कार्बन उत्सर्जन करें। विकासशील देशों को विकसित देशों द्वारा बनाये गये एकतरफा कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म से भी जूझना पड़ रहा है।

संसद का शीतकालीन सत्र आज से अडाणी मामले पर हंगामे के आसार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। 18वीं लोकसभा का तीसरा सत्र (शीतकालीन सत्र) 25 नवंबर से शुरू होने वाला है। इससे पहले रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इस दौरान 30 पार्टियों के कुल 42 नेता मौजूद थे। कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं ने लोकसभा में पहले दिन अडाणी मामले पर बहस की मांग की है। अमेरिका की न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने गौतम अडाणी पर सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने इस मामले पर जेपीसी की मांग रखी है।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि उनकी पार्टी ने मणिपुर हिंसा, प्रदूषण, रेल दुर्घटनाओं पर भी संसद में चर्चा करने का प्रस्ताव रखा है।

हालांकि संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा- चर्चा के मुद्दों पर फैसला कार्य मंत्रणा समिति करेगी। विपक्ष सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दे।

संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सरकार ने सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक सहित 16 विधेयक की लिस्ट तैयार की है। लोकसभा बुलेटिन के मुताबिक लोकसभा में 8 और राज्यसभा में 2 विधेयक लंबित हैं। इस सत्र में कार्यवाही शुरू होने से पहले केरल और नांदेड़ सीट से उपचुनाव जीत कर आये 2 नये सांसदों को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला शपथ दिलायेंगे।

सत्र में कुल 16 विधेयक पेश किये जायेंगे 11 पर चर्चा होगी, 5 मंजूरी के लिए पेश होंगे

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कुल 16 विधेयक पेश किये जाने हैं। इनमें से 11 विधेयक चर्चा के लिए रखे जायेंगे, जबकि 5 कानून बनने के लिए मंजूरी के लिए रखे जायेंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए प्रस्तावित विधेयकों का सेट अभी सूची का हिस्सा नहीं है, हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सरकार इसे सत्र में ला सकती है। वहीं, राज्यसभा बुलेटिन में कहा गया है कि लोकसभा से पारित एक अतिरिक्त विधेयक भारतीय वायुयान विधेयक राज्यसभा में मंजूरी के लिए लंबित है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की हिंसा में 82 मौत, 156 घायल

हमलावरों ने महिलाओं और बच्चों को बंधक बनाया, शव सौंपने से इनकार

आजाद सिपाही संवाददाता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में गुरुवार से जारी हिंसा में मरने वालों की संख्या 82 पहुंच गई है, जबकि 156 लोग घायल हैं। मरने वालों में 16 सुन्नी और 66 शिया समुदाय के लोग हैं। हमलावरों ने महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों को बंधक बना रखा है और शव सौंपने से इनकार कर रहे हैं।

खैबर पख्तूनख्वा के मंत्री आफताब आलम ने कहा कि आज हमारी पहली कोशिश दोनों गुटों के बीच युद्ध विराम कराना है। जैसे यह होगा, हम दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश करेंगे। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक अभी भी जिले के कई इलाके में दोनों गुटों के बीच छिटपुट गोली-बारी जारी है।

पारचिनार से खैबर पख्तूनख्वा जा रहे काफिले पर हमला : गुरुवार को कुर्रम जिले के मंदुरी और ओछाट में 50 से ज्यादा पैसेंजर वैन पर गोलीबारी की गयी, जिसमें 6 वैन को भारी नुकसान पहुंचा था। ये सभी गाड़ियां एक काफिले में पारचिनार से खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर जा रही थी। अफगानिस्तान की सीमा से सटे शिया बहुल कुर्रम जिले में अलीजई (शिया) और बागान (सुन्नी) जनजाति के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है।

सीमा विवाद की वजह से बना आतंकियों की पनाहगाह : खैबर पख्तूनख्वा को लेकर हमेशा से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव रहा है। इस वजह से कई आतंकी गुट इसे पनाहगाह की तरह इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा यहां रहने वाली जनजातियों में भी लंबे वक्त से जमीन विवाद चला आ रहा है।

यहां पर होने वाली आतंकी घटनाओं की एक बड़ी वजह बॉर्डर एरिया को लेकर दोनों देशों में आपसी सहमति न होना है। दरअस्ल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक सीमा के जरिए अलग होते हैं। इसे डूरंड लाइन कहा जाता है। पाकिस्तान इसे बाउंड्री लाइन मानता है, लेकिन तालिबान का साफ कहना है कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा राज्य उसका ही हिस्सा है। अफगानिस्तान पर कब्जे पर तालिबान ने पाकिस्तान से इस इलाके को खाली करने को कहा और यहां लगी फेंसिंग उखाड़ दी। पाकिस्तान ने इसका विरोध किया और वहां फौज तैनात कर दी। इसके बाद तालिबान ने वहां मौजूद पाकिस्तानी चेक पोस्ट्स को उड़ा दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव ज्यादा बढ़ गया।

हादसे में कृपालु महाराज की एक बेटी की मौत, दो की हालत गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

मथुरा। जगद्गुरु कृपालु महाराज की बड़ी पुत्री विशाखा त्रिपाठी का रविवार की सुबह यमुना एक्सप्रेस-वे पर नोएडा के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में निधन हो गया है। कृपालु महाराज की दो अन्य पुत्रियां दिल्ली के अपोलो अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहीं हैं। डॉ विशाखा त्रिपाठी के निधन से आध्यात्मिक जगत में शोक की लहर दौड़ गयी है। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को यमुना के मोक्षधाम पर किया जायेगा। बता दें कि जगद्गुरु कृपालु परिषद की अध्यक्षा डॉ विशाखा त्रिपाठी अपनी दोनों बहनों के साथ दिल्ली एयरपोर्ट अपनी निजी कार से जा रही थीं। नोएडा के दनकौर के समीप पीछे से आ रहा कैंटर ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी गाड़ी पर पलट गया, जिससे 75 वर्षीय विशाखा त्रिपाठी की मौके पर ही मौत हो गयी। उनकी बहनें श्यामा त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है।

प्रसिद्ध प्रेम मंदिर और कीर्ति मंदिर के संस्थापक जगद्गुरु कृपालु महाराज के सन 2013 में देहावसान के बाद वसीयत के अनुसार उनकी बड़ी पुत्री विशाखा त्रिपाठी को जगद्गुरु कृपालु परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनके निर्देशन में वृंदावन और मनगढ़ में संचालित धर्मार्थ कार्यों की देखरेख चल रही थी। विशाखा त्रिपाठी महाराज श्री के साथ लंबे समय से विभिन्न सेवा प्रकल्पों से जुड़ी हुईं थीं। उन्हें कई बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित भी किया गया है। कोतवाल रवि त्यागी ने बताया कि शाम को चार बजे शव वृंदावन लाया जायेगा। सोमवार को मोक्षधाम वृंदावन में अंतिम संस्कार किया जायेगा।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 25 नवंबर, 2024
www.azadsipahi.in

विनर और रनर के बाद कोई भी नेता नहीं बचा पाया अपनी जमानत

गढ़वा 80 तथा भवनाथपुर 81 विस क्षेत्र के चुनाव परिणाम में स्थिति बराबर रही

गिरिनाथ सिंह जैसे दिग्गज नेता भी अपनी जमानत नहीं बचा पाये

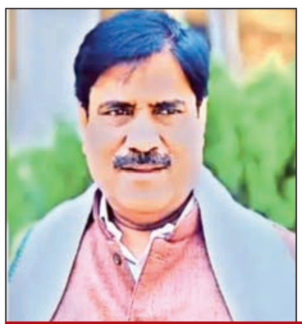

भाजपा के विजयी प्रत्याशी सत्येंद्र नाथ तिवारी और झामुमो के विजयी प्रत्याशी अनंत प्रताप देव

भाजपा के हारे प्रत्याशी भानु प्रताप शाही और झामुमो के हारे प्रत्याशी मिथिलेश कुमार ठाकुर।

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा 80 तथा भवनाथपुर 81 विधानसभा क्षेत्र से मात्र विनर और रनर ही अपनी जमानत बचा पाये। शेष सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गयी। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र से कुल 20 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, जबकि भवनाथपुर से 17 प्रत्याशी चुनाव में अपना भाग्य आजमा रहे थे। जिनमें गढ़वा से 18 तथा भवनाथपुर के 15 प्रत्याशियों की जनता ने जमानत जब्त करा दी।

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र की बात करें, तो भाजपा के विजयी प्रत्याशी सत्येंद्र नाथ तिवारी को कुल एक लाख 33 हजार 109 वोट प्राप्त हुए, जबकि रनर रहे झामुमो प्रत्याशी मिथिलेश कुमार ठाकुर को कुल एक लाख 16 हजार 356 मतदाताओं ने उन्हें वोट दिया। तीसरे नंबर पर रहे समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी गिरिनाथ सिंह ने मात्र आठ हजार 96 वोट ही हासिल किया। जबकि चौथे नंबर पर रहे बसपा प्रत्याशी अजय कुमार चौधरी को 7,722 वोट से ही संतोष करना पड़ा।

इसी प्रकार निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र कुमार सिंह को 4502 वोट ही प्राप्त हुए, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी राम प्यारे पाल को 4092, आजाद समाज पार्टी कांशी राम के लव कुमार सिंह को 3202, एआईएमआईएम के नजीबुदीन खान को 2914, निर्दलीय प्रत्याशी लोकनाथ कुमार को 2148, निर्दलीय प्रत्याशी सुजाउदीन अंसारी को 1960, निर्दलीय प्रत्याशी सत्येंद्र तिवारी को 1875, प्रमेश कुमार को 1337 वोट से संतोष करना पड़ा।

वहीं दिलीप कुमार तिवारी को 1007, झारखंड पार्टी के मंदीप मल्लाह को 909, सतीश कुमार चौबे को 768, हरीश कुमार सिंह को 569, गिरजा नंदन उरांव को 527, गोरखनाथ महतो को 416, पिपुल पार्टी आफ इंडिया के सुखलाल बाखला को 414 तथा झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सोनू यादव को 349 वोट मिले।

इसी प्रकार भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से विजयी रहे झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव को कुल एक लाख 46 हजार 265 वोट मिले। जबकि रनर रहे भाजपा प्रत्याशी भानु प्रताप शाही को एक लाख 24 हजार 803 मत प्राप्त हुए। शेष सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गयी। जिसमें तीसरे नंबर पर रहे निर्दलीय राहुल प्रसाद गुप्ता को 5946 वोट से ही संतोष करना पड़ा। वहीं राजेश बैठा को 5087 वोट, बसपा प्रत्याशी पंकज कुमार को 3744, निर्दलीय विशेश्वर मेहता को 2861, सोशलिस्ट युनिटी सेंटर आफ इंडिया कम्यूनिष्ट के अजय कुमार सिंह को 1991, निर्दलीय राम नरेश यादव को 1827, कम्यूनिष्ट पार्टी आफ इंडिया के घनश्याम पाठक को 1812, निर्दलीय युसूफ अंसारी को 1452, पीपुल पार्टी आफ इंडिया डेमोक्रेटिक के नंदलाल राम को 806 वोट ही मिल सका।

लोकहित अधिकार पार्टी के जयराम पासवान को 753, निर्दलीय वरूण बिहारी को 698, आजाद समाज पार्टी के रौशन कुमार को 672, निर्दलीय देवेंद्र कुमार प्रजापति को 804, आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के आदित्य कुमार गुप्ता को 570, समाजवादी पार्टी के उमेंद्र कुमार यादव को 508 वोट मिले।

कैसे होती है जमानत जब्त

विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव लड रहे सभी प्रत्याशियो को अपनी जमानत बचाने के लिए कुल प्राप्त मत से कम से कम एक बटा छह वोट अवश्य लाना होता है। यदि कोई प्रत्याशी इससे कम वोट लाता है तो उसकी जमानत जब्त हो जाती है। इस चुनाव में गढ़वा व भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से विनर व रनह ही अपनी जमानत बचा पाने में कामयाब हुए हैं।

सत्येंद्र नाथ तिवारी की जीत पर मेराल में निकाला गया विजय जुलूस

तीसरी बार विधायक बने सत्येंद्रनाथ तिवारी पूर्व सांसद और भाजपा के स्टार प्रचारक घूरन राम के साथ शामिल होकर कार्यकर्ताओं को हौसला बढ़ाया

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रखंड मुख्यालय में विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी की जीत पर हाई स्कूल के मैदान से गाजे बाजे के साथ विजय जुलूस निकला गया। जिसमें तीसरी बार विधायक बने सत्येंद्रनाथ तिवारी पूर्व सांसद और भाजपा के स्टार प्रचारक घूरन राम के साथ शामिल होकर कार्यकर्ताओं को हौसला बढ़ाया। विजय जुलूस नेशनल हाईवे मुख्य पथ पर बस स्टैंड, थाना चौक होते हुए नेनुआ मोड पहुंच कर समाप्त हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ आतिश बाजी करते हुए जमकर गुलाल उड़ाए साथ ही एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ता विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी जिंदाबाद, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के साथ गगन भेदी जय श्री राम का नारा लगा रहे थे। विजय जुलूस में किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष उदय कुमार कुशवाहा, प्रवीण पाल, मंडल अध्यक्ष मनोज जयसवाल, रूपू महतो, डॉ. लालमोहन, कृष्ण प्रसाद कुशवाहा, विजय प्रसाद, अमित प्रसाद, धनंजय शर्मा, विकास दुबे, दिलीप मेहता, इंदेश पांडे, संदीप दुबे, राधेश्याम, भोला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल थे।

मेराल प्रखंड की जनता ने यह साबित कर दिया कि जो प्रखंड से जीतेगा, वहीं विधायक बनेगा

मेराल (आजाद सिपाही)। गढ़वा विधानसभा का हृदय स्थली कहे जाने वाला मेराल प्रखंड की जनता ने विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जीत का इतिहास दुहराया है। बता दें कि गढ़वा-रंका विधानसभा चुनाव में जिन पार्टी और प्रत्याशी को मेराल प्रखंड से बढ़त मिलती है, वहीं जीत का परचम लहराता है। यह चुनाव परिणाम आने के बाद एक बार फिर यह सिद्ध हो गया है। प्रखंड की जनता ने तीसरी बार सत्येंद्र नाथ तिवारी पर विश्वास जताते हुए उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया है। प्रखंड से भाजपा प्रत्याशी सत्येंद्र नाथ तिवारी को करीब 8 हजार वोटो की बढ़त मिली जिससे जीत का सेहरा उनके माथे पर तीसरी बार बंध पाया। सत्येंद्र नाथ तिवारी 2009 में पहली बार जेवीएम के टिकट पर चुनाव लड़े थे, तब भी मेराल प्रखंड से उन्हें बढ़त मिली थी, जो जीत में सहायक हुआ था। दूसरी बार 2014 में वे भाजपा के टिकट पर चुनाव लडे, तब भी मेराल प्रखंड से उन्हें बढ़त मिली और लंबे अरसे के बाद गढ़वा विधानसभा में भाजपा का परचम लहराया था। परंतु 2019 के विधानसभा चुनाव में मेराल प्रखंड से झामुमो के प्रत्याशी मिथिलेश कुमार ठाकुर को बढ़त मिली और वे पहली बार विधायक व मंत्री बने। परंतु सिटिंग विधायक और मंत्री रहते हुए उन्होंने मेराल प्रखंड के ग्रामीण जनता से जुड़ाव नहीं रख पाये, जिसकी वजह से वे मेराल प्रखंड से हुए पीछे हो गये और चुनाव में सत्येंद्र नाथ तिवारी से पटकनी खा गये। हालांकि उनके हार की वजह गढ़वा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी सभा तथा वोट का ध्रुवीकरण मुख्य कारण रहा।

अनंत प्रताप देव की जीत पर जगह-जगह निकाला गया विजय जुलूस

भवनाथपुर में निकाला गया विजय जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। झारखंड विधानसभा चुनाव में भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से इंडी गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव की जीत पर भवनाथपुर प्रखंड कमिटी द्वारा रविवार को विजय जुलूस निकाला गया। नवनिर्वाचित विधायक अनंत प्रताप देव ने अपने निकटम प्रतिद्वंदी पिछले एक दशक से विधायक रहे भाजपा प्रत्याशी भानु प्रताप शाही को हरा कर दूसरी बार भवनाथपुर विस पर कब्जा जमाया। विजय जुलूस ब्लॉक मोड़ से मुख्य पथ होते हुए कपूरीं चौक तक गयी। विजय जुलूस के दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर पर सवार होकर चलने के साथ ही डीजे के धुन पर नाचते हुए जगह जगह बम पटाखा फोड़कर तथा एक दूसरे को अबीर गुलाल कर जीत की बधाई दी। मौके पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष लल्लू राम, पूर्व बीससूत्री अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, प्रखंड अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि विस क्षेत्र में अगले पांच साल में अमन-चैन के वातावरण में विकास की नयी पराकाष्ठा लिखने और भवनाथपुर विस क्षेत्र से बेरोजगारी और पलायन को रोकने के साथ ही भवनाथपुर में रोजगार के नये सृजन उपलब्ध कराने लिए भवनाथपुर के जनता ने विधायक अनंत प्रताप देव को अपना समर्थन देकर सेवा करने का मौका दिया है। उन्होंने कहा कि भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में पांच साल पहले जो सामंतवादी व्यवस्था थी, उसे समाप्त करने का काम किया गया। इस मौके पर प्रखंड सचिव विनोद कुमार सिंह, बबलू यादव, इलियास अंसारी, मकरी के पूर्व मुखिया अब्दुल्ला अंसारी, अजीमुद्दीन अंसारी, शमशेर अंसारी, विजय सिंह खरवार, गुलाब, परमबीर राम, अमित सिंह, अनिल गुप्ता उर्फ कूंटू, सलाहुद्दीन, महिला मोर्चा के सुशीला देवी, प्रमुख शोभा देवी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

छोटे राजा के जीत पर समर्थकों ने मनाया जश्न

केतार (आजाद सिपाही)। छोटे राजा की जितने के खुशी में समर्थकों ने प्रखंड क्षेत्र में खूब आतिशबाजी की और जश्न मनाया। समर्थकों ने कई स्थानों पर जेसीबी से विजय जुलूस निकाला। एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर मिठाई खिलाया और जीत की बधाई दिया। मुखिया प्रतिनिधि सह झामुमो के प्रखंड उपाध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में खोन्हर, चेचरिया, मोटांगवा बालीगढ़ में विजय जुलूस निकाल कर खूब जश्न मनाया। वहीं पाचाडूमर में प्रमुख प्रतिनिधि सुरेंद्र प्रसाद के आवास से विजय जुलूस निकाला गया। मुकुंदपुर में झामुमो के उपाध्यक्ष दिनेश वर्मा, दीपक वर्मा, विवेक गुप्ता, राजेश वर्मा के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला गया। मौके पर उपस्थित रमेश राम, राजद प्रखंड अध्यक्ष जगनारायण यादव, लाल हेमेंद्र ठाकुर, मनीष कुमार गुप्ता सहित काफी लोग उपस्थित थे।

सगमा में अनंज की जीत मनाया गया जश्न

सगमा (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर विधान सभा से झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा के जीत पर प्रखंड में समर्थकों द्वारा एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुसी मनाया। जीत की खुशी में प्रखंड के सगमा सारदा कटहर कलां पुतुर सोनडीहा, बीरबल, घघरी गांव के समर्थकों द्वारा जुलूस की शक्ल में होकर हेमंत सोरेन जिंदाबाद छोटे राजा जिंदा बाद का नारा लगाते हुए मुख्यपथ पर अबीर गुलाल लगाते हुए भ्रमण किया। इस दौरान समर्थकों ने एक दूसरे को मुंह मीठा कराया। मौके पर हरिदास यादव, प्रेमन प्रसाद यादव, जायगोपाल यादव, नंदलाल यादव, योगेंद्र यादव सहित काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ताओ शामिल थे।

डंडई में निकाला गया विजय जुलूस

डंडई (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन समर्थित झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा की जीत पर डंडई प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने रविवार को विजय जुलूस निकाला। डंडई प्रखंड मुख्यालय सहित रारो, लवाही, पचौर, जरही के साथ अन्य जगहों पर विजय जुलूस गाजे-बाजे के साथ निकाला गया। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर बधाई दी। साथ ही जमकर बम पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी। इस दौरान झामुमो नेता रामशीष प्रसाद, जितेंद्र कुमार ठाकुर, आनंद प्रकाश, राजेश मेहता, क्यामुदिन अंसारी सहित अन्य लोग थे।

सत्येंद्रनाथ तिवारी के जीत की खुशी में भाजपा समर्थकों ने मनाया जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सत्येंद्रनाथ तिवारी के जीत की खुशी में समर्थकों ने रंका अनुमंडल मुख्यालय में नारा लगाते हुए जेसीबी से विजय जुलूस निकाला और जमकर आतिशबाजी की गयी। एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया और मिठाइयां बांटी। यह जुलूस प्रखंड कार्यालय से निकल कर मुख्यमार्ग 343 से बाजार होते हुए रंका थाना मोड़ गया और वहां से लौटकर पुनः भाजपा कार्यालय पर आकर समाप्त हुआ। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश दास, पूर्व विधायक प्रतिनिधि संतोष तिवारी, कंचनपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर कुमार, युवा नेता संतोष चंद्रवंशी, उपमुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर तिवारी, अशोक दूबे, जमादार सिंह, जितेंद्र यादव, संजय ठाकुर, बंशी यादव, कृष्णा भुईयां, पूर्व प्रमुख हेमंत लकड़ा, मुखिया प्रत्याशी संजय भुईयां, विश्वनाथ यादव, विनोद रवि, जीएस ठाकुर, राजेश प्रजापति, चप्पू चंद्रवंशी, सोनू तिवारी, सचिन यादव, मनोज रवि, अजय रविदास सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

डुमारी गांव निवासी बुधवा उरांव की पत्थर से कूच कर हत्या

तोरपा (आजाद सिपाही)। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के डुमारी गांव निवासी बुधवा उरांव (50) की अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी। उसका शव तोरपा थाना क्षेत्र के रायसेमला बांध टोली के पास से रविवार को बरामद किया गया। बताया जाता है कि उसकी हत्या पत्थर से कूचकर की गयी है। जानकारी के अनुसार बुधवा शुक्रवार को अपने घर से बांध टोली में लगे मेला गया था। उसके बाद से घर नहीं लौटा। रविवार को उसका शव बरामद किया गया। शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाइकोर्ट के आदेश के बावजूद डीजे बजाने वालों के डीजे जब्त, कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। हाईकोर्ट के सख्त निदेर्शों के बावजूद मझिआंव थाना क्षेत्र में डीजे बजाने की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। इसी क्रम में शनिवार रात करीब 11 बजे पुलिस ने बोदरा गांव के पास से एक डीजे सिस्टम जब्त किया। थाना प्रभारी आकाश कुमार ने बताया कि गश्ती के दौरान कृष्ण कन्हैया डीजे (वाहन संख्या खल्03ळ 8917), जो कांडी थाना क्षेत्र से संचालित हो रहा था, को डीजे बजाते हुए पकड़ा गया। इसे जब्त कर थाने लाया गया और संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। थाना प्रभारी ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने सभी थाना क्षेत्रों में डीजे संचालकों के साथ बैठक कर सख्त चेतावनी दी थी। किसी भी परिस्थिति में शादी, विवाह, त्योहार या अन्य आयोजनों में डीजे बजाने पर रोक लगायी गयी थी। निर्देश के उल्लंघन पर डीजे संचालकों पर कानूनी कार्रवाई की बात कही गयी थी।

थाना प्रभारी ने यह भी स्पष्ट किया कि शादी या अन्य आयोजनों में केवल 60 डेसिबल से कम ध्वनि सीमा वाले लाउडस्पीकर का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, हाईकोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। पुलिस की इस कार्रवाई से यह साफ है कि हाईकोर्ट के आदेश को लागू करने के लिए प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। डीजे संचालकों को चेतावनी दी गयी है कि वे नियमों का पालन करें, अन्यथा दंडात्मक कार्रवाई से नहीं बच पायेंगे।

राजद प्रत्याशी नरेश प्रसाद सिंह की जीत पर निकला विजय जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी नरेश प्रसाद सिंह की भारी बहुमत से ऐतिहासिक जीत पर बरडीहा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में विजय जुलूस निकाला गया। जुलूस में गाजे-बाजे और उत्सव का माहौल देखने को मिला। इस दौरान बरडीहा, सुख नदी, जीका, खरगडीहा, सलगा, कौवा खोह, आदर सेमरी और अन्य गांवों में विजय जुलूस निकाला गया। कार्यकर्ताओं ने गाजे-बाजे और पार्टी के झंडे के साथ जश्न मनाया। अबीर-गुलाल लगाकर और नाच-गान करते हुए कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा गया। पार्टी समर्थक ढोल-नगाड़ों की धुन पर थिरकते नजर आये।

कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और गुलाल लगाकर अपनी खुशी साझा की। इस अवसर पर झामुमो के जिला उपाध्यक्ष नवल किशोर यादव, राजद के छोटू यादव, मुकेश प्रजापति, पंकज पाल, और गुलाम सिद्दीकी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

6 फरवरी को बहेरा में जलसा का आयोजन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बहेरा गांव स्थित मदरसा इमदादुल उलूम बहेरा मे यूथ कमिटी की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता हाजी तनवीर और संचालन जाहिद अली ने किया। बैठक में कई स्थानीय समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा युथ कमेटी को मजबूत बनाने सहित अन्य बातों पर चर्चा की गयी। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 6 फरवरी 2025 को बहेरा गांव में जलसा सह दस्तारबंदी कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जलसा की तैयारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में बहेरा गांव के सभी लोगों से शामिल होने की अपील की गयी। बैठक मे हाजी तनवीर,जाहिद अली, मोहम्मद आशिफ, मेराज आलम, मोहम्मद इरशाद, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद नजीर, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद फहीम उर्फ डायमंड सहित युथ कमेटी के कई लोग मौजूद थे।

विधायक विकास कुमार मुंडा ने जनता का जताया आभार, कहा

क्षेत्र का विकास ही प्राथमिकता

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। तमाड़ विधानसभा से लगातार तीसरी बार इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विकास कुमार मुंडा की जीत से इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। रविवार को इंडिया गठबंधन के द्वारा सरकार बनाने का दावा झारखंड के राज्यपाल के पास पेश कर जैसे ही विकास कुमार मुंडा एदेलहातु स्थित टोल गेट के पास पहुंचे कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश के साथ विकास कुमार मुंडा जिंदाबाद, शहीद रमेश सिंह मुंडा अमर रहे के नारे लगाने लगे साथ ही विकास कुमार मुंडा के समर्थकों ने ढोल नगाड़े नाच और खूब पटाखे फोड़ कर जश्न मनाया। उसके बाद विकास कुमार मुंडा धुर्वा मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पहुंचे और माल्यार्पण किया, उसके पश्चात नगर भ्रमण किया। बुंडू नगर के लोग जगह-जगह फूलमाला और पुष्प वर्षा कर विकास कुमार मुंडा का स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक विकास कुमार मुंडा ने कहा कि मेरे ऊपर तीसरी बार भरोसा जताने के लिए जनता के प्रति आभार प्रकट करता हूं तथा क्षेत्र का विकास कार्य निरंतर बढ़ाऊंगा। सभी वर्गों का साथ सम्मान और न्याय करूंगा, पक्ष या विपक्ष सभी के लिए मेरा दरवाजा हमेशा खुला रहेगा। रैली में मुख्य रूप से कालेश्वर मुंडा, सीतानाथ महतो, शिवनाथ मुंडा, धनंजय महतो, सुनील कुमार जायसवाल, बबलू प्रजापति, बासु सेठ, रमेश जायसवाल, बबलू कुंडू, अरविंद मोनू जायसवाल के अलावे सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

सीएम हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मिलीं सविता महतो, जीत की बधाई और शुभकामनाएं की

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। ईचागढ़ की नवनिर्वाचित विधायक सविता महतो ने रविवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पर विधायक दल की बैठक में शामिल हुई।

इस दौरान सविता महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मिली और पुष्प गुच्छ देकर जीत की बधाई और शुभकामनायें दीं। इस अवसर पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, समीर महतो समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनादेश स्वीकार है, जनादेश का सम्मान है : हरेलाल महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। विस क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी हरेलाल महतो ने अपनी हार स्वीकार किया है। इस बार की चुनाव में उन्होंने कुल 51029 वोट मिली है और द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने झामुमो प्रत्याशी सबिता महतो को जीत की बधाई दिया। वहीं समाजसेवी हरेलाल महतो ने कहा कि

जनादेश स्वीकार है, जनादेश का सम्मान है, न रुकेंगे न थकेंगे - जनसेवा का काम जारी रहेगा। उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव से लगभग 13 हजार वोट अधिक मिला है। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद भी पूरे साल भर दिन रात जनता की सेवा करते आया था और आगे भी करता रहूंगा। उन्होंने सभी मतदाताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों को धन्यवाद और आभार जताया।

बादम में रोशनलाल चौधरी के जुलूस वाहन पर पथराव

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक रोशन लाल चौधरी की विजय जुलूस वाहन पर बादम राजा किला के पास दूसरे समुदाय के द्वारा पथराव कर दिया गया है। घटना 7:30 से 8:00 बजे रात की है। घटना को लेकर बड़का गांव पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शांति व्यवस्था के लिए तैनात है स्थिति काबू में है। बताया जाता है कि जुलूस साउंड गाड़ी आगे जा रही थी इसी दौरान बादम राजा किला के पास मिलादुन्नबी के मौके पर लगाई गई झंडी में सट गया था। जिसके कारण दूसरे समुदाय के लोग आक्रोशित हो गए। थोड़ी देर के लिए मामला शांत हो गया था ।परंतु दूसरे समुदाय के शरारती तत्वों ने पत्थरबाजी कर घटना को अंजाम दिया। जुलूस कार्यकर्ताओं के द्वारा निकाला जा रहा था, उस वक्त रोशन लाल चौधरी घटनास्थल से लगभग आधा किलोमीटर दूर बस स्टैंड के पास थे।

आज मनाया जायेगा शहीद कृष्णा महतो का शहादत दिवस

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में आज शहीद कृष्णा महतो का शहादत दिवस मनाया जायेगा। जिसको लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है। आयोजन समिति के लोगों ने बताया कि दोपहर 2 बजे पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर बाजारटांड़ स्थित शहादत स्थल और 4 बजे से बचरा चार नंबर चौक स्थित प्रतिमा स्थल में श्रद्धांजलि और शोकसभा कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें क्षेत्र के सभी लोगों से शामिल होने की अपील की गयी है।

अमित महतो की जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। शनिवार को सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन झामुमो प्रत्याशी अमित कुमार महतो की जीत पर सिल्ली क्षेत्र के गांव टोले, मुहल्ले में झामुमो, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा खुशियां मनायी गयी। साथ ही अबीर, गुलाल लगाकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर तथा पटाखा फोड़ कर खुशियां मनाकर जीत की बधाई दी गयी। मौके पर रुद्र प्रताप सिंह मुंडा, सुरेंद्र सिंह मुंडा, संजय सिंह मुंडा सबीता देवी, दिनेश कुमार सुबोध पुरान, आनंद पुरान, फुची पुरान, तारा पुरान, हिकिम पुरान, योगेंद्र सहित इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

मतगणना केंद्र की सुरक्षा में तैनात जवान की हार्ट अटैक से मौत

खूंटी (आजाद सिपाही)। स्थानीय बिरसा कॉलेज में विधानसभा चुनाव के लिए बनाये गये मतगणना केंद्र की सुरक्षा में तैनात खूंटी पुलिस के एक जवान जोहन होरो (59 वर्ष) की शनिवार को हार्ट अटैक से मौत हो गयी। मतगणना के दिन सुरक्षा के लिए बिरसा कॉलेज परिसर में वह तैनात था। ड्रॉप गेट के पास उसकी ड्यूटी थी। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह जमीन पर गिर पड़ा। गेट के पास तैनात अन्य जवान तुरंत उसे निकटवर्ती सदर अस्पताल ले गए , जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया और बताया कि जवान की मौत हार्ट अटैक से हुई है। जानकारी के अनुसार पश्चिम सिंहभूम जिला के जरयकेला थानांतर्गत रायकपाट गांव निवासी जवान जोहन होरो वर्षों से खूंटी जिला बल में तैनात थे।

कांके से कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश बैठा की जीत पर राय बाजार में मनाया गया जश्न

24 वर्षों के बाद कांग्रेस ने कांके में किया भाजपा का किला ध्वस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। रांची लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कांके विधानसभा क्षेत्र से इस बार इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश बैठा ने शानदार जीत दर्ज की है। सुरेश बैठा ने भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर जीतू चरण राम को पराजित किया है। इसके साथ ही 24 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस पार्टी ने कांके विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का किला ध्वस्त किया है। सुरेश बैठा को पहली बार कांके विधानसभा क्षेत्र से जीत मिली है। इससे पहले उन्हें कई बार पार्टी के द्वारा टिकट दिया गया था, लेकिन हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार जनता ने परिवर्तन करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश बैठा को जीतने का काम किया है। इधर सुरेश बैठा की जीत पर कोयलांचल क्षेत्र के राय बाजार

फोटो-1.राय मे जीत का जश्न मनाते इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता।

और राय कोलियरी में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी में एक दूसरे को मिठाई खिलाया और गले मिलकर जीत की बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनता ने इस बार कांके विधानसभा क्षेत्र से परिवर्तन करते हुए सुरेश बैठा को भारी मतों से जिताने का काम किया है, इसके लिए विधानसभा क्षेत्र के सभी जनता बधाई के पात्र है। जनता के आशीर्वाद से झारखंड में दोबारा हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। कार्यकर्ताओं ने इसके लिए राज्य की जनता के प्रति आभार प्रकट किया है। इस मौके पर महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गुंजन कुमारी सिंह, रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, कांग्रेस पार्टी के चतरा जिला महासचिव अब्दुल कुदूस, रामचंद्र उरांव,अशोक महतो, जुल्फिकार अली, इरफान आलम, मोहम्मद शोएब, शाहनवाज आलम, दीपक मद्रासी, निजामुद्दीन, रवि भारद्वाज, किशन सिंह, आशिक, जेपी महाराज, गुड्डू आलम सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

पिपरवार में भाजपा और आजसू कार्यकर्ताओं ने मनाया जीत का जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। झारखंड विधानसभा चुनाव में बड़कागांव विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रोशनलाल चौधरी और सिमरिया विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी उज्जवल कुमार दास की जीत पर पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में एनडीए कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। रविवार की शाम बचरा चार नम्बर चौक मे भाजपा पिपरवार मंडल एवं आजसु पिपरवार नगर कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में जीत का जश्न मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी करते हुए पटाखे फोड़ा, साथ ही अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को मिठाई खिलाया और जीत की बधाई दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि सिमरिया और बड़कागांव विधानसभा की जनता ने भाजपा प्रत्याशी को जीताने का काम किया है। सिमरिया में जहां भाजपा की सीटिंग सीट को जनता ने पुनः भाजपा के खाते में डालने का काम किया। वहीं बड़कागांव में जनता ने परिवर्तन करते हुए भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जीताने का काम किया है। इसके लिए दोनों विधानसभा क्षेत्र की जनता बधाई के पात्र है। भाजपा और आजसु के कार्यकर्ताओं ने दोनों क्षेत्र के जनता के प्रति आभार प्रकट करते हुए बड़कागांव से विजयी हुए रोशनलाल चौधरी और सिमरिया से विजयी हुए उज्जवल कुमार दास को बधाई दी। इस मौके पर भाजपा पिपरवार मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार शर्मा, आजसु नगर अध्यक्ष विनोद सिंह, संजय पासवान, अनिल पांडेय, अश्विनी दराद, दिलीप अम्बष्ट, उमेश सिंह, रीना देवी, रविंद्र सिंह, संजय ठाकुर, सुनील प्रसाद, उगन महतो, गीता एक्का, किरण देवी, राजेश महतो, राजकुमार सिंह, मुकेंद्र पासवान, नरेश महतो, विनोद कुमार, सीटू शाही सहित कई लोग मौजुद थे।

राष्ट्रीय एनसीसी दिवस पर महिला कैडेटों ने निकाली रैली, पौधारोपण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। 76वें राष्ट्रीय एनसीसी दिवस के अवसर पर रविवार कों बिरसा कॉलेज खूंटी में वृक्षारोपण किया गया और दहेज प्रथा के खिलाफ छात्र-छात्राओं ने रैली निकाली। बिरसा कॉलेज खंटी की 3 झारखंड गर्ल्स बटालियन क्ष् एनसीसी कैडेटो द्वारा वृक्षारोपण कर पयर्ज्ञवरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मौके पर कॉलेज की प्रभााी प्राचार्या प्रो जी किड़ो ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक संख्या में पौधा रोपण करना जरूरी है, भी हम जीवित रह सकते हैं।

प्राचार्या ने कहा कि जलवायु परिवर्तन कों रोकने के लिए वृक्षारोपण ही एकमात्रा उपाय है। खेल प्रभारी राजकुमार गुप्ता ने कहा कि दहेज प्रथा सभ्य समाज के लिए अभिशाप है। रैली के दौरान छात्राओं ने दहेज हटाओ, बहू नहीं बेटी बुलाओ जैसे नारे लगाये। मौके पर कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य जीके कीड़ो, खेल प्रभारी राज कुमार गुप्ता, एनसीसी सीटीओ सुशीला कुजूर सहित काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

खूंटी में क्यों ध्वस्त हुआ भाजपा का किला

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। वैसे तो पूरे राज्य में भाजपा की हार हुई है, पर भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित समझी जानेवाली खूंटी जैसी सीट से पांच बार लगातार विधायक रहे और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह की करारी शिकस्त ने कई सवाल खड़े किये है। तोरपा से तीन के विधायक रहे कोचे मुंडा के पराजय को भी लोग विधायक कोचे मुंडा की जनता से दूरी के साथ ही भाजपा संगठन की कमजोरी के रूप में देख रहे हैं। खूंटी जिले से भाजपा का सुपड़ा साफ होने के संबंध में लोगों की अलग- अलग राय है, लेकिन सभी कोई एक बात पर सहमत हैं कि सरकार की मैयां सम्मान योजना, बिजली बिल और कृषि ऋण की माफी ने झामुमो की जीत में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। यही कारण है कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, हिमंत विसवा सरमा जैसे स्टार प्रचारक भी हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन के सामने फेल हो गये।

भाजपा विहीन हुआ खूंटी संसदीय क्षेत्र

एक समय भाजपा का गढ़ समझे जानेवाले खूंटी संसदीय क्षेत्र पूरी तरह भाजपा विहीन हो गया। एक समय खूंटी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के सांसद के साथ ही तोरपा, खूंटी, सिमडेगा, तमाड़ और खरसावां में पार्टी कें विधायक थे। 2019 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के नीलकंठ सिंह मंडा ने खूंटी से और कोचे मुंडा ने जीत दर्ज की थी, पर वर्तमान में खूंटी संसदीय क्षेत्र की सभी छह सीटों पर इंडी गठबंधन का कब्जा है।

भाई प्रेम महंगा पड़ा नीलकंठ सिंह मुंडा को खूंटी के सबसे कद्दावर भाजपा नेता के रूप में शुमार नीलकंठ सिंह मुडा की करारी शिकस्त के संबंध में क्षेत्र के लोगों का कहना है कि वर्तमान विधायक को लोकसभा चुनाव के दौरान अपने बड़े भाई और वर्तमान कांग्रेस सांसद कालीचरण मुंडा के पक्ष में अप्रत्यक्ष रूप से सहायता करना महंगा पड़ गया। अपनी स्पष्टवादिता के लिए प्रसिद्ध पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़िा मुंडा कहते हैं कि नीलकंठ सिंह मुडा ने विधायक रहते हुए लोकसभा चुनाव कें दौरान अपने बड़े भाई और कांग्रेस उम्मीदवार कालीचारण मुंडा के पक्ष में काम किया। कड़िया मुंडा ने कहा कि 2019 के संसदीय चुनाव में भी नीलकंठ सिंह मुंडा ने भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा को हराने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि नीलकंठ सिंह मुंडा ने भाजपा विधायक रहते हुए भी पार्टी को धोखा दिया।

कड़िया मुंडा ने कहा कि भाई-भाई की बात अलग है। बाप-बेटा भी अलग-अलग पार्टी में रहेते है, पर पार्टी को धोखा देना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले आप लोगो ंको हाथ छाप में वोट देने लिए कहते थे और आज कमल को विजयी बनाने को कहते हैं, जनता इतनी बेवकूफ नहीं है। इसी की सजा नीलकंठ सिंह मुडा को मतदाताओं ने है। कड़िया मुंडा ने कहा कि पांच बार विधायक बनने में नीलकंठ को कोई विशेष योगदान नहीं है। 50 वर्षों तक यहां घसीट-घसीट कर संगठन को चलाया है। पुराने [illegible] स्थानीय कार्यकर्ताओं की उपेक्षा भी बनी हार का कारण खूंटी और तोरपा सीट से भाजपा की हार के संबंध में पार्टी के ही कुछ कार्यकर्ताओं का कहना है कि क्षेत्र के पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं की उपेक्षा भी हार की बड़ी वजह रही। आरोप है कि चुनाव के दौरान पुराने कार्यकर्ताओं को तरजीह नहीं दी गयी। यही कारण है कि ऐसे कार्यकर्ताओं ने चुनाव कें दौरान निष्क्रिय दिखे। खूंटी के कर्रा रोड, पिपराटोली आदि इलाके को भाजपा का गढ़ मामना जाता है, पर इस बार वहां के मतदाताओं ने नीलकंठ सिंह मुंडा का नकार दिया। चुनाव के दौरान भाजपा के कई समर्थकों ने कहा भी था कि इस बार उन्होंने रामजी के हथियार तीर-धनुष के पक्ष में मतदान किया है।

पुरनाडीह में वीर शहीद सिंनंगी दई प्रतिमा स्थापना सह जतरा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। कुटकी पुरनाडीह में वीर आदिवासी सिनंगी दई प्रतिमा की स्थापना सह जतरा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता पुनीत मिंज तथा विशिष्ट अतिथि टंडवा दक्षिणी जिला परिषद सदस्य नेहा उरांव, रैयत विस्थापित मोर्चा अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता, मुखिया सरिता देवी, पंचायत समिति सदस्य अनुप्रिया कुमारी, इलियास अंसारी, दाले उरांव, दीपक दास, रंथू उरांव, मुखिया संतोष महली, विनय खलखो, नरेश गंझू सहित कई लोग मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकुमार उरांव तथा संचालन रामलखन गंझू ने किया। सबसे पहले सिनगी दई की प्रतिमा पर पारंपरिक तरीके से पूजा अर्चना की गयी और सरना प्रार्थना की गयी। उसके बाद मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता पुनीत मिंज सहित अन्य अतिथियों ने सिंनंगी दई के प्रतिमा पर परंपरिक तरीके

से पूजा की और उनकी प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण किया गया। वहीं खोड़हा टीमों के द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि पुनीत मिंज ने सिंनंगी दई की जीवन संघर्ष के बारे प्रकाश डालते हुए कहा कि हमे सिनगी दई के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए कि उन्होंने आजादी की लड़ाई में महिलाओं के साथ अहम भूमिका निभायी थी। उनके योगदान को आदिवासी और महिलाओं को कभी भुला नहीं सकते हैं। इस प्रतिमा के समक्ष संकल्प ले कि अपना जीवन समाज के कल्याण के लिए निकालने की जरूरत है। जीवन को सही दिशा और समाज में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना होगा। इस अवसर पर नागपुरी ऑर्केस्ट्रा का भी आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों के गीतों पर ग्रामीण झूमते रहे। इस मौके पर धनराज भोगता, जालिम सिंह, रोशन होरो, दीपक किस्कू, राजेंद्र उरांव, बालेश्वर उरांव, सुनील उरांव, विनय उरांव, रवि उरांव, अजय उरांव, सागर उरांव, जयपाल उरांव, विशुन उरांव, रूपलाल उरांव, रामविलास भोगता, भरत गंझु, शिवशंकर, संतोष, दिलीप, बासदेव उरांव सहित कई लोग मौजूद थे।

रातू में अलग-अलग सड़क हादसे में महिला व दो युवकों की हुई मौत

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच, दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को थाने लायी

मरनेवालों में एक इटकी और दो नगड़ी के रहनेवाले हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र में रविवार को सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में एक महिला व दो युवक शामिल हैं। उनकी पहचान रोशन आरा, राज साहू (21) और श्याम साहू (20) के रूप में हुई है। रोशन आरा इटकी के कुंदी गांव की रहने वाली थी। जबकि राज और श्याम साहू नगड़ी थाना क्षेत्र के एडचोरो के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक पहली घटना तिलता रिंगरोड से हाजी चौक आने के क्रम में हुआ। जहां विपरीत दिशा से आ रहे एक पिकअप वैन ने बाइक सवार दंपत्ति को धक्का मार दिया। इस हादसे में रोशन आरा और उनके पति नुमान अंसारी घायल हो गये। पीछे बैठी रोशन आरा की जमीन पर गिरने से सिर में गंभीर चोट आयी थी। इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पीसीआर की टीम ने घायल रोशन को रातू सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार की दोपहर 12 बजे की बताई जा रही है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया। वहीं, दूसरी घटना थाना क्षेत्र के गुडू केवला मोड़ के पास घटित हुई। जानकारी के मुताबिक नगड़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले राज और श्याम अपनी बाइक से कठि टांड की ओर से घर जा रहे थे। गुडू स्थित केवला मोड़ के पास जैसे ही पहुंचे किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया। जिसमें दोनों युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। दोनों के सिर व शरीर के अन्य जगहों में गंभीर चोट आई थी। घटना रविवार की शाम छह बजे की है। पुलिस दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले आयी है।

रातू थाना क्षेत्र में रविवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसे में मारे गये युवक।

आइएनडीआइए प्रत्याशियों की जीत की खुशी में नगड़ी में निकला विजय जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आइएनडीआइए महागठबंधन ने झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज की है। इस पर रविवार को झामुमो रांची जिला उपाध्यक्ष कलाम आजाद के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ता एवं ग्रामीणों ने नयासराय से विजय जुलूस निकाला। जिसमें शामिल सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन जिंदाबाद के नारे लगाते हुए नगड़ी प्रखंड के सपारोम रोड, पिस्का, नगड़ी मेन रोड होते हुए प्रखंड कार्यालय तक पहुंचे। जहां जमकर आतिशबाजी की गयी। वहां से पुनः वापसी मार्ग से होते हुए नयासराय में जाकर सभा में तब्दील हो गई। जिला अध्यक्ष कलाम आजाद ने कहा कि हेमंत सोरेन के कुशल रणनीति और उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों के कारण उन्हें यह जीत मिली है हम कार्यकर्ता हेमंत सोरेन को दोबारा सरकार बनाने की शुभकामनाएं और बधाई देते हैं। साथ ही उन्होंने नगड़ी एवं रातू प्रखंड के महागांठबंधन के समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामना दी। मौके पर जिला कांग्रेस महासचिव फिरोज आलम, मोहम्मद सनाउल्लाह, अनवारुल हक, रंजीत बैठा, पंचू महतो, विन्दे मुंडा, राकेश सिंह, आजाद अंसारी, दानिश अंशु लकड़ा, संगीता, श्वेता गाढ़ी, मनीषा लिंडा, सलोनी तिर्की, ज्योति कच्छप, शांति देवी, रीना तिर्की, सोमा सांगा, रेयासत हुसैन, अख्तर हुसैन आदि शामिल हुए।

जगन्नाथ मंदिर में सात जोड़ों का कराया विवाह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। तुलसी विवाह एवं राम जानकी विवाह के उपलक्ष्य मे जरूरतमंद कन्याओं का घर बसाने का संकल्प लेते हुए अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा की बहनों द्वारा जगन्नाथपुर के प्रभु जगन्नाथ मंदिर के परिसर मे सात जोड़ों का सामूहिक विवाह आचार्यों एवं पंडितों द्वारा पूरे विधि- विधान, मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। सामूहिक विवाह समारोह मे रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला जिले के वर-वधुओं में संजय कुजूर संग नंदिनी तिर्की, राम उरांव संग पुष्पा टोप्पो, सज्जन मुंडा संग संगीता कुमारी, प्रासर सिंह संग अनिमा बांडो, मंजीत सिंह संग मारग्रेट सांगा, सुदर्शन सिंह बिक्षिया संग सुकरी स्वांसी, अजय लकड़ा संग करनी कच्छप परिणय सूत्र में बंधे। विवाह के बाद सभी को शादी का सर्टिफिकेट भी दिया गया। इस कार्यक्रम में मारवाड़ी महिला सम्मेलन झारखंड की अध्यक्ष मंजू बगड़िया, प्रीति अग्रवाल, जगन्नाथ मंदिर कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक नारसरिया, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मंत्री अनिल अग्रवाल, रमाशंकर बगड़िया और समर्पण शाखा की बहनें मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

सिल्ली विस से अमित महतो की जीत पर झामुमो ने जोन्हा में निकाला विजय जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगडा। सिल्ली विधानसभा सीट से अमित महतो की शानदार जीत पर रविवार को झामुमो कार्यकर्ताओं ने जोन्हा क्षेत्र में विजय जुलूस निकाला। जिसमें नवनिर्वाचित विधायक अमित महतो एवं उनकी पत्नी पूर्व विधायक सीमा महतो भी शामिल हुई। दोनों का जगह-जगह गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह जुलूस रांची- मुरी मार्ग पर असरी बरवादाग से शुरू होकर सीताडीह, जिंतुपीढ़ी, काशीडीह, जोड़ी महुआ, जोन्हा बाजार, स्कूल मोड़ आदि इलाकों से गुजरते हुए अमरूद बगान चौक तक पहुंची। इस दौरान अमित महतो ने भगवान बिरसा मुंडा, शहीद जीतराम बेदिया एवं शहीद दिनेश तिर्की की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया। विजय जुलूस में जोन्हा मुखिया कृष्णा मुण्डा, रिझुवा मुण्डा, हरदयाल मुण्डा, दिनेश प्रजापति, जगदीश मुण्डा, सुकरा मुण्डा, माया बेदिया, मधु लोहरा, बालकिशोर शाही मुण्डा, प्रदीप साहु, गणेश बेदिया, सीताराम पातर, अमित सिंह मुण्डा, महिपाल महतो, योगेंद्र पातर, राजकिशोर महतो, संजय मुण्डा, ब्रथल बान्डो, संतोष साहु, मुन्ना लोहरा, संजय तिर्की, भीमसिंह मुण्डा, नन्केश्वर मुण्डा, बाबु उरांव, सुकरा उरांव, दिलिप भुईयां, सोमरा उरांव सहित सैकड़ों समर्थक शामिल थे।

आज '#अबकोईबहानानहीं' राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी 25 नवंबर को रंग भवन, आकाशवाणी, नयी दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अभियान '#अबकोईबहानानहीं' का शुभारंभ करेंगी। इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ चंद्रशेखर पेम्मासानी भी उपस्थित रहेंगे।

इस अभियान में जनता, सरकार और प्रमुख हितधारकों से लैंगिक हिंसा को समाप्त करने के लिए कार्रवाई योग्य कदम उठाने का आह्वान किया गया है। यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालयों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। इसका संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन ने भी समर्थन किया है। यह अभियान ग्रामीण विकास मंत्रालय के नेतृत्व में ह्यनई चेतना 3.0 अभियानह्व के साथ शुरू किया गया है ताकि लैंगिक हिंसा को समाप्त करने के लिए कार्रवाई के आह्वान को व्यापक रूप से फैलाया जा सके ताकि कोई भी पीछे न छूटे।

वैश्विक स्तर पर हर साल 25 नवंबर से महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस से 10 दिसंबर मानवाधिकार दिवस तक लैंगिक हिंसा को समाप्त करने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 16 दिनों का अभियान चलाया जाता है।

इस वर्ष, संयुक्त राष्ट्र का वैश्विक अभियान '#नोएक्सक्यूज' जो महिलाओं के विरुद्ध हिंसा में खतरनाक वृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित करता है, प्रतिबद्धताओं को दोहराता है, जवाबदेही और कार्रवाई का आह्वान करता है भारत सरकार इसी के अनुरूप '#अबकोईबहानानहीं' की शुरुआत कर रही है। इसका उद्देश्य महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध हिंसा को समाप्त करने की आवश्यकता का संदेश देना और लैंगिक हिंसा के किसी भी रूप के प्रति राष्ट्रीय शून्य-सहिष्णुता के रुख को दर्शाना है।

अभियान में, लैंगिक हिंसा को समाप्त करने की प्रतिज्ञा करने के लिए प्रत्येक नागरिक सहित सभी हितधारकों से जवाबदेही की आवश्यकता को दर्शाने के लिए '#अबकोईबहानानहीं' पर एक फिल्म जारी की जायेगी।

आइसीआइसीआइ फॉउंडेशन ने सरसों बीज का किया वितरण

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। कुच्चू पंचायत के कुच्चू गांव में आइसीआइसीआइ फाउंडेशन ने तेलहनी फसल को बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को 120 किसानों के बीच उन्नत किस्म के सरसों के बीज का वितरण किया। बीज वितरण मुखिया सहदेव बेदिया के हाथों से की गयी। इस मौके पर मुखिया सहदेव बेदिया, वॉर्ड प्रतिनिधि गंभीर सिंह मुंडा, आइसीआइसीआइ के अमृत बेदिया, ठाकुरदास करमाली एवं किसान उपस्थित थे।

धूमधाम से मनी महाराज जरासंध की जयंती

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। चंद्रवंशी समाज की ओर से रविवार को टाटीसिलवे में चक्रवर्ती सम्राट महाराज जरासंध की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इससे पहले अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश महामंत्री जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में महाराज जरासंध के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम को शुरू किया गया। इस अवसर पर जितेन्द्र कुमार ने कहा कि हमें महाराज के जीवनी से सीख लेने की जरूरत है। जब वे दो विभक्ति भाग में पैदा लिए और एकजूट हुए तो भारत के प्रथम चक्रवर्ती सम्राट बने। हमें भी समाज के विकास के लिए एकजूट होना होगा। मौके पर संतोष कुमार वर्मा जितेन्द्र सिंह, नागेन्द्र प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, रेखा वर्मा, राजेश गोंड, मनोज वर्मा, जितेन्द्र वर्मा, आनंद जी समेत सैकड़ों मौजूद थे।

जनकल्याण समर्पण संस्थान खेल महोत्सव 2024 शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदिरी। गैर सरकारी संगठन जनकल्याण समर्पण संस्थान के द्वारा स्वर्ण रेखा जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी फुटबॉल मैदान में 100 से अधिक स्पर्धाओं का खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी ओरमांझी निवासी अरविंद कुमार बबलू द्वारा फीता काट कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस वर्ष राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृट प्रदर्शन करने वाले राष्ट्रीय तैराक अमन कुमार जायसवाल, राजेश मुंडा एवं अक्षय रजवार को सम्मानित एवं पौधारोपण किया गया।

अरविंद कुमार बबलू ने अपने संबोधन में कहा कि इस सुदुरुवर्ती क्षेत्र में इतना बड़े स्तर पर खेल महोत्सव का आयोजन अत्यंत सराहनीय है। संस्थान के सभी सदस्यों को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं। संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र के बालक बालिकाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना है। खेल महोत्सव में फुटबॉल, क्रिकेट, कबड्डी, रस्सा कस्सी एथेलेटिक्स, इंडोर, तैराकी सहित 100 से अधिक स्पर्धाएं आयोजित होना है। संचालन कोषाध्यक्ष रमण कुमार ने किया। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष कुंती देवी, महासचिव सत्यपाल राउत, सचिव राजकुमार, मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार दीपू, सदस्य विजय सिंह, रांची जिलाध्यक्ष संजय कुमार गुड्डु, रामगढ़ जिलाध्यक्ष मेहंदी मुंडा, सरायकेला जिलाध्यक्ष कमलकांत साव, संजू गोस्वामी, ब्रजकिशोर प्रसाद, माघु करमाली, प्रदीप कुमार, निर्णायक मंडली के गोविंदा कुमार, शशि मुंडा, संजय राणा, टिकेश्वरी पांडेय, ऋषि सिंह, सिद्धू आदि मौजूद थे।

बेड़ो में ऐतिहासिक हड़बोरी बूढ़ा जतरा संपन्न, पारंपरिक पोशाक में शामिल हुए लोग

पहान ने महादानी मंदिर के गुंबद पर चढ़कर व हाथ में आम्र पल्लव लेकर किया नृत्य

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय का प्रसिद्ध व ऐतिहासिक वार्षिक हड़बोरी बूढ़ा जतरा का आयोजन बेड़ो लड्डू, अस्थिकलश का विसर्जन, शोभायात्रा व भगवान भोलेनाथ की परिक्रमा, आराधना व पहान द्वारा मंदिर के गुंबद पर चढ़कर नृत्य करने की सामाजिक सांस्कृतिक परंपरा के साथ महादानी मंदिर परिसर में रविवार की देर रात संपन्न हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर में बेड़ो, तेतरटोली, टिकराटोली, गायत्री नगर, अंबाटोली करंजटोली, जामटोली व बारीडीह गांव के ग्रामीणों ने दीपकलश कड़सा, झंडा,ढोल, ढाक,मांदर व नगाड़ा के साथ एक शोभायात्रा निकाला। जो बेड़ो अखरा से शुरू होकर जामटोली रोड,गुमला रोड व लोहरदगा रोड होते हुए अपने-अपने खोड़हा के साथ परंपरागत नाच गान करते महादानी मंदिर पहुंचे। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल लोगों ने नाच गान के साथ महादानी बाबा की परिक्रमा किया और उनके दरबार में मत्था टेका। जहां रवि पहान ने क्षेत्र में अमन चैन व सुख समृद्धि की कामना को लेकर महादानी बाबा की पूजा अर्चना व आराधना किया। इसके बाद रवि पहान ने अपने हाथ पर आम्र पल्लव लेकर व महादानी मंदिर के शिखर पर चढ़कर नृत्य किया। जो पर्व का आकर्षण का केंद्र रहा। बतातें चलें कि ग्रामीणों के बीच आस्था है कि इस परंपरा से महादानी बाबा भगवान भोलेनाथ सभी ग्रामवासियों की मनोकामना को पूर्ण करते हैं। जिससे मानव जीवन में सुख समृद्धि बनी रहती है। इसके पूर्व खत्रीखटंगा व बेड़ो के सीमावर्ती कुंडी स्थल में बेड़ो, करंज टोली व हरिहरपुर जामटोली के जनजातीय समुदाय के लोगों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में अस्थिकलश का विसर्जन भी किया। वहीं शाम में महादानी मंदिर परिसर में जतरा भी लगा। जहां ग्रामीणों ने ईख, शकरकंद व घरेलू सामानों की खरीदारी की। वहीं, जतरा के एक दिन पूर्व यानी शनिवार की रात में घर-घर बेड़ो लड्डू के नाम पर चावल के आटा से बने पीठा का भोग मां भगवती के नाम निवेदित किया गया। लोगों में यह आस्था है कि अपने खेतों में लगी फसल को काटने के बाद पहले भगवान भोलेनाथ महादानी बाबा व मां भगवती को पीठा का भोग निवेदित किया जाता है। मान्यता है कि इससे महादानी बाबा प्रसन्न होकर सुख समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। जिसे प्रसाद के रूप में ग्रामीणों ने खाया। वहीं, रानी गांव बारीडीह के लोगों ने राजा गांव बेड़ो के पहान, पुजार व महतो समेत अन्य लोगों का स्वागत झंडा बिछाकर और हुक्का-पानी देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पहान बुधवा उरांव, मंगल पहान, पुजार पंचम तिर्की, छोटा पुजार शनिका उरांव, राकेश भगत, सुका उरांव, सुखदेव उरांव, चरवा उरांव व बुदा पहान आदि ने सराहनीय योगदान दिया।

पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता ने निकाला विजय जुलूस, भव्य स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

मनातू/पलामू। पांकी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने दूसरी बार मिली ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं-समर्थकों ने रविवार को भव्य विजय जुलूस निकाला। जो मौर्या फार्म हाउस से पदमा, मनातू होते हुए चक पहुंचा। कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और स्वागत किया। विधायक डॉ मेहता, रामदास साहू के साथ खुली जिप पर सवार होकर कार्यकर्ताओं, जनता का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। समर्थक पदमा चौक पर सुबह नौ बजे से ही इंतजार कर रहे थे। इस बीच सुबह 11 बजे अपने सैकड़ों समर्थकों को लेकर गाजे-बाजे के साथ अबीर गुलाल उड़ाते मनातू चक पहुंचे। पूरे रास्ते में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, जनता, सड़क किनारे फूल माला के साथ अपने नेता के स्वागत के लिए खड़े थे।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि पांच साल में अमन-चैन के वातावरण में विकास की लंबी लकीर जो मैंने खींची उस पर पांकी की जनता ने मुहर लगाते हुए एक बार फिर अपना समर्थन देकर सेवा करने का मौका दिया है।

उन्होंने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में पांच साल पहले जो सामंतवादी व्यवस्था थी उसे समाप्त किया हूं। जुलूस में व्यवसायी रामदास साहू, अनिल साहू, अमरेश कुमार रंजन, राहुल कुमार, धर्मेंद्र कुमार, गुडू सिंह, पिंटू यादव, अरविंद यादव, उदेश यादव, लाल यादव, प्रो बच्चन ठाकुर आदि शामिल थे।

हम चुनाव हारे हैं हौसला नहीं, सहयोग व स्नेह देने के लिए आभार : रामचंद्र चंद्रवंशी

आजाद सिपाही संवाददाता

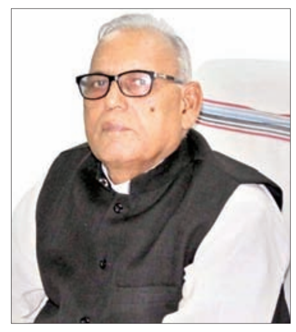

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर-मझिआंव विधानसभा सीट से इस बार का हार का मुंह देखने के दूसरी ही दिन रविवार को राज्य के पूर्व मंत्री सह निवर्तमान विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी अपने क्षेत्र में पहुंचे थे। विश्रामपुर में पत्रकारों से बातें करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने खूब मेहनत की। जनता ने भी समर्थन दिया। पर किन्ही कारण वश इस बार चुनाव नहीं जीत पाए। चुनाव में हार जीत तो लगी रहती है। हम चुनाव हारे हैं हौसला नहीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं का भी हौसला बढ़ाते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कभी हारते नहीं हैं। जीतते हैं या सीखते हैं। उन्होंने जनता का भी आभार जताया। कहा कि जनता ने जो स्नेह और समर्थन दिया है, उसके लिए उनका ह्रदय से धन्यवाद। यहां की जनता ने मुझे वोट देकर चार बार विधायक बनाया। जनता के आशीर्वाद से एकीकृत बिहार और झारखंड में मंत्री बनने का भी अवसर मिला। हमने भी ईमानदारी पूर्वक सेवा भाव के साथ क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम किया है। जिस कारण क्षेत्र का चहुंमुखी विकास भी हुआ। कहा कि पहले की तरह ही हम और हमारे पुत्र डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी जनता की सेवा करते रहेंगे।

नवनिर्वाचित विधायक नरेश प्रसाद सिंह का जगह-जगह हुआ स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर के नव निर्वाचित विधायक नरेश प्रसाद सिंह का रविवार को जगह-जगह कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने स्वागत किया। बीमोड़ पर युवा समाजसेवी ऋतुराज मिश्रा के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने माला पहनाकर जीत की बधाई दी। ऋतुराज मिश्रा ने विधायक नरेश प्रसाद सिंह को क्षेत्र के विकास में हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर विकाश उपाध्याय, मणिभूषण पांडेय, विकेश पांडेय और दुर्गा प्रसाद गुप्ता आदि मौजूद थे।

कांग्रेस आलाकमान के आदेशानुसार कार्य किया व महागठबंधन प्रत्याशी की जीत हुई : सुधीर चंद्रवंशी

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर विस के कांग्रेस नेता सुधीर चंद्रवंशी ने कहा कि आलाकमान के निर्देशों का हमनें पालन किया, जिस कारण हमारी जीत हुई। विश्रामपुर की जनता ने आइएनडीआइए महागठबंधन पर जो भरोसा दिखाया है उस पर हम सभी जरूर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगें। जनता भाजपा के छलावे में अब नहीं आने वाली है। अगले पांच वर्षों तक जनता के सुख-दुख में भागीदार रहूंगा व जनहित का कार्य करता रहूंगा। उन्होंने विश्रामपुर के महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी नरेश सिंह को जीत की बधाई दी।

झामुमो नेता बबलू सिंह ने हेमंत सोरेन को दी बधाई

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व में आइएनडीआइए महागठबंधन की प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करने पर नेताओं-कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह चरम पर है। इसी बीच हुसैनाबाद के झामुमो नेता बशिष्ठ उर्फ बबलू सिंह ने रविवार को रांची पहुंचकर हेमंत सोरेन और कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी मीर साहब से मुलाकात की। इस अवसर पर बबलू सिंह ने हेमंत सोरेन को गुलदस्ता भेंट कर जीत की बधाई दी। उन्होंने झामुमो के नेतृत्व में झारखंड के विकास और जनता की सेवा के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को सराहा। कहा कि यह जीत झारखंड की जनता के विश्वास और हेमंत सोरेन की जनहितकारी नीतियों का परिणाम है। राज्य में विकास और समृद्धि का नया अध्याय शुरू होगा। झारखंड विधानसभा चुनावों में झामुमो, कांग्रेस, और राजद के महागठबंधन ने बहुमत हासिल कर विपक्ष को करारी शिकस्त दी। इस चुनावी नतीजे ने राज्य की राजनीति में झामुमो की मजबूत स्थिति को एक बार फिर से प्रमाणित किया। उन्होंने झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दों पर गठबंधन सरकार के विजन को साझा किया। बबलू सिंह ने भरोसा जताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

स्वस्थ रहने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ना बेहद जरूरी: ट्री मैन डॉ कौशल

पर्यावरणविद ने बच्चे के जन्म व शादी पर वर-बधु को पौधा देकर सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के उंटारी के लुंबा सतबहिनी निवासी सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर महेंद्र नाथ शर्मा के पोते व चंद्रशेखर शर्मा के पुत्र के जन्मोत्सव और छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में विश्रामपुर रोड में एक शादी समारोह में शामिल होकर विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने पौधरोपण कर नवजात व वर-वधु को उनके स्वस्थ व सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। अंबिकापुर (केदारपुर) के प्रमोद सिंह के पुत्र कुणाल सिंह और भटगांव के विनोद सिंह की पुत्री की शादी में शामिल होकर वर-वधु को आशीर्वाद स्वरूप हिमाचल के कपूर व थाईलैंडप्रजाति के आम का पौधा देकर चिरंजीवी होने की मंगल कामना की। ट्री मैन डॉ कौशल ने उंटारी रोड के लुम्बा सतबहिनी के सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर महेन्द्रनाथ शर्मा के पोते व चंद्रशेखर शर्मा के पुत्र के जन्म उत्सव पर पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधा रोपण कर उपस्थित लोगों को पर्यावरण धर्म की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वे भगवान शिव के समान वृक्ष और ऑक्सीजन के सिलेंडर के समान पौधा लगाया हूं। इससे बच्चे और उसके पूरे परिवार को ह्रदय से शुभकामना देता हूं। मौके पर मनोज सिंह, मीना राजपूत, लक्ष्मीकांत सिंह, सचिन सिंह, संजय उर्फ गुडू सिंह, बॉबी सिंह उपस्थित थे। वहीं लुम्बा सतबहिनी में वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र शर्मा, अश्विनी शर्मा, मुरलीधर शर्मा, मोतीलाल शर्मा, कमता शर्मा, सूबेदार समता शर्मा, ललन राय, रणधीर राज, राहुल शर्मा आदि उपस्थित थे।

सेहरा में खलिहाल में लगी आग, नुकसान

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र सह सतबरवा प्रखंड क्षेत्र में शनिवार की देर रात खलिहान में रखे धान के बोझा में अचानक आग लग गयी। इस कारण करीब एक हजार धान का बोझा जल कर राख हो गया, जिससे किसानों को हजारों का नुकसान हुआ है। आसपास के ग्रामीणों को आग कि तपीस महसूस होने पर वे खलिहान में पहुंचे और धान के बोझा को पास के ही कुआं, चापाकल और मोटर पंप चला कर आग पर किसी तरह काबू पाया। इस दौरान करीब एक हजार धान के बोझा को वहां से हटा कर जलने से बचा लिया गया। इसकी जानकारी पाकर मुखिया प्रतिनिधि लाल बिहारी प्रसाद भी मौके पर पहुंच गये। उन्होंने बताया कि किसान मोहम्मद इस्माइल मियां, मोहम्मद जसिमुदिन अंसारी और मोहम्मद महताब अंसारी समेत कई लोगों के धान का बोझा खलिहान में रखा हुआ था। उन्होंने मामले कि जानकारी सीओ को देने की बात कही।

राजद प्रत्याशी की जीत पर यादव महासभा ने लोगों में बांटी मिठाई, मंत्री बनाने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

जीत की खुशी में मिठाई खिलाकर बधाई देते यादव महासभा प्रखंड इकाई के सदस्य।

हरिहरगंज/पलामू। हुसैनाबाद विधानसभा सीट से आइएनडीआइए समर्थित राजद प्रत्याशी संजय सिंह यादव की जीत की खुशी में अखिल भारतीय यादव महासभा हरिहरगंज प्रखंड अध्यक्ष इं संजय कुमार यादव के नेतृत्व में शनिवार को सैकड़ो लोगों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। यादव महासभा के प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देखने के लिए मिला है कि हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र से जनता की अदालत में किसी प्रत्याशी को इतने भारी मतों से जीत हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि यह जीत आइएनडीआइए गठबंधन की सरकार द्वारा सभी योजनाओं का लाभ सीधा लाभुकों तक पहुंचना और हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी का लोकप्रियता के कारण मिली है। वहीं यादव महासभा हरिहरगंज प्रखंड इकाई और राजद कार्यकर्ताओं ने विधायक संजय सिंह यादव को गठबंधन सरकार में मंत्री बनाने की मांग की है। इस मौके पर राजद वरिष्ठ नेता बुधन सिंह यादव, यादव महासभा के प्रखण्ड उपाध्यक्ष सूरज कुमार यादव,आनंद यदुवंशी, महावीर यादव जगनरायण यादव, वसिष्ठ कुमार सिंह, मोहम्मद राजा कादरी, शिक्षक मोहन मिश्रा, डॉ अनिल कुमार, आबिद उर्फ मुन्ना, मनदीप दास जयपाल चौधरी, मृत्युंजय सिंह, केदार ठाकुर, सुरेंद्र चंद्रवंशी, योगेंद्र यादव, अजय यादव, गोपाल यादव आदि उपस्थित थे।

झारखंड में आइएनडीआइए महागठबंधन की जीत झारखंडी जनमानस की जीत: रविंद्र शुक्ला

जीत पर कांग्रेस नेताओं ने जताया हर्ष, कहा- जनता ने झारखंड के विकास को पहचाना

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। झारखंड में आइएनडीआइ महागठबंधन की प्रचंड बहुमत की जीत पर नेताओं-कार्यकर्ताओं में हर्ष है। विश्रामपुर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार शुक्ला उर्फ गुड्डू ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि झारखंड में महागठबंधन की जीत झारखंडी जनमानस की जीत है। उन्होंने जीत के लिए राज्य की जनता को बधाई दी है। साथ ही महागठबंधन के विधायकों को ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं दी है। उन्होंने पलामू प्रमंडल में महागठबंधन के उम्मीदवारों की जीत पर नव नियुक्त विधायकों को भी शुभकामनाएं दी है। कहा कि कांग्रेस हमेशा राज्य के विकास के लिए सक्रिय रही है। जनता ने झारखंड में विकास की गति को पहचाना है और प्रचंड बहुमत देकर राज्य में जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जिम्मेवारी सौंपी है। कहा कि कांग्रेस एवं हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार झारखंड में विकास कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य करेंगे। उन्होंने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा ने 'एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे' आदि नारा देकर राज्य की जनता को बांटने का जो सपना देखा था, जनता ने उसे नकार दिया है। झारखंड संघर्ष की धरती रही है। आंदोलनकारियों ने संघर्ष कर राज्य का निर्माण किया है। यहां पूंजीपतियों की सरकार नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा वाली सरकार की जरूरत थी। राज्य की जनता महागठबंधन के विकास की गति को पहचानते हुए बहुमत देकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा की है। झारखंड एक बार फिर बेहतर विकास का साक्षी बनेगा और राहुल गांधी जी के सपनों को साकार करेगा।

स्पोर्ट्स

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ टेस्ट में रविवार को भारत ने आस्ट्रेलिया को 534 रनों का विशार स्कोर दिया है। वहीं, दूसरी पारी में बल्लेबाजी को उतरी आस्ट्रेलिया 12/3 बना सकी है।

तीसरे दिन का खेल खत्मः यशस्वी जायसवाल और कोहली के शतक ने भारत से खड़ा किया विशाल स्कोर

534 रन का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी भी लड़खड़ाई, 12 रन पर गंवा दिये तीन विकेट

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी के पहले मैच के तीसरे दिन का खेल रविवार को खत्म हो चुका है। भारत ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 487 रन का स्कोर बनाकर पारी घोषित कर दी। दूसरी पारी के 487 रन से पहले टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई थी। भारत को दूसरी पारी में 46 रन की बढ़त हासिल थी। इस लिहाज से भारत के सामने कुल बढ़त 533 रन की हुई और 534 रन का लक्ष्य दिया। उधर, विराट कोहली के शतक का सभी को इंतजार था। उनके शतक लगाते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम की ओर से पारी घोषित करने का फैसला लिया गया। विराट ने 143 गेंद में 100 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। विराट ने लियोन की गेंद पर चौके के साथ शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 30वां शतक और ओवरऑल तीनों प्रारूप मिलाकर 81वां शतक लगाया। यह ऑस्ट्रेलिया में उनका सातवां शतक रहा। वह सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। सचिन ने छह शतक लगाए थे। वहीं, विराट से पहले यशस्वी जायसवाल ने शतक जड़ा था और उन्होंने 161 रन की पारी खेली थी। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और तीन छक्के लगाए थे। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा शतक रहा था। वहीं, केएल राहुल ने पांच चौके की मदद से 77 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 25 रन और वॉशिंगटन सुंदर ने 29 रन बनाए। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल कुछ खास नहीं कर सके और 1-1 रन बनाए। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी भी लड़खड़ाती नजर आ रही है। अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट गंवाकर ऑस्ट्रेलिआई बल्लेबाजों ने तीन विकेट के नुकसान पर 12 रन बना लिए हैं।

मैक्स वेरस्टापेन ने चौथी बार एफ-1 विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता

लास वेगास (एजेंसी)। मैक्स वेरस्टापेन फॉमूर्ला वन के इतिहास में चार विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले सिर्फ छठे रेसर बन गए हैं। उन्होंने रविवार को लास वेगास ग्रां प्री में पांचवें स्थान पर रहकर प्रतिद्वंद्वी लैंडो नोरिस को विश्व खिताब जीतने से वंचित कर दिया। वेरस्टापेन अब जुआन मैनुअल फैंगियो (पांच खिताब), एलेन प्रोस्ट (चार), माइकल शूमाकर (सात), सेबेस्टियन वेटेल (चार) और लुईस हैमिल्टन (सात) की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

वेरस्टापेन ने तीन हफ्ते पहले ब्राजील में ग्रिड पर जीत हासिल करके 10-रेस के जीत के सूखे को समाप्त कर दिया था और यह सुनिश्चित किया था कि उनका खिताब बचा रहे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 25 नवंबर, 2024
www.azadsipahi.in

हार से निराश कार्यकर्ताओं से मिलने निरसा पहुंचे सांसद ढुल्लू महतो, बढ़ाया हौसला

लाल झंडा और हेमंत सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जारी रहेगा संघर्षः ढुल्लू

आजाद सिपाही संवाददाता

सांसद ढुल्लू महतो।

धनबाद। झारखंड विधानसभा का चुनाव परिणाम प्रकाशित हो चुका है। राज्य की सत्ता पर एक बार फिर सेहेमंत सोरेन सरकार की अगुवाई में आइएनडीआइए महागठबंधन की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। वहीं राज्य के साथ ही धनबाद जिले में भी भाजपा का अपेक्षाकृत प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। इसी बीच सांसद ढुल्लू महतो रविवार को निरसा पहुंचे। उन्होंने निरसा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अपर्णा सेनगुप्ता की हार से निराश कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। कहा कि चुनाव परिणाम से निराश होने की आवश्यक नहीं है। यह समय अपनी कमियों को पहचान कर उसे दूर करने और जनादेश का सम्मान करते हुए जनता की आवाज बनने का है। हम कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लाल झंडा व हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ संघर्ष करेंगे। सांसद ढुल्लू महतो दुर्गापुर जाने के क्रम में इसस दिन दोपहर निरसा सिनेमा हॉल मोड़ पर कुछ देर के लिए रुके थे। जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

बाघमारा से भाजपा की जीत पर महुदा में निकला विजय जुलूस, कार्यकर्ताओं ने की आतिशबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। बाघमारा विधानसभा से करीब 18 हजार 682 वोट के अंतर से भाजपा के शत्रुघ्न महतो की जीत की खुशी में रविवार शाम महुदा बाजार में धनबाद जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं उनके समर्थकों ने विजय जुलूस निकाला। इस दौरान राधानगर से जुलुस निकलकर महुदा बाजार होते हुए लालबंगला स्थित ब्रह्म बाबा मंदिर तक बाजे गाजे के साथ विजय जुलूस गई। जुलूस में कार्यकर्ताओं ने पटाखा फोड़कर खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ता ने बाजे के धुन पर थिरकते हुए आगे बढ़ रहे थे। और एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाते मिठाइयाँ बाँट कर खुशियाँ जाहिर करते दिखे। इस दौरान विधायक शत्रुघ्न महतो जिंदाबाद, सांसद ढुल्लू महतो जिंदाबाद, भाजपा पार्टी जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। मौके पर शेखर सिंह, राजीव सिंह, पंसस अजय दास, विकास अग्रवाल, किशुन महतो, रोमी वर्णवाल समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांसद ने कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव में हुई पार्टी की हार पर चर्चा की और आगे की रणनीति के बारे में उन्हें बताया। मौके पर मधुरेंद्र गोस्वामी, बापी चक्रवर्ती, धीरज मिश्रा, दीपा दास, तुलसी विश्वकर्मा और रेखा देवी आदि उपस्थित थे।

रागिनी सिंह को चांदी का मुकुल पहनाकर दी गयी जीत की बधाई

झरिया से जीत दर्ज करने वाली विधायक रागिनी सिंह को जीत की बधाई देती लोजपा (रामबिलास) की प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष आशा राय पासवान।

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। लोक जनशक्ति पार्टी (रामबिलास) की प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा राय पासवान ने रविवार को झरिया से भाजपा की नवनिर्वाचित विधायक रागिनी सिंह से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और उन्हें चांदी का मुकुट पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं रागिनी सिंह ने उनका आभार व्यक्त किया।

कौटिल्य महापरिवार ने कुमार जयमंगल की जीत पर दी बधाई

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में झारखंड मुक्ति मोर्चा समर्थित कांग्रेस के युवा एवं लोकप्रिय विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह की जीत पर कौटिल्य महापरिवार के सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। कौटिल्य महापरिवार बेरमो के संस्थापक अनिल चंद्र झा, अध्यक्ष अजय कुमार झा, सचिव बृज बिहारी पांडेय, संडे बाजार निवासी अजय कुमार झा, मीडिया प्रभारी कुमार गौरव, संतोष ठाकुर, मुकेश मिश्रा, मुकेश झा, सत्यजीत मिश्रा, इंद्रजीत मुखर्जी, कुजित मुखर्जी, शंकर चक्रवर्ती, धीरज गिरी, बबलू गिरी, सत्येंद्र गिरी, प्रशांत बनर्जी, अशोक त्रिपाठी आदि ने बेरमो की जनता एवं विधायक जयमंगल सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

निरसा एवं सिंदरी में भाकपा-माले की जीत से मजदूरों का बढ़ा है उत्साह : धर्म बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिले के निरसा एवं सिंदरी विधानसभा सीटों पर भाकपा-माले के दोनों प्रत्याशियों अरुप चटर्जी और चंद्रदेव महतो की जीत पर संगठित मजदूर मोर्चा, संबंधित बीसीकेयू, बिहार कोलियरी कामगार यूनियन, विश्वकर्मा प्रोजेक्ट धनसार के मजदूर नेता धर्म कुमार बाउरी ने खुशी जाहिर की है। कहा कि भाकपा-माले की दोनों सीटों पर जीत की उम्मीद को विधानसभा के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने साकार किया है। इसके लिए दोनों विधानसभा के मतदाताओं और समस्त विश्वकर्मा के मजदूरों की तरफ से दोनों विधायकों को बहुत-बहुत बधाई। दोनों की जीत से मजदूरों का उत्साह काफी बढ़ा है। यह सर्व विदित है कि लाल झंडा मजदूरों के हक अधिकारों के लिए हमेशा खड़ा रहा है और अब वर्तमान में मजदूरों का हक और अधिकारों के लिए दोनों विधायक विधानसभा में बुलंद आवाज उठाएंगे। इस विधानसभा चुनाव में निरसा और सिंदरी से दोनों विधायकों की जीत से मजदूरों का स्वाभिमान और हौसला बढ़ा है। धारनी महतो, चौधरी भुइयां ने भी खुशी जाहिर कर बधाई दी।

धनबाद में निराशाजनक प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेती हूं : डिंपल

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की धनबाद जिला महिला अध्यक्ष डिंपल चौबे जेएलकेएम डुमरी और बेरमो की स्टार प्रचारक रही। डिंपल चौबे ने धनबाद जिला के हर एक विधानसभा चुनाव में संतोष जनक प्रदर्शन नहीं होने पर असंतोष जाहिर की।कहा कि कई विधानसभा क्षेत्रों में जेएलकेएम के प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहे हैं। हैं वहां की जनता का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने प्रत्यासियों को स्नेह व समर्थन किया। अब जो भी त्रुटियां रह गई है उसे जनता के बीच जाकर दूर करने और समस्याओं का निदान करने का प्रयत्न करूंगी, ताकि भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकूं। आला कमान जो भी निर्णय लेंगे वह मेरे लिए सर्वोपरि होगा।

श्री अरविंद का मनाया गया सिद्धि दिवस

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। करगली स्थित विनोद बिहारी फुटबाल ग्राउंड स्थित श्री अरविंद सोसायटी बेरमो आश्रम में श्री अरविंदो सिद्ध दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में समिति प्रमुख मधुसूदन सिंह ने बताया कि आज ही के दिन महात्मा श्री अरविंद जी को सिद्धि प्राप्त हुई थी। इनके द्वारा रचित पुस्तक विश्व के कोने-कोने में मिल रहे हैं। आज सैकड़ो देश में उनके अनुयाई है। अध्यात्म का यही एक मार्ग है और लोगों को आध्यात्मिक के प्रति जागरूक होना चाहिए। इसके लिए नई पीढ़ी को इसमें आध्यात्मिक ज्ञान लेने की आवश्यकता है। आज के भागदौड़ की जिंदगी में शांति के लिए अरविंद सोसायटी एक अहम पड़ाव है। इस अवसर पर समाज के सैकड़ों लोगों ने श्री अरविंद सोसाइटी में आकर ध्यान लगाया और प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में समिति के सचिव विजय सिंह, शंकर सिंह, बृज बिहारी पांडेय, समाजसेवी अनिल गुप्ता, दयानंद बरनवाल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

त्रिपुरा स्टेट राइफल्स के जवान फ्रांसिस जेवियर कुजूर को धनबाद पुलिस लाइन में दी गयी श्रद्धांजलि

धनबाद (आजाद सिपाही)। पुलिस लाइन में रविवार को त्रिपुरा स्टेट फाइल्स के जवान फ्रांसिस जेवियर कुजूर को श्रद्धांजलि दी गई। वे धनबाद में चुनाव ड्यूटी में आए थे। जहां रविवार की सुबह हृदय गति रुक जाने से उनका निधन हो गया। एसएनएमएमसीएच में उन्हें भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दौरान त्रिपुरा स्टेट राइफल्स के जवान काफी संख्या में अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल के बाद सीधे शव को धनबाद पुलिस लाइन लाया गया। यहां उन्हें सलामी देने के बाद उनके पार्थिव शरीर को उनके गांव भेज दिया गया। इस मौके पर सिटी एसपी समेत सभी पुलिस पदाधिकारियों के साथ त्रिपुरा बटालियन के सीनियर कमांडेंट आलोक भट्टाचार्य एवं बटालियन के जवान उपस्थित थे। फ्रांसिस जेवियर कुजूर गुमला के रहने वाले थे। उनकी तैनाती हीरापुर स्थित अभय सिंदरी कॉलेज के मतदान केंद्र 258 में थी। त्रिपुरा स्टेट राइफल्स की पांच कंपनी को धनबाद के छह विधानसभा में प्रतिनियुक्त किया गया था।

जयराम की जीत से कार्यकर्ताओं में है भारी उत्साह : प्रकाश विश्वकर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के डुमरी विधानसभा सीट से शानदार जीत दर्ज करने से कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। रविवार को ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रणधीर वर्मा चौक पर जमकर आतिशबाजी की एवं एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। इस बाबत जिला अध्यक्ष ग्रामीण ने कहा कि जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो ने पार्टी को संघर्षों को साथ खड़ा किया है। जयराम महतो आज युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। झारखण्ड विधानसभा के चुनाव में जेएलकेएम के प्रत्याशीयों का प्रदर्शन अभूतपूर्व रहा। टाइगर जयराम की पार्टी जेएलकेएम के इस शानदार प्रदर्शन की चर्चा आज पुरे राज्य में हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का राजनीतिक अखाड़े में अभी-अभी पदार्पण हुआ है और आते ही जेएलकेएम पूरे झारखंड में चर्चा में है। यह एक बड़ी बात है। यह तो अभी महज शुरूआत है।

गोमिया से योगेन्द्र प्रसाद की ऐतिहासिक जीत पर आइएल में मनाया गया जश्न

आइएल (आजाद सिपाही)। गोमिया विधानसभा क्षेत्र से आइएनडीआइए गठबंधन प्रत्याशी योगेंद्र प्रसाद महतो की ऐतिहासिक जीत पर गोमिया के वरिष्ठ समाजसेवी पिंटू पासवान ने आईईएल स्थित मून लाईट में अपने समर्थकों के साथ जश्न मनाया। वहीं उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी व आतिशबाजी कर खुशी मनाया। इस अवसर पर समाजसेवी पिंटू पासवान ने कहा कि योगेंद्र प्रसाद महतो की जीत ऐतिहासिक है। वहीं योगेन्द्र प्रसाद की जीत से गरीब, महिलाएं, युवा, ग्रामीण सभी काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोमिया में विकास का सवेरा हुई है। इस मौके पर मुख्य रूप से समाजसेवी पिंटू पासवान, राजू पासवान, पंचायत समिति हरेंद्र सिंह, सोमनाथ पांडेय, जितेन्द्र कुमार, मिठू कुमार, मंटू पासवान, सानू सिंह, विकास यादव, राजेंद्र प्रसाद, प्रकाश राय, विक्रम राणा, कुशलेश भारती, पवन कुमार, राजन वर्मा, संजय पासवान, गुलशेर अली, सनोज ठाकुर, मुकेश ठाकुर सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

तेलमोचो शिव मंदिर के पास ट्रांसफार्मर में लगी आग, मची अफरा तफरी

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। तेलमाचो शिव क्लोनी स्थित शिव मंदिर के समीप लगाये गये ट्रांसफार्मर में रविवार की सुबह भीषण आग लग गई। धीरे-धीरे आग बढ़ती चली गई। इससे अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। लोग इधर उधर भागने लगे। देखते ही देखते आग की लपटे आसमान छूने लगी। आसपास के लोगों ने स्थानीय पुलिस एवं बिजली विभाग को इसकी जानकारी दी। खबर पाते ही मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मी ने तत्काल क्षेत्र की बिजली को बंद किया। इस बीच करीब आधा घंटा बीत जाने से ट्रांसफार्मर जलता रहा और किसी अनहोनी की आशंका के चलते लोग डर से करीब नहीं गए। आसपास के राहगीर और दुकानदारों भयभीत रहे। अंत में स्थानीय कुछ लोगों ने धुल छिट कर आग पर काबू पाया गया। संभवत यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी हो सकती है। जानकारी के अनुसार उक्त ट्रांसफार्मर को कुछ दिन पहले ही लगाया गया था।

योगेंद्र महतो की जीत पर ललपनिया में निकला विजय जुलूस

महुआटाड़ (आजाद सिपाही)। गोमिया विधानसभा के आइएनडीआइए गठबंधन के प्रत्याशी योगेंद्र महतो की जीत की खुशी में झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ललपनिया में विजय जुलूस निकाला। इस दौरान ढोल- नगाड़े बजाकर आतिशबाजी की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई देकर खुशी मनाया। बैंक मोड़ से रामगढ़ रोड़ होते हुए बिरसा मुंडा पार्क स्थल तक यह रैली निकाली गई। इस दौरान जिंदाबाद के नारों से ललपनिया गूंज उठा। इस रैली में पूर्व मुखिया बबली सोरेन, कोदवाटाड़ पंचायत के तत्कालीन मुखिया बबलू हेंब्रम, तुलसी महतो, नौशाद सहित सैकड़ो लोगों की मौजूदगी रही।

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आइएनडीआइए गठबंधन की जीत पर वेदांता इएसएल ने दी बधाई

झारखंड के आर्थिक विकास और आमलोगों के कल्याण के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगेः आशीष गुप्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। वेदांता समूह की कंपनी और भारत में अग्रणी एकीकृत इस्पात उत्पादक इएसएलस्टील लिमिटेड झारखंड में सामाजिक विकास के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है। खासकर बोकारो में अपने संयंत्र के आसपास के समुदायों के बीच विभिन्न सरकारी और गैर-लाभकारी संगठनों द्वारा कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों और मान्यताओं से सम्मानित इएसएल स्टील लिमिटेड उन समुदायों की भलाई को प्राथमिकता देता है जहां यह मौजूद है। वेदांता इएसएल स्टील लिमिटेड के सीइओ और डब्ल्यूटीडी आशीष कुमार गुप्ता ने हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आइएनडीआइए गठबंधन की जीत पर बधाई दी है। कहा कि हम राज्य के आर्थिक विकास और लोगों के कल्याण के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वेदांता इएसएल स्टील लिमिटेड नंद घर, वाड़ी (नाबार्ड की भागीदारी वाली कृषि पहल), वेदांता इएसएल कौशल विद्यालय, महिला सशक्तीकरण और सूक्ष्म उद्यम निर्माण के लिए जीविका, स्वास्थ्य सेवा से संबंधित हस्तक्षेप कार्यक्रम प्रोजेक्ट आरोग्य और वेदांता पारिस्थितिकी तंत्र में आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों की 1000 लड़कियों को रोजगार देने का लक्ष्य रखने वाली प्रोजेक्ट पंछी जैसी हमारी सीएसआर पहलों के माध्यम से राज्य सरकार की विकास योजनाओं और पहलों में योगदान देने के लिए सहयोग देने का वचन देता है। हमें विश्वास है कि वेदांता इएसएल संयंत्र के पेरिफेरल एरिया में की गई हमारी सभी पहल आने वाली सरकार के पर्यावरण और स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने और बेहतर झारखंड के आदर्श को स्थापित करने में महत्वपूर्ण संबल बनेगा और एक लंबा रास्ता तय करेगी।

5000 स्कूलों में एनसीसी की सुविधा उपलब्ध: मोदी

पीएम मोदी ने मन की बात में एनसीसी के महत्व पर जोर दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 116वें एपिसोड के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। इस एपिसोड में पीएम मोदी ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें एनसीसी, युवाओं की भूमिका, और डिजिटल अरेस्ट जैसी समस्याओं पर जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया। एनसीसी के महत्व पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी पीएम मोदी ने कहा कि एनसीसी दिवस आज बहुत खास है और यह दिन मेरे लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि मैं खुद एनसीसी का कैंडिडेट रहा हूं। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना पैदा करती है। जब भी कहीं आपदा होती है, एनसीसी के कैडेट्स वहां मदद के लिए सबसे पहले पहुंचते हैं। इस बार एनसीसी में लड़कियों की संख्या 40% बढ़ी है, जो कि एक सकारात्मक बदलाव है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि एनसीसी को और मजबूत करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। एनसीसी का विस्तार प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि अब तक 5,000 स्कूलों में 'एनसीसी' की सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं, जिससे अधिक से अधिक छात्र इस संगठन से जुड़ पा रहे हैं और राष्ट्रीय सेवा की भावना को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने 'एनसीसी' के महत्व पर भी जोर दिया और बताया कि यह संगठन युवा पीढ़ी को नेतृत्व, अनुशासन और देशभक्ति के महत्व को

सिखाता है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि 'एनसीसी' में भाग लेने से न केवल शारीरिक फिटनेस बढ़ती है, बल्कि यह देश की सेवा करने के प्रति एक गहरी प्रतिबद्धता भी विकसित होती है। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर खास आयोजन 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की 162वीं जयंती पर एक विशेष आयोजन होगा। पीएम मोदी ने बताया कि इस दिन भारत मंडपम में युवाओं का महाकुंभ आयोजित किया जायेगा, जिसमें करोड़ों युवा भाग लेंगे।

टाइम्स हायर एजुकेशन की पहली इंटरडिसिप्लिनरी साइंस रैंकिंग जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किट-डीयू ने शुरूआती टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचइ) इंटरडिसिप्लिनरी साइंस रैंकिंग 2025 में देश में प्रभावशाली चौथा स्थान हासिल किया है, जो अंतः विषय वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों को उजागर करता है। विश्वविद्यालय की वैश्विक रैंकिंग 92 रही। हाल ही में जारी रैंकिंग में भारत का मजबूत प्रतिनिधित्व है, जिसमें 65 विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिनमें से सात शीर्ष 100 में शामिल हैं। भारतीय संस्थानों में अग्रणी है और इसने विश्व स्तर पर 41वां स्थान

हासिल किया है। यह मान्यता अंतः विषय अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किट विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। भारतीय संस्थानों में, किट शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में से एक है, जो वैश्विक अंतः विषय विज्ञान परिदृश्य में देश की उपस्थिति में महत्वपूर्ण योगदान देता है। किट और किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की और कहा अंतः विषय वैज्ञानिक अनुसंधान विश्वविद्यालयों में किट की स्थिति दशकों से इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में इसके विशाल योगदान को दशार्ती है। किट के गुणवत्तापूर्ण शोधकताओं और कर्मचारियों ने अपने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, नवाचार और प्रकाशनों के माध्यम से इसे संभव बनाया है।

OXFORD PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE DELHI | AFFILIATION NO: 3430121
OLD H.B. ROAD, PRAGATI PATH, RANCHI- 834011
CONTACT NO: 7485096731 / 33
Website: www.oxfordpublicschool.net.in
ADMISSION GOING ON FOR CLASSES 1 & IX - SESSION 2025-26
Admission forms for Classes I & IX are available at the School Office Counter on all working days between 8:00 AM - 1:00 PM and can also be downloaded from our website. Documents Required to complete the registration formalities (as applicable): Aadhar, Birth Certificate, Bonafide Certificate, and the Permanent Education Number (PEN) of the candidate.
Principal

PayalWale.com
चाँदी का शोरूम
Dhanteras Offer
0%
Zero Making Charge
बिग बाजार के पास, सरायढेला, धनबाद
8581810081

LAKSHMI VASTRALAY
अच्छे से अच्छा फिर भी सस्ता
फैन्सी
हमारे यहाँ फैंसी साड़ी, लहंगा, सूट सभी तरह के वस्त्र उचित दामों मे मिलते है।
7033265646
Coal Board Colony, Near Dy.SP Bunglow
Police Line Hirapur, Dhanbad

ओड़िशा पर्व पर पीएम मोदी का संबोधन

जय जगन्नाथ!
जय जगन्नाथ!

केंद्रीय मंत्रिमंडल के मेरे सहयोगी श्रीमान धर्मेंद्र प्रधानजी, अश्विनी वैष्णवजी, उड़िया समाज संस्था के अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ प्रधान जी, उड़िया समाज के अन्य अधिकारी, ओडिशा के सभी कलाकार, अन्य महानुभाव, देवियों और सज्जनों।

ओड़िशा र सबू भाइओ भउणी मानंकु मोर नमस्कार, एबंग जुहार। ओड़िया संस्कृति के महाकुंभ ओड़िशा पर्व 2024 कू आसी मं गर्बित। आपण मानंकु भेटी मूं बहुत आनंदित। मैं आप सबको और ओड़िशा के सभी लोगों को ओड़िशा पर्व की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस साल स्वभाव कवि गंगाधर मेहेर की पुण्यतिथि का शताब्दी वर्ष भी है। मैं इस अवसर पर उनका पुण्य स्मरण करता हूं, उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। मैं भक्त दासिआ बाउरीजी, भक्त सालबेगजी, उड़िया भागवत की रचना करने वाले श्री जगन्नाथ दासजी को भी आदरपूर्वक नमन करता हूं। ओडिशा निजर सांस्कृतिक विविधता द्वारा भारतकु जीबन्त रखिबारे बहुत बड़ भूमिका प्रतिपादन करिछि।

ओडिशा हमेशा से संतों और विद्वानों की धरती रही है। सरल महाभारत, उड़िया भागवत...हमारे धर्मग्रंथों को जिस तरह यहां के विद्वानों ने लोकभाषा में घर-घर पहुंचाया, जिस तरह ऋषियों के विचारों से जन-जन को जोड़ा... उसने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि में बहुत बड़ी भूमिका निभायी है। उड़िया भाषा में महाप्रभु जगन्नाथ जी से जुड़ा कितना बड़ा साहित्य है। मुझे भी उनकी एक गाथा हमेशा याद रहती है। महाप्रभु अपने श्री मंदिर से बाहर आये थे और उन्होंने स्वयं युद्ध का नेतृत्व किया था, तब युद्धभूमि की ओर जाते समय महाप्रभु श्री जगन्नाथ ने अपनी भक्त माणिका गौउडुणी के हाथों से दही खाई थी। ये गाथा हमें बहुत कुछ सिखाती है। ये हमें सिखाती है कि हम नेक नीयत से काम करें, तो उस काम का नेतृत्व खुद ईश्वर करते हैं। हमेशा, हर समय, हर हालात में ये सोचने की जरूरत नहीं है कि हम अकेले हैं, हम हमेशा प्लस वन होते हैं, प्रभु हमारे साथ होते हैं, ईश्वर हमेशा हमारे साथ होते हैं।

ओड़िशा के संत कवि भीम भोई ने कहा था- मो जीवन पछे नर्के पडिथाउ जगत उद्धार हेउ। भाव ये कि मुझे चाहे जितने ही दुख क्यों ना उठाने पड़ें...लेकिन जगत का उद्धार हो। यही ओड़िशा की संस्कृति भी है। ओड़िशा सबु जुगरे समग्र राष्ट्र एबं पूरा मानब समाज र सेबा करिछी। यहां पुरी धाम ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत बनाया। ओड़िशा की वीर संतानों ने आजादी की लड़ाई में भी बढ़-चढ़ कर देश को दिशा दिखायी थी। पाइका क्रांति के शहीदों का ऋण, हम कभी नहीं चुका सकते। ये मेरी सरकार का सौभाग्य है कि उसे पाइका क्रांति पर स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करने का अवसर मिला था।

उत्कल केशरी हरे कृष्ण मेहताबजी के योगदान को भी इस समय पूरा देश याद कर रहा है। हम व्यापक स्तर पर उनकी 125वीं जयंती मना रहे हैं। अतीत से लेकर आज तक, ओडिशा ने देश को कितना सक्षम नेतृत्व दिया है, ये भी हमारे सामने है। आज ओड़िशा की बेटी... आदिवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मूजी भारत की राष्ट्रपति हैं। ये हम सभी के लिए बहुत ही गर्व की बात है। उनकी प्रेरणा से आज भारत में आदिवासी कल्याण की हजारों करोड़ रुपए की योजनाएं शुरू हुई हैं, और ये योजनाएं सिर्फ ओड़िशा के ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के आदिवासी समाज का हित कर रही हैं।

ओड़िशा, माता सुभद्रा के रूप में नारीशक्ति और उसके सामर्थ्य की धरती है। ओड़िशा तभी आगे बढ़ेगा, जब ओड़िशा की महिलाएं आगे बढ़ेंगी। इसीलिए, कुछ ही दिन पहले मैंने ओड़िशा की अपनी माताओं-बहनों के लिए सुभद्रा योजना का शुभारंभ किया था। इसका बहुत बड़ा लाभ ओड़िशा की महिलाओं को मिलेगा। उत्कलर एही महान सुपुत्र मानंकर बिसयरे देश जाणू एबं सेमानंक जीबन रु प्रेरणा नेउ, एथी निमन्ते एपरी आयौजनर बहुत अधिक गुरुत्व रहिछि ।

इसी उत्कल ने भारत के समुद्री सामर्थ्य को नया विस्तार दिया था। कल ही ओड़िशा में बाली जात्रा का समापन हुआ है। इस बार भी 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के दिन से कटक में महानदी के तट पर इसका भव्य आयोजन हो रहा था। बाली जात्रा प्रतीक है कि भारत का, ओडिशा का सामुद्रिक सामर्थ्य क्या था। सैकड़ों वर्ष पहले जब आज जैसी टेक्नोलॉजी नहीं थी, तब भी यहां के नाविकों ने समुद्र को पार करने का साहस दिखाया। हमारे यहां के व्यापारी जहाजों से इंडोनेशिया के बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानो की यात्राएं करते थे। इन यात्राओं के माध्यम से व्यापार भी हुआ और संस्कृति भी एक जगह से दूसरी जगह पहुंची। आजी विकसित भारतर संकल्पर सिद्धि निमंते ओड़िशार सामुद्रिक शक्तिर महत्वपूर्ण भूमिका अछि।

ओड़िशा को नयी ऊंचाई तक ले जाने के लिए 10 साल से चल रहे अनवरत प्रयास....आज ओड़िशा के लिए नये भविष्य की उम्मीद बन रहे हैं। 2024 में ओडिशावासियों के अभूतपूर्व आशीर्वाद ने इस उम्मीद को नया हौसला दिया है। हमने बड़े सपने देखे हैं, बड़े लक्ष्य तय किये हैं। 2036 में ओड़िशा, राज्य-स्थापना का शताब्दी वर्ष मनायेगा। हमारा प्रयास है कि ओड़िशा की गिनती देश के सशक्त, समृद्ध और तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में हो।

एक समय था, जब भारत के पूर्वी हिस्से को... ओड़िशा जैसे राज्यों को पिछड़ा कहा जाता था। लेकिन मैं भारत के पूर्वी हिस्से को देश के विकास का ग्रोथ इंजन मानता हूं। इसलिए हमने पूर्वी भारत के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया है। आज पूरे पूर्वी भारत में कनेक्टिविटी के काम हों, स्वास्थ्य के काम हों, शिक्षा के काम हों, सभी में तेजी लायी गयी है। 10 साल पहले ओड़िशा को केंद्र सरकार जितना बजट देती थी, आज ओड़िशा को तीन गुना ज्यादा बजट मिल रहा है। इस साल ओड़िशा के विकास के लिए पिछले साल की तुलना में 30 प्रतिशत ज्यादा बजट दिया गया है। हम ओड़िशा के विकास के लिए हर सेक्टर में तेजी से काम कर रहे हैं।

ओड़िशा में पोर्ट आधारित औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। इसलिए धामरा, गोपालपुर, अस्तारंगा, पलुर और सुवर्णरिखा पोर्ट्स का विकास करके यहां व्यापार को बढ़ावा दिया जायेगा। ओड़िशा भारत का mining और metal powerhouse भी है। इससे स्टील, एल्युमिनियम और एनर्जी सेक्टर में ओडिशा की स्थिति काफी मजबूत हो जाती है। इन सेक्टरों पर फोकस करके ओडिशा में समृद्धि के नये दरवाजे खोले जा सकते हैं।

ओड़िशा की धरती पर काजू, जूट, कपास, हल्दी और तिलहन की पैदावार बहुतायत में होती है। हमारा प्रयास है कि इन उत्पादों की पहुंच बड़े बाजारों तक हो और उसका फायदा हमारे किसान भाई-बहनों को मिले। ओडिशा की सी-फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में भी विस्तार की काफी संभावनाएं हैं। हमारा प्रयास है कि ओड़िशा सी-फूड एक ऐसा ब्रांड बने, जिसकी मांग ग्लोबल मार्केट में हो।

हमारा प्रयास है कि ओड़िशा निवेश करने वालों की पसंदीदा जगहों में से एक हो। हमारी सरकार ओड़िशा में इज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्कर्ष उत्कल के माध्यम से निवेश को बढ़ाया जा रहा है। ओड़िशा में नयी सरकार बनते ही, पहले 100 दिनों के भीतर-भीतर, 45 हजार करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी मिली है। आज ओड़िशा के पास अपना विजन भी है और रोडमैप भी है। अब यहां निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे। मैं इन प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्रीमान मोहन चरण मांझी जी और उनकी टीम को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

ओड़िशा के सामर्थ्य का सही दिशा में उपयोग करके उसे विकास की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सकता है। मैं मानता हूं, ओड़िशा को उसकी strategic location का बहुत बड़ा फायदा मिल सकता है। यहां से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचना आसान है। पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए ओडिशा व्यापार का एक महत्वपूर्ण हब है। Global value chains में ओडिशा की अहमियत आने वाले समय में और बढ़ेगी। हमारी सरकार राज्य से एक्सपोर्ट बढ़ाने के लक्ष्य पर भी काम कर रही है।

ओडिशा में urbanization को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है। हम ज्यादा संख्या में dynamic और well-connected cities के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ओड़िशा के टियर टू शहरों में भी नई संभावनाएं बनाने का भरपूर हम प्रयास कर रहे हैं। खासतौर पर पश्चिम ओड़िशा के इलाकों में जो जिले हैं, वहां नये इंफ्रास्ट्रक्चर से नये अवसर पैदा होंगे।

हायर एजुकेशन के क्षेत्र में ओड़िशा देशभर के छात्रों के लिए एक नयी उम्मीद की तरह है। यहां कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय इंस्टीट्यूट हैं, जो राज्य को एजुकेशन सेक्टर में लीड लेने के लिए प्रेरित करते हैं। इन कोशिशों से राज्य में स्टार्टअप्स इकोसिस्टम को भी बढ़ावा मिल रहा है।

ओड़िशा अपनी सांस्कृतिक समृद्धि के कारण हमेशा से खास रहा है। ओड़िशा की विधाएं हर किसी को सम्मोहित करती है, हर किसी को प्रेरित करती हैं। यहां का ओड़िशी नृत्य हो... ओड़िशा की पेंटिंग्स हों... यहां जितनी जीवंतता पट्टचित्रों में देखने को मिलती है... उतनी ही बेमिसाल हमारे आदिवासी कला की प्रतीक सौरा चित्रकारी भी होती है। संबलपुरी, बोमकाई और कोटपाद बुनकरों की कारीगरी भी हमें ओड़िशा में देखने को मिलती है। हम इस कला और कारीगरी का जितना प्रसार करेंगे, उतना ही इस कला को संरक्षित करने वाले उड़िया लोगों को सम्मान मिलेगा।

हमारे ओड़िशा के पास वास्तु और विज्ञान की भी इतनी बड़ी धरोहर है। कोणार्क का सूर्य मंदिर, इसकी विशालता, इसका विज्ञान...लिंगराज और मुक्तेश्वर जैसे पुरातन मंदिरों का वास्तु.....ये हर किसी को आश्चर्यचकित करता है। आज लोग जब इन्हें देखते हैं...तो सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि सैकड़ों साल पहले भी ओड़िशा के लोग विज्ञान में इतने आगे थे।

ओड़िशा, पर्यटन की दृष्टि से अपार संभावनाओं की धरती है। हमें इन संभावनाओं को धरातल पर उतारने के लिए कई आयामों में काम करना है। आप देख रहे हैं, आज ओड़िशा के साथ-साथ देश में भी ऐसी सरकार है जो ओड़िशा की धरोहरों का, उसकी पहचान का सम्मान करती है। आपने देखा होगा, पिछले साल हमारे यहां जी-20 का सम्मेलन हुआ था। हमने जी-20 के दौरान इतने सारे देशों के राष्ट्राध्यक्षों और राजनयिकों के सामने...सूर्यमंदिर की ही भव्य तस्वीर को प्रस्तुत किया था। मुझे खुशी है कि महाप्रभु जगन्नाथ मंदिर परिसर के सभी चार द्वार खुल चुके हैं। मंदिर का रत्न भंडार भी खोल दिया गया है।

हमें ओड़िशा की हर पहचान को दुनिया को बताने के लिए भी और भी इनोवेटिव कदम उठाने हैं। जैसे....हम बाली जात्रा को और पॉपुलर बनाने के लिए बाली जात्रा दिवस घोषित कर सकते हैं, उसका अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रचार कर सकते हैं। हम ओड़िशी नृत्य जैसी कलाओं के लिए ओड़िशी दिवस मनाने की शुरूआत कर सकते हैं। विभिन्न आदिवासी धरोहरों को सेलिब्रेट करने के लिए भी नयी परंपराएं शुरू की जा सकती हैं। इसके लिए स्कूल और कॉलेजों में विशेष आयोजन किये जा सकते हैं। इससे लोगों में जागरूकता आयेगी, यहां पर्यटन और लघु उद्योगों से जुड़े अवसर बढ़ेंगे। कुछ ही दिनों बाद प्रवासी भारतीय सम्मेलन भी, विश्व भर के लोग इस बार ओड़िशा में, भुवनेश्वर में आने वाले हैं। प्रवासी भारतीय दिवस पहली बार ओड़िशा में हो रहा है। ये सम्मेलन भी ओड़िशा के लिए बहुत बड़ा अवसर बनने वाला है।

कई जगह देखा गया है बदलते समय के साथ, लोग अपनी मातृभाषा और संस्कृति को भी भूल जाते हैं। लेकिन मैंने देखा है...उड़िया समाज, चाहे जहां भी रहे, अपनी संस्कृति, अपनी भाषा...अपने पर्व-त्योहारों को लेकर हमेशा से बहुत उत्साहित रहा है। मातृभाषा और संस्कृति की शक्ति कैसे हमें अपनी जमीन से जोड़े रखती है...ये मैंने कुछ दिन पहले ही दक्षिण अमेरिका के देश गयाना में भी देखा। करीब दो सौ साल पहले भारत से सैकड़ों मजदूर गये...लेकिन वो अपने साथ रामचरित मानस ले गये...राम का नाम ले गये...इससे आज भी उनका नाता भारत भूमि से जुड़ा हुआ है। अपनी विरासत को इसी तरह सहेज कर रखते हुए जब विकास होता है...तो उसका लाभ हर किसी तक पहुंचता है। इसी तरह हम ओड़िशा को भी नयी ऊंचाई पर पहुंचा सकते हैं।

आज के आधुनिक युग में हमें आधुनिक बदलावों को आत्मसात भी करना है, और अपनी जड़ों को भी मजबूत बनाना है। ओड़िशा पर्व जैसे आयोजन इसका एक माध्यम बन सकते हैं। मैं चाहूंगा, आने वाले वर्षों में इस आयोजन का और ज्यादा विस्तार हो, ये पर्व केवल दिल्ली तक सीमित न रहे। ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ें, स्कूल कॉलेजों का participation भी बढ़े, हमें इसके लिए प्रयास करने चाहिए। दिल्ली में बाकी राज्यों के लोग भी यहां आयें, ओड़िशा को और करीबी से जानें, ये भी जरूरी है। मुझे भरोसा है, आने वाले समय में इस पर्व के रंग ओड़िशा और देश के कोने-कोने तक पहुंचेंगे, ये जनभागीदारी का एक बहुत बड़ा प्रभावी मंच बनेगा। इसी भावना के साथ, मैं एक बार फिर आप सभी को बधाई देता हूं।

आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद। जय जगन्नाथ।

हेमंत सोरेन से मिले कांग्रेसी नेता

शशि भूषण राय ने जीत पर बधाई दी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पर रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि भूषण राय ने झारखंड राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से मुलाकात की एवं चुनाव में प्रचंड जीत और नयी सरकार के गठन के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री राय ने कहा कि जिस तरह से महागठबंधन के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एकजुट होकर यह चुनाव लड़ा, उससे भाजपा की करारी हार हुई। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार के कल्याणकारी कार्यों को जनता ने पसंद किया एवं हमारे समर्थन में वोट देकर यह जीत दिलवायी। इस जीत के पीछे महागठबंधन के वरिष्ठ नेताओं कांग्रेस के अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, झारखंड कांग्रेस प्रभारी, गुलाम अहमद मीर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कांग्रेस विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव का साझा नेतृत्व है। पिछले 5 सालों में कोरोना और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद हेमंत सोरेन जी ने काफी कुशलता से सरकार को चलाया, उन पर कई कठिनाइयां भी आयीं, पर उन्होंने इन सब का सामना किया। शशि भूषण राय ने कहा कि आने वाले समय में भी राज्य की गठबंधन सरकार और ऊर्जा के साथ काम करेगी एवं जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

बांग्लादेशी नाबालिग लड़की का रेस्क्यू

भुवनेश्वर(आजाद सिपाही)। रविवार को कटक से एक बांग्लादेशी नाबालिग लड़की को रेस्क्यू की घटना में पुलिस ने अपना तरफ से मामला दर्ज किया है। शुरूआती जांच में पुलिस ने साफ किया है कि नाबालिग की उम्र 16 साल है और उसका घर बांग्लादेश है। पूछ-ताछ में नाबालिग अधिक जानकारी नहीं दे सका। कटक के डीसीपी जगमोहन मीना ने कहा कि वह नौकरी के लालच में आरोपी के जाल में फंस गया है। डीसीपी के मुताबिक लिंकरोड इलाके से बांग्लादेशी नाबालिग को रेस्क्यू करने के बाद मधुपाटना थाने में मामला दर्ज किया गया है।

Asarfi Hospital, Dhanbad
1st TIME LIVER & KIDNEY TRANSPLANT CLINIC AT DHANBAD
IN ASSOCIATION WITH
MGM HEALTH CARE CHENNAI
Liver Transplant Specialist
Kidney Transplant Specialist
Dr. Thiagarajan Srinivasan
Dr. Vikram Sagar TV
Clinic Date : 27th Nov. (Wednesday), 11:00 AM Onward
7808368888
Baramuri, P.O.: Bishunpur Polytechnic, Dhanbad 828130

50% Off on Making Charge
भारी छूट
आकर्षक उपहार
NEW SONI JEWELLERS
GOLD ✦ SILVER ✦ DIAMOND
Opp. Nirwachan Aayog (Election Commission) Ratu Road, Chowk, Ranchi - 01
91 9955526560
91 9431143722

FURNITURE PLANET
A Unit of Supreme Techno (India)
Manufacturing Unit of
Revolving Chairs, Office Sofa and Restaurant Furniture
LARGEST SHOWROOM IN JHARKHAND
Web: www.supremetechnoindia.com
Add.: Opp. Hanuman Dharamkanta, Kokar, Ranchi
9570040095, 9570007788

प्रकाशित
Verma's Today CHAPTER WISE CLASS - XI 2025
ARTS, SCIENCE, COMMERCE
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!
VERMA PRESS PVT. LTD.
4, R. G. STREET, THARPAKHNA
RANCHI (JHARKHAND) - 834 001

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. RN/249/2019-21